MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:25 AM Page 1

केवल मैडीकल व्यवसायियों के लिए

MEDICAL DARPAN MEDIA HOUSE
bgarg29158@gmail.com • Mob.: 09045029158

मैडीकल दर्पण

Editor- Brijesh Garg www.medicaldarpan.com Monthly News Paper
B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No.- BSR 56/2023-2025 RNI UPBIL/2010/44113

Year 18 | Issue 10 | D.O.P. 01 JULY 2025 | Pages 16 | ₹10/- Copy | ✆ 09045029158 | medicaldarpan.ctp@gmail.com

Kerecid-20: Redefining Acid Control with Precision

Power Beyond PPIs

Experience the next generation of acid suppression with Vonaprazan-20mg, a novel Potassium-Competitive Acid Blocker (P-CAB).

Kerecid®-20
Vonoprazan 20mg Tablets

For Trade Enquiries please contact us at:

BSA Pharma Inc.
S.C.O.-11, Behind markanda complex,
Sena Nagar, Near Chandigarh-New Delhi Highway,
Ambala-134003 (HR.)
email: bsapharmainc@yahoo.co.in

Contact Us:
94161-17235
96717-92650
90340-51754

SCAN QR CODE FOR OUR WEBSITE
SCAN QR CODE TO DOWNLOAD OUR APP

OUR OTHER DIVISIONS: Orthocare, SG Biosciences, BSA Herbals, Synacare, DIBCARD Saving Lives

Our General Divisions

MERRIL | MESTRA | STERILE GENETICS

For any query :- 9719839944 (Call & SMS)

We have more than 2000 Products in our Successfully Running Company.

New Molecules available

Natural Progesterone 200/300/100 mg Tab.
Rifaximine 200/400/550 & Metronidazole 400 mg Tab.
Sultamycillin 375 mg Tab.
Dydrogesterone Tablets IP 10 mg

Emocare (A Neuro-Psychiatrist Divison)	NUECAD (Cardiac-Diabetic division)	Womana (Gyne-infertility division)	BEAUKIN (A Derma Divison of Merril Pharma)
Piraciti-Plus Citicoline 500mg + Piracetam 800mg Tab.	Metolip-ER 25/50 Metoprolol Tartrate 25/50 (ER)	Gensure-Sachet L-Arginine 3gm. + Proanthocyanidin 75 mg.	Antihist-D Desloratadine 10 mg.
Velpy-200/300/500 Sodium Valporate With Valporic Acid	Nuepido-AS Clopidogrel 75 mg +Aspirin 75 mg	Gensure-LC L-Carnitine + Co-Enzyme + Astaxanthin + Piperin + Lycopene+ Zinc Sulphate	Tacroril Tacrolimus Cream 0.03
Emofexine Tab. Desvenlafaxine 50mg ER	Nuepido-Plus Clopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg	NMPC-softgel/SR tab/ Inj. Natural Micronised Progesterone B.P. 100/200/300 mg.	Candigel Luliconazole 1.0% w/w
Emofexine Plus -50 Desvenlafaxine 50 mg + Clonazepam 0.5 mg	Tenzex-M Teneligliptin 20mg + Metformin Hydrochloride 500mg	Gensure-F Folic Acid, Inositol, L-Arginine, Selenium Grape Seed Extract, Lycopene, Vitamins & Zinc	Eberil Eberconazole 30 mg

Registered Office :-A-401/402, Empire Business Hub, Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujarat)-India,
Email : order@mestrapharma.com, Website : www.mestrapharma.com

Advanced B12 Therapy For
NEUROPATHIC PAIN MANAGEMENT

Best BIOTECH ©®

Redivit™-AQ-PFS
Mecobalamin 1500mcg Pre-Filled Syringe (Aqueous Base)

Aqueous base
Pain-Free Experience

Mecobalamin Injection 1500 mcg
Redivit-AQ-PFS

Innovative 800+ Products

BEST BIOTECH (An ISO 9001:2015 Certified Co.)

For Trade enquiries please contact:
9959018286, 9491889086,
7075558086, 9493234086
e-mail: bestbiotech4u@gmail.com,
www.bestbiotechindia.com

Please Scan QR Code for more Product Details

PCD / FRANCHISEE
INVITING PROPOSAL FOR FRANCHISEE ACROSS COUNTRY

V & U Pharmaceuticals
A NAME SYNONYMOUS TO QUALITY & TRUST

Where Quality is the Core

GMP | ISO 9001 CERTIFIED | WHO GMP CERTIFIED

All Products of V & U Pharmaceuticals are manufactured under stringent quality control in approved manufacuring facilities.

1. One of the best quality products and packaging.
2. Attractive Pricing./ 3.Attractive Bonanza
4. Comprehensive & expanding produt basket
5. Expert Marketing Support/ Print Inputs.

TABLETS/CAPSULES
SYRUPS/LIQUIDS
RESPULES/ROTACAPS
DEVICES/CREAMS

Contact: 7017051435/9999355975
V & U PHARMACEUTICALS
H-1.39N,RIICO Industrial Area, Khushkhera, Bhiwadi, Distt:Alwar, Rajasthan 301707
sales@vnupharmaceuticals.com; vnupharmaceuticals@gmail.com
www.vnupharmaceuticals.com

Biounity Pharma

SERVICES
☑ Third Party Manufacturing
☑ Contract Manufacturing
☑ PCD Pharma Franchise

GLP | WHO GMP CERTIFIED | ISO 9001

Committed to Healthcare through *Innovation & Quality*

WE OFFER

MORE THAN 1000 PRODUCTS | EXCEPTIONAL PROFIT MARGIN
PROMPT / TIMELY DELIVERY | COMPLETE MONOPOLY RIGHTS
EXCLUSIVE PROMOTIONAL MATERIAL | ATTRACTIVE PACKING

Supernova Life Drug Pvt. Ltd.
(An GMP Certified Company adhering to the latest revised "SCHEDULE M")

Contact No. :
+91 8449549885
+91 9557627998
po.pharmabiounity@gmail.com
mkt.biounitypharma@gmail.com
Marketing.ekta@supernovalifedrugs.com

Wide Therapeutic Range

Orthopadic, Gyneccare, Gastroenterology
Anti-Infective, Urology Care, Anti-Allergic
Cardiovascular, Anti-Diabetic, Cough & Cold
Bronchodilator, Paediatric, Respiratory
Injectables, Neuropsychiatry, Nutritional Supplements
OTC Products, Derma Care, Eye/Ear/Nasal Drops

gary Committed to Dermatology

30+ YEARS OF EXPERTISE | TRUSTED BY 5000+ DERMATOLOGISTS

More than 400 products in:

TABLETS | OINTMENTS
LOTION | CAPSULES
OILS | MOISTURIZERS
FACEWASH | SUN SCREEN
CREAMS | SHAMPOOS
SOAPS | DUSTING POWDERS

Join the fast growing Derma market
Call: +91 95927 88478
Email: business.garypharma@gmail.com

We offer exclusive Monopoly Rights, Promotional Material, Doctor Leave-Behinds, Visual Aid Kits, Visiting cards and more.

Gary Pharmaceuticals (P) Limited
Address: Off NH-95, VPO Heeran-141112, Kohara (Pb.) India
garypharma.com | garypharma | garypharmaceuticals

AAR ESS REMEDIES PVT. LTD.
New Launches

Let Not Worsen With Age
Tendosnap Forte
L- Arginine 500 mg + Chondroitin Sulfate 200 mg + Collagen Peptide Type-I 40 mg + Ascorbic Acid 35 mg + Sodium Hyaluronate 30 mg Tablets

Synergistically Alleviate Inflammatory Conditions
TOPPOZYME-P
Trypsin 96 mg + Bromelain 180 mg + Rutoside 200 mg + Papain 120 mg Tablets

Soliciting The Traditional Medicines
VORILAX - PC
Nano Curcumin (25%) 500 mg + Piperine (95%) 5 mg Tablets

Aar Ess
C-28, Sector-65, Gautam Buddh Nagar,
Noida-201301, Uttar Pradesh (INDIA)
www.aaressremedies.com,
info@aaressremedies.com
Contact: +91-7838364045

MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:25 AM Page 2

आयरन इंजेक्शन और ग्लूकोज के इस्तेमाल पर रोक लगाई

नई दिल्ली। आयरन इंजेक्शन और ग्लूकोज (इलेक्ट्रोलाइट) के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। इन दवाओं की जांच में एलर्जी और फंगस संक्रमण की शिकायत मिली थी। इसकी पुष्टि होने के बाद दिल्ली स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने यह कदम उठाया है। दिल्ली सरकार के तीन अलग-अलग अस्पतालों में आयरन इंजेक्शन और ग्लूकोज के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। दवाओं की गुणवत्ता के संबंध में शिकायत मिली थी, जिसके बाद दवाओं का परीक्षण किया गया। महानिदेशालय ने पत्र लिखकर गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल, डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान और जीबी पंत अस्पताल के चिकित्सा निदेशकों को इस बारे निर्देश दिए हैं। आगामी आदेश तक दवा के इस्तेमाल पर रोक और सतर्क रहने को कहा है।

नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में वेगोवी लॉन्च किया

मुंबई: डेनिश दवा निर्माता नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में अपनी बहुप्रतीक्षित ब्लॉकबस्टर वजन घटाने वाली दवा वेगोवी लॉन्च की है, जिसकी पूरी चिकित्सीय खुराक की कीमत 26,050 प्रति माह तक है। GLP-1 एनालॉग सेमाग्लूटाइड पर आधारित एक बार साप्ताहिक इंजेक्शन 24 जून से भारतीय फार्मेसियों में उपलब्ध हो गया है, और महीने के अंत तक पूरे देश में रोलआउट होने की उम्मीद है। वेगोवी को उपयोगकर्ता के अनुकूल पेन डिवाइस में आपूर्ति की जाएगी, जो पांच शक्तियों में उपलब्ध है - 0.25 मिलीग्राम, 0.5 मिलीग्राम, 1 मिलीग्राम, 1.7 मिलीग्राम और 2.4 मिलीग्राम - नैदानिक आवश्यकताओं के आधार पर अनुमापन की अनुमति देता है। कंपनी ने कहा कि उसने खुराक समायोजन के दौरान वित्तीय प्रभाव को कम करने के लिए डिजाइन की गई मूल्य निर्धारण रणनीति अपनाई है।

पहली तीन खुराक क्षमताएँ - 0.25 मिग्रा, 0.5 मिग्रा और 1 मिग्रा - की कीमत समान रूप से 17,345 प्रति माह है, जो रोगियों को प्रारंभिक अनुमापन चरण के दौरान लचीलापन प्रदान करती है। 1.7 मिग्रा खुराक की कीमत 24,280 प्रति माह है, जबकि पूर्ण 2.4 मिग्रा चिकित्सीय खुराक की कीमत 26,050 प्रति माह होगी, जो लगभग 4,366 प्रति इंजेक्शन है। उपचार आमतौर पर प्रति सप्ताह 0.25 मिलीग्राम से शुरू होता है, रोगी की सहनशीलता और चिकित्सक के मार्गदर्शन के आधार पर धीरे-धीरे वृद्धि होती है। रोगी आम तौर पर चार सप्ताह के लिए 0.5 मिलीग्राम तक बढ़ते हैं, उसके बाद अगले चार सप्ताह के लिए 1 मिलीग्राम, प्रभावकारिता और दुष्प्रभावों के आधार पर आगे समायोजन के साथ। नोवो नॉर्डिस्क के अनुसार, वेगोवी ने कम कैलोरी वाले आहार और बढ़ी हुई शारीरिक गतिविधि जैसे जीवनशैली हस्तक्षेपों के साथ प्रयोग किए जाने पर, कम से कम तीन में से एक रोगी में 20 प्रतिशत या उससे अधिक वजन कम करने की क्षमता प्रदर्शित की है।

थोक दवा निर्माण के लिए डीओपी ने मांगे आवेदन

नई दिल्ली। थोक दवा निर्माण के लिए आवेदन मांगे गए हैं। फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी) ने पीएलआई योजना के तहत पात्र निर्माताओं से आवेदन मांगे हैं। डीओपी ने कहा कि अधिकतम 25 आवेदकों का चयन होगा। अब तक योजना के तहत पात्र उम्मीदवारों के चयन के चार दौर पूरे कर लिए हैं। आवेदन आमंत्रित करने का नोटिस सदस्यता समाप्त या आंशिक रूप से सदस्यता प्राप्त पात्र उत्पादों से संबंधित सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के बाद जारी किया है। सूचीबद्ध पात्र किण्वन-आधारित उत्पादों में एरिथ्रोमाइसिन थायोसाइनेट (टीआईओसी) शामिल है। इसके लिए 1,600 मीट्रिक टन की कुल उपलब्ध उत्पादन क्षमता प्रदान की जाएगी। इसके लिए 800 मीट्रिक टन की न्यूनतम वार्षिक उत्पादन क्षमता वाले दो आवेदकों का चयन होगा। नियोमाइसिन के लिए दो आवेदकों का चयन न्यूनतम वार्षिक उत्पादन 80 मीट्रिक टन के लिए किया जाएगा। इससे कुल 160 मीट्रिक टन तक पहुंचा जा सकेगा। जेंटामाइसिन के लिए दो आवेदकों का चयन न्यूनतम वार्षिक उत्पादन 40 मीट्रिक टन के लिए किया जाएगा। इससे 80 मीट्रिक टन क्षमता होगी।

जन्म प्रमाणपत्र में फर्जीवाड़ा करने पर अस्पताल सील

पलवल (हरियाणा)। जन्म प्रमाणपत्र में फर्जीवाड़ा करने पर एक निजी अस्पताल को सील किया गया है, वहीं दूसरे अस्पताल पर एफआईआर दर्ज हुई है। उटावड़ स्थित निजी अस्पताल पर गलत जन्म प्रमाण पत्र जारी करने का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि अस्पताल संचालक ने रजिस्ट्रेशन आईडी का दुरुपयोग कर गलत जन्म प्रमाण जारी कराए। उटावड़ थाना पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 26 मई को सूचना के आधार पर भीमसीका गांव में सलमा नर्सिंग होम पर छापेमारी की थी। इस दौरान नर्सिंग होम की संचालिका से लगभग 154 जन्म प्रमाण पत्र मिले थे। इनमें से कुछ में जन्मतिथि और स्थान गलत थे। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर सभी जन्म प्रमाण पत्र पुलिस को सौंप दिए गए थे। इन जन्म प्रमाण पत्रों की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग की तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया। इसी जांच के आधार पर 13 जून को टीम ने उटावड़ स्थित रिहान अस्पताल की जांच की। मौके पर मिले डॉक्टर रिहान ने बताया कि सलमा अस्पताल उन्हीं की ओर से चलाया जाता है और डॉक्टर अली उनके अस्पताल में काम करते हैं।

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120081, IFSC Code - PUNB0145020 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09045029158 पर SMS कर दें।

MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:25 AM Page 3

भारतीय फार्मा कंपनियों को अमेरिकी कोर्ट ने दिया झटका

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार भारतीय फार्मा कंपनियों को अमेरिकी कोर्ट से झटका मिला है। अमेरिका की एक जिला अदालत ने Astellas फार्मा को उसके मशहूर ब्लैडर डिसऑर्डर ड्रग Myrbetriq (मिराबेग्रोन) के पेटेंट विवाद में राहत दी है। कोर्ट ने ˊलकने और Lupin जैसी जेनेरिक दवा बनाने वाली कंपनियों की दलीलों को खारिज कर दिया है, जिससे इनकी आगे की रणनीति पर असर पड़ सकता है। Zydus और Lupin ने अप्रैल 2025 में 'रिस्क पर' Myrbetriq की जेनेरिक दवा लॉन्च की थी। इन कंपनियों ने कोर्ट से 'reduced food effect' की परिभाषा को '189' और '451' दोनों पेटेंट पर एक समान तरीके से लागू करने की मांग की थी लेकिन कोर्ट ने Astellas की व्याख्या को सही माना, जिससे जेनेरिक कंपनियों के लिए एक नई कानूनी बाधा खड़ी हो गई है। अब तक कानूनी बहस '780' पेटेंट की वैधता पर केंद्रित थी. अगर यह पेटेंट रद्द होता है, तो MSN और Ascent जैसी कंपनियां नवंबर 2025 तक बाजार में प्रवेश कर सकती थीं। अब '189' पेटेंट की कानूनी वैधता और व्याख्या ने मामला और कठिन कर दिया है। Zydus और Lupin के सूत्रों का कहना है कि यह फैसला मौजूदा हालात में बदलाव नहीं लाता। असली असर तब देखने को मिलेगा जब अगले साल सभी पेटेंट पर ज्यूरी ट्रायल होगा। भारतीय फार्मा कंपनियों को अमेरिकी कोर्ट से झटका मिला है।

PRODUCT LIST: **ORITERBI CREAM,** Terbinafine HCL 1% w/w + Benzyl Alcohol (Preserv) 1% w/w, 15 GM **ORITERBI LOTION**, Terbinafine HCL IP 1 % w/v, 60 ML **ORIGLOW-K CREAM** , Kojic Acid 2%, Arbutin 1.5%, Mulberry Ext, Octinoxate 7.5, Vit E 1%, 15 GM **ORIGLOW-K FACEWASH**, Myristic Acid, Glycerin, Water, Propylene Glycol, Potassium Hydroxide, Palmitic Acid and Stearic Acid, Lauric Acid, Glycol Distearate, Decyl Glucoside, Palmitic Acid, Hydroxystearic Acid, Glyceryl Stearate, Perfume, Guar Hydroxypropyltrimonium Chloride, DMDM Hydantion and Iodopropynyl Butylcarbamate, Polyquaternium-7, Disodium EDTA, Niacinamide, Benzyl Salicylate, Butylphenyl Methylpropional, Citronellol, Geraniol, Hexyl Cinnamal, Limonene, Linalool, L-Glutathione, Arbutin, Kojic Acid Dipalmitate. 70 ML **XTRAYUTH - P - CREAM**, White Soft Paraffin, Liquid Paraffin, Aloevera Ext, DM Water, Propylene Glycol, Emulsifying Wax, Glycerin, Cyclomethicone, Shea Butter, Titanium Dioxide, Mango Butter, Cocoa Butter, Cetyl Alcohol, Citric Acid, Dimethicone, 50 GM **TRAYUTH FACE WASH - 3 Way Antibacterial Action**, Advance Cleansing Formula - Sodium Lauryl Ether Sulphate, Glycerine, Glycolic Acid, Liquid Paraffin, Coco Diethanol Amide, Coco Amino Propyl Betaine, Orange Juice Ext, Jojoba Oil, Apricot ext, Tea Tree Oil, Triclosan, D-Panthenol, Salicylic Acid, Vit E, Olive Oil , Allantoin, Lemon Ext, Walnut Leaf Ext, 75 GM. **-Sudhir Life Sciences (P) Ltd. Jabalpur, 9424417000, 7400717000, 8871307000.**

www.medicaldarpan.com

कर्म ही पूजा है

निट्राजेपाम की तस्करी में गिरफ्तार केमिस्टों को जमानत

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार नशीली दवा निट्राजेपाम की तस्करी में गिरफ्तार केमिस्टों को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। इन केमिस्टों को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मई 2023 में गिरफ्तार किया था। निट्राजेपाम एक प्रिस्क्रिप्शन हिप्नोटिक ड्रग है, जिसका आमतौर पर अनिद्रा के इलाज में उपयोग किया जाता है। बता दें कि पुणे में की गई छापेमारी के दौरान लगभग 5,900 निट्राजेपाम टैबलेट जब्त की थीं। दावा किया था कि यह गोलियां बिहार से लाई जा रही थीं और एक अंतरराज्यीय नशा रैकेट द्वारा वितरित की जा रही थीं। इस मामले में दो कैमिस्टों को गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति एन.आर. बोर्कर ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि दोनों आरोपी प्रथम दृष्टया लाइसेंसधारी केमिस्ट हैं और इन्होंने निट्राजेपाम की गोलियां वैध माध्यमों से प्राप्त की थीं।

MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:26 AM Page 4

उल्टी की टैबलेट में मात्र 28 प्रतिशत मिली दवा, सैंपल फेल

रायबरेली। प्राप्त समाचार के अनुसार उल्टी की टैबलेट में मात्र 28 प्रतिशत दवा पाई गई है। इसके चलते इस दवा का सैंपल फेल घोषित किया गया है। यह दवा देहरादून में निर्मित की गई है। प्रयोगशाला की जांच में यह तथ्य सामने आया है। बताया गया कि जांच में सॉल्ट कम होने के साथ ही दवा में हार्डनेस अधिक मिला है। दवा को अधोमानक के साथ ही मिस्ब्रांड घोषित कर दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने इस दवा के निर्माता और विक्रेता को नोटिस देकर जवाब मांगा है। संबंधित बैच की दवा को कंपनी को वापस करने के आदेश दिए गए हैं।

टीबी के लिए राज्यव्यापी सर्वेक्षण आज से, आशा कार्यकर्ता भी शामिल

जयपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार राज्य में तपेदिक (टीबी) को खत्म करने की समय सीमा इस साल दिसंबर में नजदीक आ रही है, स्वास्थ्य विभाग रोगियों और कमजोर लोगों की पहचान के लिए एक बड़ा राज्यव्यापी सर्वेक्षण शुरू करेगा। विभाग ने मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) को सूचीबद्ध किया है, जिन्हें सर्वेक्षण किए गए प्रत्येक परिवार को 10 रुपये का भुगतान किया जाएगा। अनुमानों के मुताबिक, जयपुर में सबसे ज्यादा 15.9 लाख कमजोर आबादी है, उसके बाद जोधपुर (8.8 लाख), अलवर (8.7 लाख), नागौर (7.8 लाख) और उदयपुर (7.3 लाख) का स्थान है। राज्य में 50,000 से ज्यादा आशा कार्यकर्ताओं का बेड़ा है। वे कमजोर लोगों की पहचान करने के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगी, जैसे एचआईवी या मधुमेह से पीड़ित, 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग, धूम्रपान करने वाले, शराब पीने वाले, कुपोषित, आदिवासी समूह, प्रवासी और खनिक। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा सर्वेक्षण 11 जुलाई को समाप्त होगा।

असम सरकार सभी निर्वाचन क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगी

गुवाहाटी: प्राप्त समाचार के अनुसार असम सरकार ने लोगों की जांच करने और समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए अक्टूबर से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की योजना बनाई है। हुई बैठक में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और राज्य स्वास्थ्य विभाग ने योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हर शिविर को सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त एक आदर्श शिविर बनाएं। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में, सीएम ने लिखा कि असम के हर निर्वाचन क्षेत्र में स्थानीय लोगों की जांच करने और आवश्यकता पड़ने पर समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए पांच स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। स्वस्थ असम की ओर.... अक्टूबर से, हम लोगों की जांच करने और समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए असम भर में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में पांच स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेंगे। पोस्ट में लिखा गया है, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के विशेषज्ञ डॉक्टरों को लोगों की जांच करने के लिए लगाया जाएगा, और किसी भी उपचार में वृद्धि का समन्वय किया जाएगा और सरकार द्वारा उसका पालन किया जाएगा। मरीजों को विभिन्न स्वास्थ्य क्षेत्र कल्याण योजनाओं से जोड़ा जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे बीच में इलाज न छोड़ें। उन्होंने आगे कहा कि शिविरों में नि:शुल्क परामर्श और दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाएँगी, तथा स्वस्थ व्यवहार और जीवनशैली के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया जाएगा। पोस्ट में आगे लिखा है, शिविरों में नि:शुल्क परामर्श और दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाएँगी, तथा स्वस्थ व्यवहार और जीवनशैली के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया जाएगा। मैंने आज स्वास्थ्य विभाग के साथ योजनाओं की समीक्षा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की और अधिकारियों को प्रत्येक शिविर को सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त एक आदर्श शिविर बनाने का निर्देश दिया।

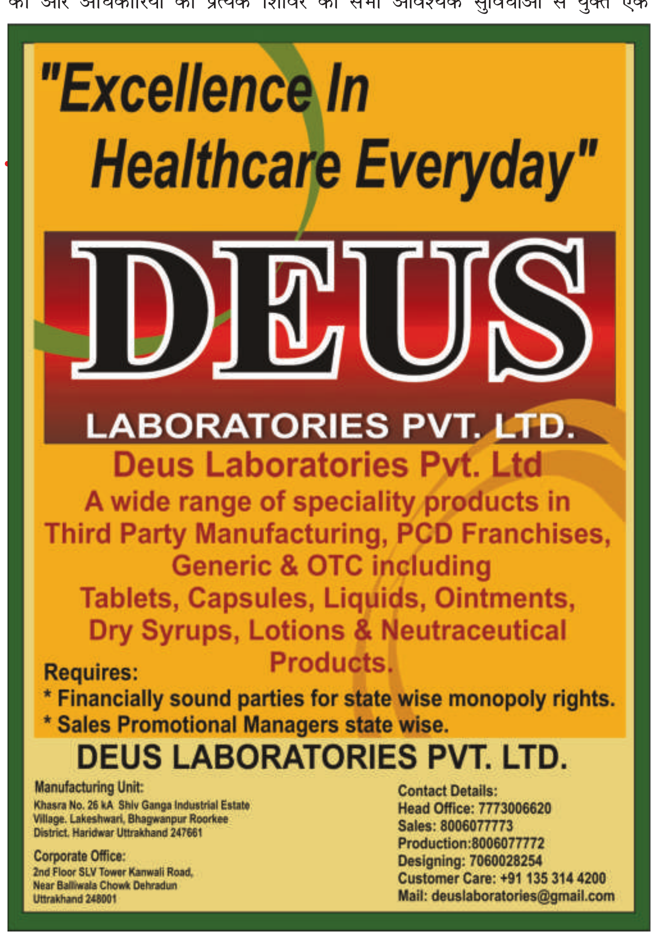

निजी अस्पताल में किशोर की इलाज के दौरान मौत, हंगामा

अंबाला (हरियाणा)। निजी अस्पताल में किशोर की इलाज के दौरान मौत पर हंगामा हो गया। परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही करने का आरोप लगाया है। हंगामा बढ़ता देख मौके पर पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिस ने पीड़ित परिवार को शांत करवाया और कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिवार के लोगों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ शिकायत दी है। अंबाला छावनी के महेश नगर स्थित केडी अस्पताल में पटियाला के गांव घग्गर के 17 वर्षीय साहिब सिंह का कोहनी का ऑपरेशन हुआ। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर व अन्य स्टाफ पर उनके बेटे को गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। सूचना पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा। करीब दो घंटे के बाद मामले को शांत करवाया। इस बीच पुलिस ने डॉक्टर व अन्य स्टाफ को सुरक्षित निकाला। पुलिस ने मृतक साहिब सिंह के दादा घग्गर गांव के भूतपूर्व सरपंच करनैल सिंह की शिकायत पर अस्पताल के डॉक्टर आदि के खिलाफ डीडीआर दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी। परिजनों की मांग पर डॉक्टरों के बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। एएसआई सुशील ने बताया कि राजपुरा के पास 13 जून को सडक हादसे में साहिब सिंह चोटिल हो गया था। मुंह व कोहनी में चोटें लगने के कारण परिजन उसे केडी अस्पताल में लेकर पहुंचे थे। ऑपरेशन के दौरान युवक की मौत हुई है।

क्यों 25 की उम्र में ही होने लगी हैं 50 वाली बीमारियां? एक्सपर्ट ने बताई वजह और बचाव के तरीके

नई दिल्ली। प्राप्त समाचार के अनुसार आजकल यह देखना आम हो गया है कि जवानी में ही लोगों को ऐसी बीमारियां घेर रही हैं जो कभी 50 की उम्र के बाद ही दिखती थीं। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, और हार्ट डिजीज जैसी समस्याएं अब 25-30 साल के युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही हैं। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है।

बैठे-बैठे बीमार हो रहा है शरीर: एक्सपर्ट का कहना है कि आज का युवा दिनभर लैपटॉप, मोबाइल और ऑफिस डेस्क पर बैठा रहता है, जिससे उसकी फिजिकल एक्टिविटीज बेहद कम हो गई हैं। इसके अलावा, लोगों के पास एक्सरसाइज करने का समय नहीं है और चलने-फिरने की आदत खत्म होती जा रही है। वहीं, घंटों का स्क्रीन टाइम भी शरीर को धीरे-धीरे अंदर से कमजोर कर रहा है।

फास्ट फूड बना धीमा जहर : ज्यादातर युवा आज के समय में पैकेज्ड फूड, जंक फूड और हाई शुगर ड्रिंक्स पर निर्भर हो गए हैं। घर का खाना छोड़कर बाहर के खाने को प्राथमिकता देना अब आम हो चला है। इससे शरीर में फैट, शुगर और खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है, जो डायबिटीज और दिल की बीमारियों की जड़ बनता है।

छिपा हुआ दुश्मन है मेंटल स्ट्रेस : कॉलेज में टॉप करना हो या करियर में जल्दी आगे बढ़ने की दौड़, हर युवा किसी न किसी दबाव में है। इसके ऊपर पारिवारिक जिम्मेदारियां, सोशल मीडिया का प्रेशर और फ्यूचर की चिंता मेंटल हेल्थ पर बुरा असर डालते हैं। यह तनाव धीरे-धीरे नींद की कमी, इमोशनल ईटिंग और हार्मोनल असंतुलन में बदलता है, जो बीमारियों को न्यौता देता है।

नशे की बढ़ती लत: कुछ युवाओं में स्मोकिंग, शराब और नशे की आदतें भी गंभीर हेल्थ इशूज को जन्म दे रही हैं। यह आदतें शरीर के अंदरूनी सिस्टम को प्रभावित करती हैं और लंबे समय में हार्ट, लिवर और अन्य अंगों को नुकसान पहुंचाती हैं।

समय पर टेस्ट कराना है जरूरी: अक्सर युवाओं को लगता है कि "अभी तो हम जवान हैं, हमें क्या होगा?" यही सोच उन्हें रेगुलर हेल्थ चेकअप से दूर रखती है। नतीजतन, जब बीमारी का पता चलता है, तब तक वह शरीर में काफी असर कर चुकी होती है।

क्या असर पड़ रहा है इन बीमारियों का?

क्वालिटी ऑफ लाइफ गिर रही है: थकान, चिड़चिड़ापन, नींद की कमी और आत्मविश्वास में गिरावट आम हो चुकी है।

वर्कप्लेस पर परफॉर्मेंस प्रभावित: बीमारियां करियर ग्रोथ को रोकती हैं।

फ्यूचर हेल्थ रिस्क बढ़ते हैं: कम उम्र में शुरू हुई बीमारियां जल्दी जटिल रूप ले सकती हैं।

कैसे बचें इन बीमारियों से?

रेगुलर एक्सरसाइज करें - दिन में कम से कम 30 मिनट की एक्टिविटी जरूरी है।

बैलेंस डाइट लें - फल, सब्जियां, प्रोटीन और फाइबर को डाइट में शामिल करें।

स्ट्रेस को पहचानें और संभालें - मेडिटेशन, योग और अच्छी नींद इसमें मददगार है।

हेल्थ चेकअप करवाएं - साल में कम से कम एक बार ब्लड प्रेशर, शुगर, कोलेस्ट्रॉल की जांच कराएं।

नशे से दूरी बनाएं - यह सिर्फ आपकी नहीं, आपके परिवार की भी सेहत पर असर डालता है। आजकल यह देखना आम हो गया है कि जवानी में ही लोगों को ऐसी बीमारियां घेर रही हैं जो कभी 50 की उम्र के बाद ही दिखती थीं।

अमृत और मृत्यु – दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं. मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है

"यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के पास प्रसिद्धि है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?" –चाणक्य

देवघर एक्सप्रेस से एस्कुफ सिरप की तस्करी पकड़ी

अगरतला। देवघर एक्सप्रेस से एस्कुफ कफ सिरप की भारी तस्करी पकड़ी गई है। कुल 9 लाख रुपये मूल्य की 1,580 बोतलें जब्त की गईं। अगरतला रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी इकाइयों ने यह कार्रवाई की। नियमित जांच के दौरान अगरतला–देवघर एक्सप्रेस में तलाशी के दौरान कोडीन आधारित खांसी की दवा एस्कुफ की 1,580 बोतलें बरामद हुईं। यह एक लावारिस माल कोच संख्या एनएफआर–204751 और जीएस कोच संख्या एनएफआर–174070 के डिब्बों के भीतर मिली। इस प्रतिबंधित सामान का अनुमानित बाजारी कीमत करीब 9 लाख रुपये है। फिलहाल अगरतला जीआरपी इस अवैध शिपमेंट के प्राप्तकर्ता का पता लगाने की कोशिश में जुटी है।

दवा की समय पर डिलीवरी तय करने के लिए आयुष पोर्टल शुरू

चंडीगढ़। दवा की समय पर डिलीवरी तय करने के लिए आयुष पोर्टल शुरू किया गया है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने 'आयुष औषधि सूची प्रबंधन प्रणाली' के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की है। यह अत्याधुनिक पोर्टल राज्य भर में आयुष दवाओं के वितरण से संबंधित सभी गतिविधियों को डिजिटल रूप से ट्रैक और मॉनिटर करेगा। इस प्रणाली का उद्देश्य आम जनता को आयुष दवाओं की समय पर, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी आपूर्ति सुनिश्चित करना है। राव ने कहा कि अब हरियाणा में आयुष दवाओं के वितरण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। दवाओं की उपलब्धता की डिजिटल तरीके से निगरानी की जाएगी। इससे सभी जिलों में आवश्यक दवाएं समय पर पहुंच सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल स्वास्थ्य विभाग की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करेगा और उसकी कार्यकुशलता को बढ़ाएगा। पोर्टल की एक प्रमुख विशेषता पारदर्शी वितरण प्रणाली के तहत हर दवा को ट्रैक करने की क्षमता है। दवाओं की उपलब्धता को भी लाइव स्टॉक अपडेट के माध्यम से वास्तविक समय में देखा जा सकता है। यह पूरी प्रणाली आयुष विभाग, हरियाणा द्वारा संचालित की जा रही है और इसे राज्य के सभी जिलों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

भारत को रक्त और गर्भनाल रक्त की मांग को पूरा करने के लिए बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है: डॉ. मृणालिनी चतुर्वेदी

बेंगलुरुः प्राप्त समाचार के अनुसार क्रायोविवा लाइफ साइंसेज की चिकित्सा निदेशक डॉ. मृणालिनी चतुर्वेदी ने कहा कि भारत को अब सुरक्षित, सुलभ और समय पर रक्त आधान की अपनी मांग को पूरा करने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है, जो एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। वास्तविकता यह है कि भारत में, जहाँ सालाना 14.6 मिलियन यूनिट से अधिक रक्त की आवश्यकता होती है, अक्सर मांग आपूर्ति से अधिक हो जाती है, खासकर आपात स्थिति, आपदाओं या स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच वाले क्षेत्रों में। वास्तव में, WHO के अनुसार, भारतीय आबादी का 1% से भी कम लोग हर साल रक्तदान करते हैं, हालाँकि देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए सिर्फ 1% भागीदारी ही पर्याप्त होगी, उन्होंने कहा। अधिकांश लोग रक्तदान के बारे में तब तक ज्यादा नहीं सोचते जब तक कि यह व्यक्तिगत न हो जाए। हो सकता है कि यह सर्जरी में किसी प्रियजन के लिए हो, कैंसर के उपचार से गुजर रहे बच्चे के लिए हो, या आपदा की स्थिति में राष्ट्रीय कमी के बारे में कोई समाचार हो। लेकिन उस पल के पीछे एक सरल, उदार कार्य है: किसी ने, कहीं, अपने दिन में से 30 मिनट रक्तदान करने के लिए निकाले। यह एक दान ही शायद किसी के आज जीवित होने का कारण हो। इसलिए, रक्त और गर्भनाल रक्त दान सिर्फ रक्त की एक थैली नहीं बल्कि एक जीवन रेखा है, डॉ मृणालिनी ने फार्माबिज को बताया। 14 जून को संपन्न हुए 2025 विश्व रक्तदाता दिवस का विषय था रक्त दें, आशा दें: साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि रक्तदान न केवल दयालुता का एक सरल कार्य है, बल्कि यह तत्काल जरूरतमंदों के लिए आशा और उपचार लाता है। प्रत्येक रक्तदान तीन अलग–अलग रोगियों की मदद कर सकता है। इनमें कीमोथेरेपी से गुजर रहा बच्चा, ईआर में आघात का शिकार व्यक्ति या क्रोनिक एनीमिया से पीड़ित कोई व्यक्ति शामिल हो सकता है, उन्होंने कहा। इसी तरह, गर्भनाल रक्त दान जो कि बच्चे के जन्म के बाद गर्भनाल से स्टेम सेल युक्त रक्त का संग्रह है, जीवन रक्षक क्षमता रखता है यह विशेष रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले या मिश्रित जातीय पृष्ठभूमि वाले रोगियों के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्हें अक्सर उपयुक्त दाता खोजने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन इसके जीवन–रक्षक क्षमता के बावजूद, कई परिवार इस अवसर से अनजान हैं। डॉ मृणालिनी ने कहा कि हमें इस बातचीत को प्रसवपूर्व परामर्श, डिस्चार्ज प्लानिंग और मातृत्व देखभाल मार्गों में लाने में बेहतर करना चाहिए। दान किए गए रक्त या गर्भनाल रक्त की प्रत्येक यूनिट के पीछे एक कहानी है। एक किशोर जो कैंसर का इलाज पूरा करता है और वापस स्कूल जाता है। एक माँ जो प्रसवोत्तर रक्तस्राव से बच जाती है। एक पिता जो एक गंभीर दुर्घटना के बाद जीवन का एक और मौका पाता है। दाता कभी उन लोगों से नहीं मिल सकते जिनकी वे मदद करते हैं। लेकिन उदारता का उनका कार्य अक्सर किसी और के जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ होता है। भारत में, हमें हर साल लगभग 14. 6 मिलियन यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है, फिर भी हम हर साल लगभग 1 मिलियन यूनिट कम पड़ जाते हैं। हमारी आबादी का सिर्फ 1% नियमित रूप से रक्तदान करके इस मांग को पूरा किया जा सकता है। और फिर भी, हम उस लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाए हैं। डॉ. मृणालिनी ने कहा कि गर्भनाल रक्तदान के साथ भी यही कहानी है, हालाँकि 80 से ज्यादा गंभीर बीमारियों के इलाज की क्षमता होने के बावजूद, यह एक छूटा हुआ अवसर बना हुआ है, क्योंकि परिवारों को इस बात की जानकारी ही नहीं है कि यह एक विकल्प भी है। क्रायोविवा लाइफ साइंसेज की चिकित्सा निदेशक डॉ. मृणालिनी चतुर्वेदी ने कहा कि भारत को अब सुरक्षित, सुलभ और समय पर रक्त आधान की अपनी मांग को पूरा करने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है, जो एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है।

रथ यात्रा के लिए 378 स्वास्थ्य पेशेवरः मंत्री

भुवनेश्वरः आगामी रथ यात्रा की तैयारी के लिए, ओडिशा सरकार ने कई स्वास्थ्य उपायों की घोषणा की है, जिसमें पुरी में वार्षिक धार्मिक आयोजन के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 378 स्वास्थ्य पेशेवरों और 265 अस्पताल बिस्तरों की तैनाती शामिल है। पत्रकारों से बात करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग ने कहा कि इस त्यौहार के दौरान चिकित्सा संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। हर साल इस त्यौहार में लाखों श्रद्धालु आते हैं। महालिंग ने कहा कि 378 डॉक्टरों और पैरा–मेडिकल स्टाफ के अलावा 69 प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और 74 एंबुलेंस किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहेंगी। हाल ही में डायरिया के प्रकोप को देखते हुए, सरकार ने सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और शहर में बासी भोजन की बिक्री को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। अतिरिक्त 265 अस्पताल बिस्तरों में 15 आईसीयू बिस्तर और एएनएम प्रशिक्षण केंद्र में 100 बिस्तर शामिल हैं, जबकि पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल ने सामान्य, बर्न और आईसीयू सुविधाओं सहित 68 बिस्तर आरक्षित किए हैं। मंत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से रथ यात्रा सुचारू रूप से आयोजित की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच) ने 50 सामान्य बिस्तर, 8 बर्न वार्ड बिस्तर और 10 आईसीयू बिस्तरों सहित 68 बिस्तर आरक्षित किए हैं। इसके अतिरिक्त, 200 यूनिट रक्त आरक्षित रखा गया है, जबकि किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति से निपटने के लिए दो छोटे ऑपरेशन थियेटर तथा विशेष ड्रेसिंग रूम स्थापित किए गए हैं। पहली बार, एम्स भुवनेश्वर के डॉक्टरों की एक टीम अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए पुरी के चिकित्सा केंद्रों पर तैनात रहेगी। इसी तरह, मौसम संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए तालाबानिया में एक विशेष 10–बेड वाला वातानुकूलित हीट स्ट्रोक सेंटर स्थापित किया गया है। बयान में आगे कहा गया है, रथ यात्रा अवधि के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों को बनाए रखने के लिए कठोर स्वास्थ्य निगरानी और रोग निवारण उपाय किए जा रहे हैं। किसी भी जल या खाद्य जनित बीमारी के प्रकोप को रोकने के लिए कुल आठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के **खाता संख्या 1824002100120081**, IFSC Code - PUNB0145020 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/– जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०– 09045029158 पर SMS कर दें।

जन्मदिन पर ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं

MR. SHARAD PATIL JI	WARDHA	01/07/1977	9503971776
SHRI NILESH B. PAL JI	WARDHA	01/07/1976	9922782871
SHRI PRAVIN LADDHA JI	JALGAON	01/07/1959	9822667770
SHRI MUEHUL R.PATEL JI	PATAN	02/07/1998	9924077700
SHRI BHARAT SINGH RAO JI	SURAT	02/07/1986	9601038387
SHRI JAGDISH PRASAD CH. JI	ALWAR	02/07/1973	9828342939
SHRI BHARAT MOHANLAL JI	DHULE	03/07/1971	9422795946
SHRI MANOJ KUMAR GARG JI	AGRA	03/07/1972	9411961610
SHRI. SACHIN KUMAR JI	BULANDSHAHR	03/07/1976	9917116423
MR. VIJAY KUMAR JI	MEERUT	04/07/1973	9837671474
SHRI KISHOR SHARMA JI	PUNE	04/07/1980	8975046079
SHRI DAVARIYA JI	SURAT	05/07/1990	9913296896
DR. A.K. ROY (BANGALI) JI	BULANDSHAHR	05/07/1953	7063773454
MOHD. RIYAZ	AGRA	05/07/1974	9897671595
SHRI PARMANAND SINGHAL JI	ALWAR	05/07/1964	9414215410
SHRI RAMESH F. CHANDIWAL JI	JALGAON	06/07/1948	2572223516
SHRI VISHAL CHAURASIYA JI	AGRA	07/07/1977	9319204978
SHRI SANTOSH B.UGALE JI	NASHIK	07/07/1981	9527600077
SHRI KETAN V.BHAMARE JI	NASHIK	08/07/1988	9579932168
SHRI SANJAY CHAURASIYA JI	AGRA	08/07/1966	9927413511
DR. R.K. VERMA JI	BULANDSHAHR	08/07/1989	9837238714
SHRI NARENDRA KUMAR JI	BULANDSHARHR	08/07/1997	9761622517
SHRI HAREN GANDHI JI	VADODARA	09/07/1959	9825012218
DR. GAUTAM GAMBHIR JI	MEERUT	09/07/1978	9058162614
SHRI PRADIP K. SURANA JI	NASHIK	10/07/1963	9422271745
SHRI. MANVIRPAL SINGH JI	BULANDSHAHR	10/07/1980	9758887902
SHRI RAJESH KUMAR JI	AGRA	10/07/1988	8445863900
DR. RANJEET SINGH JI	BULANDSHAHR	10/07/1994	7409646848
SHRI AMAR KARWA JI	NASHIK	11/07/1980	9822478110
SHRI SHASHIKANT.R DHAMNE JI	NASHIK	11/07/1971	9890177960
SHRI VEERBHAN KEVALRAMANI	NAGPUR	11/07/1974	9373294141
MR. MAYANK RASTOGI JI	MEERUT	12/07/1983	9897010575
SHRI PRAMOD BANKHELE JI	PUNE	14/07/1982	9890245999
SHRI. NARESH SINGH JI	BULANDSHAHR	15/07/1975	9719677483
SHRI PARAS SHAH JI	SURAT	15/07/1975	9825406233
SHRI. RAGIB JI	BULANDSHAHR	15/07/1994	8958888125
DR. OM PRAKASH SINGH JI	MEERUT	15/07/1958	8791447726
DR. K.P. SHARMA JI	MEERUT	15/07/1992	9084444609
DR. WASIM CHAUHAN JI	MEERUT SOUTH	16/07/1982	9719801951
SHRI JITENDRA PATEL JI	PATAN	17/07/1973	9824667063
MR. MOHIT SINGH JI	MEERUT	19/07/1987	9837955198
SHRI VIPIN KUMAR JAIN JI	AGRA	20/07/1975	9927622298
Dr. SATENDRA SINGH JI	BULANDSHAHR	20/07/1994	8445082809
SHRI ASIF KHAN JI	JALGAON	20/07/1984	9730402053
MOHD. ZAMEEL AHMAD	ALWAR	21/07/1995	9462525467
PUSHKAR CHANDRAKANT P. JI	JALGAON	21/07/1988	9970311118
SHRI SAGAR D.SALVO JI	NASHIK	21/07/1991	9527590590
SHRI ABHIJIT MITHAPELLI JI	PUNE	25/07/1981	9371015697
SHRI RAJIV BAFNA JI	DHULE	22/07/1960	7276132195
SHRI LALWANI HIMMATBHAI JI	TAPI	22/07/1971	7567945237
DR. AZHAR KHAN MEWATI JI	BULANDSHAHR	23/07/1987	9759633167
SHRI BHARAT PATEL JI	VADODARA	24/07/1972	9825040276
SHRI NARESH KUMAR JAIN JI	ALWAR	27/07/1980	9461231744
SHRI VISHAL MANDAL JI	BULANDSHAHR	28/07/1997	8979296607
SHRI GANESH PUSTODE	BHANDARA	29/07/1980	9422565750
SHRI ATUL NAGJEKAR JI	NAGPUR	29/07/1974	9823044908
M.A.KALADAGI JI	BELGAUM	30/07/1985	8095067848
SHRI SANJAY JAIN JI	JALGAON	30/07/1966	9423520916
SHRI RAJESH K. RAMANI JI	SURAT	31/07/1972	9825519372
DR.DEEPAK N. PATIL JI	NASHIK	31/07/1960	9422255252
SHRI RAKESH A. KHAIRNAR JI	NASHIK	31/07/1983	9970562732

1.शहनशक्ति,
को बढ़ाईये।
पर सम्मान,
न गंवाइये।
2. छोटी उपलब्धियों
में,
बड़ी खुशी पाओ।
अपने जीवन को,
खुशहाल बनाओ।
3. आंसू का मोल,
समझ भी जाओ।
कभी भी किसी को,
ना ही रुलाओ।
4. वे डॉक्टरी का
माहौल,
घर पर ले जाते हैं।
बीबी को सिस्टर,
कहकर बुलाते हैं।
5. कहिठनाई में,
हास्य ला पाओगे।
तो कठिनाई को,
जल्दी सुलझाओगे।
6. दिया तले,
अंधेरा हो रहा है।
डॉक्टर का बेटा,
झाड़फूंक करा रहा
है।

डॉ. नरेन्द्र नाथ
लाहा, ग्वालियर,
मो. न.:
9826611169

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक इकाइयों की कमी के कारण फार्मेसी शिक्षा में बाधा

चेन्नई: प्राप्त समाचार के अनुसार छत्तीसगढ़ में फार्मेसी अकादमिक समुदाय ने कहा है कि हालांकि उनके राज्य में कई संस्थानों में प्रतिभाशाली फार्मेसी शिक्षकों और प्रतिभाशाली छात्रों का खजाना है, लेकिन फार्मेसी शिक्षा क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण बाधा का सामना करना पड़ रहा है, अपने छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए फार्मास्युटिकल उद्योगों की कमी। इसके अलावा, यह अनुपस्थिति सीधे तौर पर छात्रों और शिक्षकों दोनों की विनिर्माण क्षेत्र में योगदान करने की क्षमताओं को प्रभावित करती है, ऐसा छत्तीसगढ़ राज्य फार्मेसी परिषद के पूर्व रजिस्ट्रार और बिलासपुर में केंद्रीय विश्वविद्यालय में फार्मास्युटिकल विज्ञान के प्रोफेसर प्रो. शेखर वर्मा ने कहा। छत्तीसगढ़ में फार्मा क्षेत्र की सबसे बड़ी कमी फार्मा उद्योगों की कमी है, लेकिन बहुत सारे लेबलिंग और पैकेजिंग उद्योग हैं, जिनमें स्नातक पाठ्यक्रम के बाद छात्र शामिल हो रहे हैं। वास्तव में, राज्य में पर्याप्त जल आपूर्ति और पर्याप्त मात्रा में बिजली है जो भारत के सभी राज्यों को आपूर्ति की जाती है। राज्य अब फार्मा उद्योग क्रांति के लिए उपयुक्त है, लेकिन सरकार छत्तीसगढ़ में फार्मा उद्योगों की स्थापना के लिए आधार तैयार करने के लिए तेजी से कदम नहीं उठा रही है, डॉ. शर्मा ने फार्माबिज को बताया। "छत्तीसगढ़ मध्य भारत में दवा उद्योग का केंद्र बनने के लिए तैयार है। हालाँकि सरकार की ओर से शुरुआती प्रगति उतनी तेज नहीं थी जितनी कि फार्मा उद्योगों के लिए आधारभूत समर्थन बनाने में अपेक्षित थी, लेकिन शिक्षक संघ ने स्थानीय दवा निर्माण उद्योगों की तत्काल आवश्यकता की वकालत करते हुए सरकार के साथ सक्रिय रूप से काम किया है। इन लगातार दबावों के कारण, सरकार ने अब ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, जिसमें विशेष रूप से फार्मा उद्योगों के लिए एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) स्थापित करने की पहल शामिल है। तदनुसार, सरकार की ओर से अब कुछ घोषणाएँ हुई हैं, जिसके बाद निजी क्षेत्र में दो औद्योगिक इकाइयाँ पहले ही स्थापित हो चुकी हैं। निकट भविष्य में और भी इकाइयाँ स्थापित होने की उम्मीद है", प्रो. शर्मा ने कहा, जो अगले सप्ताह उद्योग और स्वास्थ्य मंत्रियों से मिलने की तैयारी कर रहे हैं।

फार्माबिज के साथ बातचीत करते हुए, डॉ. शर्मा ने इस औद्योगिक शून्यता के एक महत्वपूर्ण परिणाम पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि चूंकि राज्य में स्थानीय विनिर्माण इकाइयों की कमी है, इसलिए फार्मेसी स्नातकों को तेजी से मार्केटिंग भूमिकाओं में धकेला जा रहा है। उनके अनुसार, राज्य मार्केटिंग, लेब. लिंग और पैकेजिंग कंपनियों का केंद्र बन गया है, जो प्रभावी रूप से छत्तीसगढ़ को फार्मास्यूटिकल्स के लिए उपभोक्ता राज्य में बदल रहा है। भारत के लगभग हर दूसरे राज्य से दवाइयाँ आती हैं, जो आंत. रिक उत्पादन की कमी को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि रायपुर में सरकारी पॉलिटेक्निक डी फार्म कोर्स चला रहा है और बिलासपुर सेंट्रल यूनिवर्सिटी सरकारी क्षेत्र के तहत बी फार्म, एम फार्म और पीएचडी कोर्स चला रही है। निजी क्षेत्र के तहत 85 फार्मेसी संस्थान संचालित हैं, जिनकी संख्या हर साल बढ़ रही है। बाजार में नकली या नकली दवाओं के प्रवेश के बारे में पूछे जाने पर, डॉ. शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में यह एक गंभीर समस्या है, और उन्होंने इस तरह के संस्करणों के बारे में कई समाचार पत्रों में छपी खबरों को स्वीकार किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि नियामक संस्थाएं इस समस्या से निपटने के लिए गहन जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में खनिज संपदा और आदिवासी संस्कृति का अनूठा लाभ है, उन्होंने हर्बल दवाओं में इसके महत्व पर भी प्रकाश डाला। हर्बल दवाओं की क्षमता औषधीय पौधों की प्रचुरता में निहित है, इसके अलावा, बड़ी मात्रा में हर्बल अर्क दूसरे देशों को निर्यात किए जाते हैं। लेकिन हर्बल दवाओं के इस क्षेत्र का उचित उपयोग नहीं किया जाता है।

जानलेवा चांदीपुरा वायरस की दवा तैयार करने में मिली सफलता

नई दिल्ली। प्राप्त समाचार के अनुसार जानलेवा चांदीपुरा वायरस की दवा तैयार करने में सफलता पाई गई है। करीब 60 साल पुराना यह अब तक सबसे बड़ा जानलेवा संक्रमण भी रहा है। इस चांदीपुरा वायरस के चलते भारत के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अब तक सबसे ज्यादा बच्चों की मौत हुई। भारत के वैज्ञानिकों ने इस वायरस की दवा खोज ली है, जिसके जरिये मरीज की जान का जोखिम कम किया जा सकता है। बता दें कि चांदीपुरा वायरस एक रैब्डोवायरस है। इसकी खोज 1965 में महाराष्ट्र के नागपुर जिले के चांदीपुरा गांव में हुई थी। इसलिए इसका नाम चांदीपुरा रखा गया। यह वायरस बालू मक्खी के काटने से फैलता है और बच्चों में तेजी से मस्तिष्क को प्रभावित करने वाले एन्सेफलाइटिस का कारण बनता है। इसे सामान्य भाषा में दिमागी बुखार कहते हैं। पांच से 15 साल तक के बच्चों को यह सबसे ज्यादा निशाना बनाता है। बुखार, उल्टी, बेहोशी जैसे लक्षण मिलने के साथ ही 24 से 48 घंटे के भीतर मरीज की मौत हो जाती है।

सरकारी फार्मासिस्ट पर निजी अस्पताल चलाने का लगा आरोप

गाजियाबाद। सरकारी फार्मासिस्ट पर निजी अस्पताल चलाने का आरोप लगा है। बताया गया है कि मसूरी क्षेत्र के ग्राम नाहल में एक सरकारी फार्मासिस्ट अवैध तरीके से निजी अस्पताल चला रहा है और सरकारी दवाओं के दुरुपयोग और मरीजों से अमानवीय व्यवहार करता है। फार्मासिस्ट योगेन्द्र नाथ सचान उर्फ वाईएन सचान सीएमओ कार्यालय हापुड़ में कार्यरत हैं। वह पिछले 35 वर्षों से ग्राम नाहल में पटेल केयर एंड क्योर हॉस्पिटल नामक निजी अस्पताल चला रहे हैं। यह अस्पताल कथित रूप से गांव के सचिवालय के सामने तीन करोड़ रुपये की लागत से बनवाया गया है। हेल्प एशियन फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष यूसुफ खान ने इस मामले की शिकायत स्वास्थ्य विभाग को दी है। शिकायत में कहा गया है कि योगेन्द्र सचान अपने इस निजी अस्पताल में मरीजों को सरकारी दवाएं देते हैं और उनसे भारी फीस वसूलते हैं। इससे सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होने के साथ ही आर्थिक लाभ भी उठाया जा रहा है। हाल ही में एक मुस्लिम महिला मरीज के साथ किए गए अभद्र व्यवहार का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में डॉ. सचान महिला को गालियां देते और जूते मारने की धमकी देते नजर आ रहे हैं। यूसुफ खान ने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए। उधर, सीएमओ हापुड़ डॉ. सुनील कुमार त्यागी ने बताया कि योगेन्द्र सचान सीएमओ कार्यालय में चीफ फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत हैं और वह कार्यालय में समय पर आते-जाते हैं। उसके बाद वह कहां-क्या करते हैं, उनकी जानकारी में नहीं है।

ग्लेनमार्क फार्मा ने फेफड़े के कैंसर की दवा बाजार में उतारी

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार ग्लेनमार्क फार्मा ने फेफड़े के कैंसर के इलाज की दवा लांच की है। कंपनी ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से अप्रूवल मिलने के बाद भारत मे TEVIMBRA (टिसलीजुमैब) दवा को बाजार में उतारा है। यह देश के भीतर प्रतिरक्षा-ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में ग्लेनमार्क के प्रवेश को दिखाता है। TEVIMBRA एक एंटी-PD-1 मोनोक्लोनल एंटीबॉडी है जिसे मूल रूप से BeiGene द्वारा विकसित किया गया है, जो अब BeOne Medicines के रूप में काम करता है। इसे कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में स्थानीय रूप से उन्नत या मेटास्टेटिक नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (NSCLC) के पहले-पंक्ति उपचार के लिए संकेत दिया जाता है। एनएससीएलसी फेफड़ों के कैंसर के मामलों में 80 प्रतिशत से अधिक जिम्मेदार है। ईएससीसी भारत में एसोफैजियल कैंसर का सबसे प्रचलित हिस्टोलॉजिकल उपप्रकार है। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स के अध्यक्ष आलोक मलिक ने कहा कि ग्लेनमार्क इम्यूनोथेरेपी को और अधिक सुलभ बनाकर कैंसर देखभाल को बदलने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी कर रहा है।

7 फार्मासिस्ट फर्जी तरीके से ले रहे थे वेतन, होगी वसूली

एटा (उप्र)। 7 फार्मासिस्ट फर्जी तरीके से अधिक वेतन लेते हुए पकड़े गए हैं। अब इनसे वसूली की जाएगी। इस मामले की जानकारी सीएमओ को हुई तो उन्होंने सभी फार्मासिस्ट को नोटिस जारी कर सर्विस बुक मंगवाई हैं। सीएमओ डॉ. उमेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सात फार्मासिस्ट ने साल 2015-2017 तक फर्जी तरीके वेतन अधिक ले लिया। इनमें जितेंद्र राव, अनिल कुमार, लक्ष्मीकांत शर्मा, आदेश कुमार, सतेंद्र, शिवसरन, और नवीन गुप्ता शामिल हैं। उन्होंने फर्जी शासनादेश लगाकर ऐसा किया। मामला संज्ञान में आने पर सभी फार्मासिस्ट को वसूली के लिए नोटिस जारी किया है। इसमें विभाग के कुछ अधिकारियों की भी मिलीभगत है। उधर, फार्मासिस्ट इस नोटिस को लेकर हाईकोर्ट पहुंच गए हैं।

जीएमपी फार्मा उत्पादन में स्वच्छता कोड है: डॉ एच बसवनागौडप्पा

बेंगलुरुः जेएसएस एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (जेएसएसएएचईआर) के कुलपति डॉ एच बसवनगौड़प्पा ने बताया है कि भारतीय फार्मा उद्योग को अब जीएमपी को विनिर्माण के लिए स्वच्छता कोड के रूप में सोचना चाहिए। इसे फार्मास्युटिकल रसोई के रूप में संदर्भित करते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि उत्पादन प्रक्रियाएं सुसंगत रहती हैं, हर कदम का दस्तावेजीकरण होता है, और प्रत्येक तैयार उत्पाद हर बार प्रभावोत्पादक साबित होता है। जब ऐसी आवश्यकताएं पूरी होती हैं, तो मरीजों को कभी यह सोचने की जरूरत नहीं होगी कि उनकी अगली खुराक ठीक करेगी या नुकसान पहुंचाएगी।

भारत दुनिया की फार्मेसी है और इसे बनाए रखने के लिए देश को फार्मेसी प्रतिभा में दुनिया का नेतृत्व करना चाहिए। यहां जेएसएस दुनिया के फार्मासिस्टों की अगली पीढ़ी का पोषण करने का संकल्प लेता है। वे जहां भी सेवा करेंगे, अच्छे मानकों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत अब वैश्विक दवा उत्पादन में तीसरे स्थान पर है और दुनिया की जेनेरिक दवाओं का पांचवां हिस्सा आपूर्ति करता है, जिसमें 60 प्रतिशत कम लागत वाली टीके शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सालाना लगभग आठ प्रतिशत की दर से विस्तार कर रहा है, जिसमें अकेले 2024 में निर्यात नौ प्रतिशत बढ़ेगा। अब जबकि हम इन उपलब्धियों पर गर्व करते हैं, वे हमारी जिम्मेदारी को भी बढ़ाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में प्रसारित होने वाली दस में से एक दवा घटिया या नकली है, एक ऐसा आंकड़ा जो उपचार विफलताओं, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और टालने योग्य मौतों में परिवर्तित होता है। हमने इस वास्तविकता को तब देखा जब गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में त्रासदियों से जुड़े दूषित कफ सिरप ने वैश्विक आक्रोश को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि घर के करीब, जोखिम-आधारित निरीक्षणों के कारण सीडीएससीओ को गुणवत्ता की खामियों के लिए समीक्षा की गई एक तिहाई से अधिक सुविधाओं को बंद करना पड़ा। हाल ही में एक उद्योग विश्लेषण में पाया गया कि 2024 में भारतीय साइटों पर यूएस एफडीए के केवल 11 प्रतिशत निरीक्षणों के परिणामस्वरूप आधिकारिक कार्यवाही का संकेत मिला, जो एक दशक पहले 23 प्रतिशत से कम है, जिसका अर्थ है कि दस में से लगभग नौ सुविधाओं को या तो केवल मामूली सुधार की आवश्यकता थी या वे पूरी तरह से वैश्विक मानकों पर खरी उतरी थीं। उन्होंने कहा कि हमारी चुनौती हर शहर, हर बैच, हर शिफ्ट में प्रदर्शन के उस स्तर को सार्वभौमिक बनाना है। हमें इस स्थिति में लाने के लिए केंद्र सरकार के कई प्रयास हैं। जून 2024 में स्वास्थ्य मंत्रालय ने WHO-GMP के साथ संरेखित एक आधुनिक अनुसूची ड को अधिसूचित किया। जुलाई 2025 से, CDSCO ने देशव्यापी जोखिम-आधारित निरीक्षण शुरू किया। रिवैम्प्ड फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन असिस्टेंस स्कीम आधुनिक क्लीनरूम, निरंतर-निर्माण लाइनें और रियल-टाइम एनालिटिक्स स्थापित करने के लिए 10 करोड़ रुपये तक के ब्याज-सब्सिडी वाले ऋण और 1 करोड़ रुपये तक के क्रेडिट-लिंक्ड अनुदान प्रदान करती है। यह दिखाएगा कि अनुपालन कैसे विकास उत्प्रेरक बन सकता है, जिससे हमें 2030 तक 55 बिलियन अमरीकी डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखने में मदद मिलेगी, डॉ बसवनगौडप्पा ने कहा। 6,940 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, पीएलआई योजना 41 महत्वपूर्ण थोक दवाओं के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करती है इसके अलावा, डिजिटल पारदर्शिता भी है क्योंकि इस साल डब्ल्यूएचओ-जीएमपी प्रमाणपत्र जारी करने और सत्यापित करने के लिए सीडीएससीओ का नया ऑनलाइन पोर्टल शुरू हो जाएगा, जिससे राज्य-स्तरीय प्रारूपों की पेचवर्क खत्म हो जाएगी और दुनिया भर

थोक दवा विक्रेता के गोदाम से नशीली दवा व इंजेक्शन का जखीरा जब्त

अमरोहा (उप्र)। प्राप्त समाचार के अनुसार थोक दवा विक्रेता के गोदाम से नशीली दवा और इंजेक्शन का जखीरा बरामद किया गया है। यह सफलता केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम को मिली। टीम ने एक थोक दवा विक्रेता के गोदाम पर छापेमारी की और भारी मात्रा में दवाएं जब्त की हैं। इनमें एक्सपायरी डेट की दवाएं भी बरामद होने की बात कही गई है। हालांकि बरामद दवा व इंजेक्शन की कुल मात्रा एवं कीमत की टीम ने जानकारी नहीं दी। थोक दवा विक्रेता को हिरासत में लेने के बाद कोर्ट में पेश किया गया। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने हापुड़ जिले के बृजघाट में छापा मारकर नशीली दवाएं पकड़ी थीं। टीम ने मौके से अमरोहा निवासी एक युवक को भी गिरफ्तार किया था। युवक के तार दिल्ली से नशे की दवाओं की सप्लाई करने वाले गैंग से जुड़े थे। पूछताछ में युवक ने अमरोहा में भी नशीली दवाओं की सप्लाई करने की बात कबूली थी। लिहा. जा टीम युवक को साथ लेकर शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बड़ा बाजार आई। यहां टीम ने एक थोक दवा विक्रेता के गोदाम पर रेड की। यह गोदाम शुभम माहेश्वरी का बताया गया है।

टीम ने गोदाम से भारी मात्रा में नशीली दवाओं के साथ ही इंजेक्शन का जखीरा बरामद किया है। साथ ही बड़ी मात्रा में एक्सपायरी डेट की दवाएं भी बरामद की हैं। हालांकि बरामद की गई कुल सामग्री व उसकी कीमत की बावत कोई सटीक जानक. ारी अभी नहीं दी गई है। जांच के दौरान टीम को अभिलेख भी अधूरे मिले। इसके चलते टीम ने दवा विक्रेता शुभम अग्रवाल को हिरासत में ले लिया और कोर्ट में पेश किया। वहीं टीम की इस कार्रवाई से शहर के अन्य मेडिकल स्टोर संचालकों में भी खलबली मची है।

सिकल सेल एनीमिया रोग के उन्मूलन के लिए सरकार ने 50 रुपये से कम कीमत पर परीक्षण किट उपलब्ध कराई

नई दिल्लीः प्राप्त समाचार के अनुसार सिकल सेल एनीमिया के परीक्षण अब और भी अधिक किफायती हो गए हैं, सरकार ने निदान को सुलभ बनाने और वंशानुगत रक्त विकार को खत्म करने के अपने प्रयास में किट की कीमतें 50 रुपये से भी कम कर दी हैं। दो आईसीएमआर केंद्रों - मुंबई में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहेमेटोलॉजी (एनआईआईएच) और नागपुर में सेंटर फॉर रिसर्च मैनेजमेंट एंड कंट्रोल ऑफ हीमोग्लोबिनोपैथीज (सीआरएचसीएम) - ने पिछले छह महीनों में विभिन्न फर्मों द्वारा विक. सित सिकल सेल एनीमिया निदान के लिए 35 पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षणों को मान्य किया है। सरकार ने सात करोड़ की आबादी को लक्षित करते हुए राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के तहत रक्त विकार के लिए बड़े पैमाने पर जांच का प्रस्ताव दिया है।

एनआईआईएच के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रभाकर केदार ने पीटीआई-भाषा को बताया, ष्शुरुआती निर्माता ने प्रति परीक्षण 350 रुपये की कीमत बताई थी। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग को सिकल सेल डायग्नोस्टिक किट की लागत प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन करने का अनुरोध प्राप्त हुआ था। आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन रिप्रोडक्टिव हेल्थ ने पीजीआई चंडीगढ़ और एनआईआईएच के साथ मिलकर एक व्यापक मूल्यांकन किया और पाया कि भारत में उच्च जोखिम वाली आबादी के बीच सिकल सेल रोग/लक्षण के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण 100 रुपये प्रति परीक्षण या उससे कम कीमत पर खरीदे जाने पर लागत प्रभावी होंगे। डॉ. केदार ने बताया कि सिफारिश के बाद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने राज्य स्वास्थ्य विभागों को डायग्नोस्टिक किट को अधिकतम 100 रुपये प्रति परीक्षण की कीमत पर खरीदने का निर्देश दिया। सार्वजनिक निविदा के माध्यम से, प्रतिस्पर्धी खरीद प्रक्रिया ने किटों की कीमत को 82 रुपये प्रति परीक्षण तक कम कर दिया, जो प्रारंभिक बोली से काफी कम था, जिसके परिणामस्वरूप 1,857 करोड़ रुपये की बचत हुई। डॉ. केदार ने बताया, इसके बाद, NIIH ने नई किट को मान्यता दी और निर्माता ने किट को 50 रुपये प्रति टेस्ट से कम कीमत पर बेचने पर सहमति जताई है।

सिकल सेल रोग के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करने के लिए, मुंबई में ICMR-NIIH में डॉ. प्रभाकर केदार (नोडल अधिकारी) और चंद्रपुर में CRMCH में वैज्ञानिक डॉ. नागा मुरलीधर को सरकार ने नई डायग्नोस्टिक किट का परीक्षण और अनुमोदन करने के लिए चुना है। डॉ. मुरलीधर ने विस्तार से बताया, अब तक, उन्होंने 35 अलग-अलग किट की जाँच की है और उन्हें मंजूरी दी है, जिसमें मौके पर किए जा सकने वाले सरल परीक्षण (जैसे उंगली चुभाने वाले परीक्षण), प्रयोगशाला आधारित परीक्षण और आणविक परीक्षण शामिल हैं जो आनुवंशिक स्तर पर बीमारी का पता लगाते हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकांश किटों का परीक्षण और अनुमोदन प्राप्त होने के एक महीने के भीतर ही कर लिया गया था, तथा इस त्वरित सत्यापन से यह सुनिश्चित करने में मदद मिली है कि उच्च गुणवत्ता वाले और सटीक परीक्षण किट शीघ्र उपलब्ध हों, विशेष रूप से दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों में उपयोग के लिए। डॉ. केदार ने इन प्रयासों को राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के लिए एक बड़ा बढ़ावा बताया, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत से इस बीमारी को खत्म करना है। सिकल सेल रोग सबसे आम वंशानुगत रक्त विकारों में से एक है, जो मुख्य रूप से उप-सहारा अफ्रीका, मध्य पूर्व, भारत और भूमध्य सागर के कुछ हिस्सों में लोगों को प्रभावित करता है।

एसजीपीजीआई में हेल्थ एटीएम का शुभारंभ

लखनऊः प्राप्त समाचार के अनुसार एसजीपीजीआई में एक अत्याधुनिक स्वचालित स्वास्थ्य सेवा मशीन स्थापित की गई, जो एक स्व-सेवा डिजिटल स्वास्थ्य कियोस्क है जिसे बुनियादी स्वास्थ्य परीक्षण और नैदानिक सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। निदेशक प्रोफेसर आरके धीमान द्वारा उद्घाटन किया गया, जो उन्नत सेंसर और परीक्षण उपकरणों से लैस है और मिनटों के भीतर 20 से अधिक स्वास्थ्य मापदंडों की जाँच करने में सक्षम है। इसमें रक्तचाप, रक्त शर्करा, ईसीजी, ऑक्सीजन संतृप्ति, बीएमआई, शरीर का तापमान, पल्स रेट जैसी सेवाएँ शामिल हैं। यह प्रणाली टेलीमेडिसिन और ई-प्रिस्क्रिप्शन सुविधाओं से भी जुड़ी हुई है, जिससे मरीज छोटी-मोटी बीमारियों के लिए विशेषज्ञों से दूर से ही सलाह ले सकते हैं और प्राथमिक जाँच करवा सकते हैं।

MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:26 AM Page 8

सुरक्षा डायग्नोस्टिक्स पूर्वी भारत में 20 से अधिाक केंद्र स्थापित करने के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली: सुरक्षा डायग्नोस्टिक्स ने कहा कि वह पूर्वी भारत में 20 से अधिाक उन्नत इमेजिंग केंद्र स्थापित करने के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यूनाइटेड इमेजिंग के सहयोग से क्रियान्वित की जाने वाली इस योजना का उद्देश्य टियर 2 और टियर 3 शहरों में उन्नत डायग्नोस्टिक सेवाओं तक पहुँच का विस्तार करना है, जिससे छोटे शहरों और अर्धा–शहरी क्षेत्रें में वहनीयता और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता दोनों में सुधाार होगा। हालाँकि, निवेश रोलआउट के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई गई। सुरक्षा डायग्नोस्टिक्स के सीएमडी सोमनाथ चटर्जी ने कहा, यह सहयोग हमें अपनी पहुँच का विस्तार करने और पूर्वी भारत में बड़ी आबादी को उच्च गुणवत्ता वाली डायग्नोस्टिक सेवाएँ प्रदान करने में सहायता करेगा। कंपनी ने कहा कि यूनाइटेड इमेजिंग अत्याधुनिक इमेजिंग समाधाान उपलब्धा कराएगी, जबकि सुरक्षा डायग्नोस्टिक्स नए केंद्र स्थापित करने के लिए अपने मौजूदा नेटवर्क और परिचालन विशेषज्ञता का लाभ उठाएगी। सुरक्षा डायग्नोस्टिक्स ने अपनी विस्तार योजनाओं के वित्तपोषण के लिए दिसंबर में आईपीओ के माधयम से 846. 25 करोड़ रुपये जुटाए। वर्तमान में, यह पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और मेघालय में 59 डायग्नोस्टिक सेंटर और 166 सैंपल कलेक्शन सेंटर संचालित करता है।

डायबिटीज की इस दवा से 60 साल तक कायम रहेगी जवानी

नई दिल्ली। प्राप्त समाचार के अनुसार डायबिटीज यानि शुगर के इलाज में ली जाने वाली गोली से 60 साल तक जवान बने रह सकते हैं। यह दावा नई रिसर्च में किया गया है। नई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि जवानी को बरकरार रखने में डायबिटीज की दवा मेटफॉर्मिन काफी कारगर है। मेटफॉर्मिन की दवा खाने से आसानी से 90 साल तक हेल्दी लाइफ जी सकते हैं। यह अध्ययन कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने अन्य यूनिवर्सिटियों के साथ मिलकर किया है। इस तरह के उपचार को गेरोथेराप्यूटिक्स कहा जाता है। इस इलाज के तहत उम्र बढने की गति को धीमा किया जाता है और लोगों को लंबे और हेल्दी जीवन जीने में मदद मिलती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसमें कई दवाओं को चिन्हित किया गया है, लेकिन मेटफॉर्मिन में सबसे बेहतर परिणाम मिला है। यह दवा टाइप 2 डायबिटीज के इलाज के लिए बहुत आम है। वैज्ञानिक मेटफॉर्मिन में खास रुचि दिखा रहे हैं क्योंकि यह उम्र बढने से जुड़ी कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को प्रभावित करता दिखाई देता है। यह अध्ययन टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित रजोनिवृत्त महिलाओं पर किया गया।

अध्ययन में पता चला कि जिन महिलाओं ने मेटफॉर्मिन ली, उनके 90 साल या उससे अधिक उम्र तक जीवित रहने की संभावना अधिक थी। मेटफॉर्मिन का इस्तेमाल करने से 90 साल की उम्र से पहले मृत्यु का जोखिम 30 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाएं राज्य: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को सभी राज्यों से स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने को कहा, जिसमें आकांक्षी जिलों के साथ–साथ दूरदराज, आदिवासी और सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री–आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम–एबीएचआईएम) के तहत परियोजनाओं की समीक्षा के लिए बुलाई गई बैठक में, मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि गरीब, हाशिए पर पड़े और वंचित आबादी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक समान पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूदा अंतर को पाटने के लिए तत्काल और निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। पीएम–एबीएचआईएम की घोषणा 1 फरवरी, 2021 को की गई थी, जिसमें छह वर्षों (वित्त वर्ष 2025–26 तक) में लगभग 64,180 करोड़ रुपये का परिव्यय था। इस योजना के अंतर्गत किए जाने वाले उपायों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक सभी स्तरों पर देखभाल की निरंतरता में स्वास्थ्य प्रणालियों और संस्थानों की क्षमता विकसित करने तथा वर्तमान और भविष्य की महामारियों/आपदाओं का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

नशीली दवाओं के कारोबार का भंडाफोड़ कर दवा व्यापारी को किया अरेस्ट

गोरखपुर (उप्र)। नशीली दवाओं के कारोबार का भंडाफोड़ हुआ है। भालोटिया मार्केट से नशीली दवाओं की दिल्ली सप्लाई की जा रही थी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एक दवा व्यापारी को हिरासत में लिया है। दिल्ली पुलिस ने गोरखपुर स्थित भालोटिया मार्केट में छापेमारी की। पहले से गिरफ्तार एक आरोपी की शिनाख्त पर एक दवा दुकान पर दबिश दी गई। यहां से एक दवा व्यापारी को हिरासत में लिया है। आरोपी व्यापारी से नशीली दवा की खरीद और बिक्री का हिसाब मांगा तो वह नहीं दे पाया। बता दें किदिल्ली पुलिस ने इस मामले में पहले से ही एक युवक की गिरफ्तारी की है। बताया जाता है कि दिल्ली में नशे की टेबलेट की सप्लाई होती है। इसे लेकर दिल्ली पुलिस और नारकोटिक्स अपराध शाखा ने मुकदमा दर्ज कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए सप्लायर ने बताया था कि उसने नशीली दवाएं गोरखपुर के भालोटिया मार्केट से खरीदी थीं। दिल्ली पुलिस उसे अदालत से रिमांड पर लेकर आई।

पीसीआई ने स्पष्ट किया कि रैंकिंग और रेटिंग प्रणाली वैकल्पिक

नई दिल्ली: फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने स्पष्ट किया है कि देश में फार्मेसी शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) द्वारा स्नातक और डिप्लोमा इन फार्मेसी पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले संस्थानों का पंजीकरण और मान्यता पूरी तरह से वैकल्पिक है। अप्रैल में, काउंसिल ने क्यूसीआई के सहयोग से यूजी और डी.फार्मा पाठ्यक्रमों के लिए फार्मेसी अधिनियम की धारा 12 के तहत अनुमोदित संस्थानों के लिए विनियामक अनुपालन और परिणामों पर रैंकिंग और रेटिंग प्रणाली की घोषणा की, और क्यूसीआई द्वारा ऐसे संस्थानों के पंजीकरण और मान्यता के लिए समयसीमा की घोषणा की। ऐसे सभी संस्थानों को दिए गए नवीनतम संचार में, काउंसिल ने कहा, ष्क्यूसीआई द्वारा संस्थानों का पंजीकरण और मान्यता प्रकृति में निर्देशिका होगी और उन संस्थानों के लिए पूरी तरह से वैकल्पिक होगी जो भारत में फार्मेसी शिक्षा की समग्र गुणवत्ता बढ़ाने के व्यापक उद्देश्य की दिशा में योगदान करना चाहते हैं। इसका, वास्तव में, मतलब है कि इस प्रणाली को संस्थानों द्वारा सख्त अनुपालन के बजाय एक दिशानिर्देश के रूप में पेश किया गया है।
परिषद ने कहा, यह पहल न केवल फार्मेसी कॉलेजों के लिए रेटिंग–सह–रैंकिंग तंत्र की सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण फार्मेसी शिक्षा चाहने वाले छात्रों के लिए एक मूल्यवान मार्गदर्शक के रूप में भी काम करेगी। आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया 23 जून, 2025 से शुरू होगी और रैंकिंग के लिए ऑनसाइट विजिट 8 सितंबर, 2025 से शुरू होगी। डी.फार्मा पाठ्यक्रमों के लिए, पंजीकरण प्रक्रिया 30 जून से शुरू होने की उम्मीद है, और ऑनसाइट विजिट 8 सितंबर से शुरू होने की उम्मीद है। रैंकिंग और रेटिंग प्रणाली के बारे में 29 अप्रैल को जारी एक परिपत्र में परिषद ने कहा, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) अनुपालन–संचा. लित मॉडल से उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने वाले मॉडल में स्थानांतरित करके भारत में फार्मेसी शिक्षा संस्थानों के लिए रैंकिंग और रेटिंग प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव कर रही है। परिषद ने कहा, सहयोग ने फार्मेसी शैक्षणिक संस्थानों के मूल्यांकन के लिए 11 मानदंड और संबंधित पैरामीटर तैयार किए हैं, जिसका अंतिम लक्ष्य भारत में फार्मेसी शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाना है। एक मजबूत और पारदर्शी रैंकिंग ढांचा स्थापित करने के लिए, पीसीआई ने विभिन्न क्षेत्रों के चुनिंदा फार्मेसी संस्थानों के साथ मसौदा मानदंडों और मापदंडों का पायलट–परीक्षण करके रैंकिंग और रेटिंग पारिस्थितिकी तंत्र का मूल्यांकन किया।

अवैध अस्पताल को महिला की मौत पर रेड कर सील किया

फतेहपुर (उप्र)। प्राप्त समाचार के अनुसार अवैध अस्पताल को महिला की मौत पर रेड कर सील किया कर दिया गया है। यह कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग ने प्रेमनगर कस्बे में स्थित आलिया हॉस्पिटल पर की। बताया गया कि एक महिला ने जहरीला पदार्थ खाया था और उसका इलाज बिना डॉक्टर की मौजूदगी में किया गया था।

डिप्टी सीएमओ डॉ. इस्तेयाक अहमद के अनुसार मीडिया में महिला की मौत की खबर के बाद अस्पताल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पता चला कि अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। अस्पताल के बोर्ड पर लिखे नंबर पर संपर्क करने पर डॉक्टर ने बताया कि वह प्रयागराज में रहते हैं और अस्पताल नहीं आते। महिला की मौत पर अवैध अस्पताल को रेड कर सील किया जांच में यह भी सामने आया कि अस्पताल बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहा था। दो मंजिला इमारत में फायर फाइटिंग सिस्टम भी नहीं था। अस्पताल में 12–14 बेड थे और महिलाओं की डिलीवरी, गर्भपात जैसी प्रक्रियाओं के लिए अवैध उपकरण भी मिले। इसके चलते आलिया हॉस्पिटल को सील कर दिया। इससे अन्य अवैध अस्पताल संचालकों में हडकंप मच गया है।

पीसीपीएनडीटी अधिनियम के बारे में जागरूकता कन्या भ्रूण हत्या को कम करने की कुंजी

मदुरै: प्राप्त समाचार के अनुसार चिकित्सा एवं ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा (डीएमएस) के निदेशक डॉ. जे राजमूर्ति ने कहा कि स्त्री रोग विशेषज्ञों और रेडियोलॉजिस्टों सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अक्सर गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम से अच्छी तरह वाकिफ नहीं होते हैं, जिसके कारण उन्हें विभिन्न कानूनी मुद्दों का सामना करना पड़ता है। वे मदुरै और पांच अन्य दक्षिणी जिलों के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के लिए एक विशेष बैठक और प्रशिक्षण कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, इससे कन्या भ्रूण हत्या भी होती है। धर्मपुरी और सलेम जैसे कुछ जिलों में लिंगानुपात इतना है कि लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या बहुत कम है। इस अधिनियम के कारण उठाए गए कदमों से हाल के दिनों में कन्या भ्रूण हत्या को कम करने में काफी मदद मिली है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के बारे में लोगों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाना कन्या भ्रूण हत्या को कम करने और जन्म के समय लिंग अनुपात में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों ने कानूनी प्रावधानों और नीम हकीमी के प्रचलन को रोकने में उनके महत्व पर प्रकाश डाला। यह कार्यशाला स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम द्वारा विधानसभा में घोषित एक पहल का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य पीसीपीएनडीटी अधिनियम के बारे में जागरूकता पैदा करना और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को शिक्षित करना तथा कन्या भ्रूण हत्या को कम करना था। अजन्मे भ्रूण के लिंग का पता लगाने के लिए स्कैन केंद्रों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे गुप्त या प्रतीकात्मक तरीकों पर, डीएमएस ने कहा कि अगर मरीज इच्छुक हो तो भी उल्लंघन के मामले में प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को सजा का सामना करना पड़ सकता है। टीएनजीडीए के राज्य अध्यक्ष डॉ. के. सेंथिल ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम के बारे में भी विस्तार से बताया। मदुरै के जेडीएचएस के डॉ. आर. सेल्वराज, मदुरै मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. एल. अरुल सुंदरेश कुमार और डिंडीगुल, थेनी, रामनाथपुरम, शिवगंगा और विरुधुनगर जिलों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। पीसीपीएनडीटी अधिनियम पर एक पुस्तिका जारी की गई और सभी प्रतिभागियों को वितरित की गई।

भारत का डिजिटल स्वास्थ्य एकीकरण और नवाचार के नए युग को आगे बढ़ा रहा है

बेंगलुरु: भारत का डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र एक परिवर्तनकारी बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जो प्रौद्योगिकी के अभिसरण, नीतिगत गति और सुलभ स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती मांग से प्रेरित है। यह विकास अपनी जटिलताओं के बिना नहीं है। ट्रिकॉग हेल्थ के संस्थापक और सीईओ डॉ चरित भोगराज ने कहा कि बुनियादी ढांचे के अंतराल और नियामक अस्पष्टता के बीच परस्पर क्रिया चुनौतियां पेश करती है लेकिन नवाचार और प्रभाव के अवसर भी खोलती है। सबसे अधिक दबाव वाली स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों में से एक शहरी केंद्रों और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच पहुंच में भारी असमानता है। जबकि महानगरीय क्षेत्रों में डिजिटल स्वास्थ्य अपनाने में उछाल देखा जा रहा है, छोटे शहर और गांव अक्सर कम सेवा वाले रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल बुनियादी ढांचे की कमी और कम डिजिटल साक्षरता टेलीमेडिसिन और दूरस्थ निगरानी समाधानों की पहुंच में बाधा डालती है। हालांकि, यह अंतर मोबाइल–फर्स्ट प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर और स्थानीय स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी करके एक आकर्षक अवसर प्रस्तुत करता है डॉ. भोगराज ने कहा कि परंपरागत रूप से भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली प्रतिक्रियात्मक रही है, जो रोकथाम के बजाय उपचार पर ध्यान केंद्रित करती है, एक ऐसी मानसिकता जिसे विकसित किया जाना चाहिए। घर पर रक्तचाप और ईसीजी की निगरानी के लिए बाजार में आसानी से उपलब्ध उन्नत चिकित्सा उपकरणों का अधिकतम उपयोग करने के दृष्टिकोण से, ओमरोन हेल्थकेयर इंडिया के प्रबंध निदेशक हिरोशी ओगावा ने कहा कि निदान के बाद उच्च रक्तचाप के उपचार से लेकर रोकथाम और प्रारंभिक पहचान को प्राथमिकता देने तक के हमारे दृष्टिकोण को बदलना महत्वपूर्ण है। कई व्यक्ति अभी भी स्वास्थ्य निगरानी को एक नियमित आदत के बजाय एक एपिसोडिक गतिविधि के रूप में देखते हैं। कुशल डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों के साथ मिलकर होम ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग (HBPM) को लागू करना निरंतर ट्रैकिंग, जोखिमों की तुरंत पहचान और व्यक्तिगत हस्तक्षेप को सक्षम करके इस मान. सिकता में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

भारत–ब्रिटेन एफटीए की पृष्ठभूमि में भारत, ब्रिटेन ने विकसित हो रहे फार्मा व्यापार संबंधों पर चर्चा की

मुंबई: द्विपक्षीय दवा व्यापार संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, हैदराबाद में हाल ही में संपन्न हुई एक उच्च स्तरीय दवा उद्योग बैठक में भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (FTA) की पृष्ठभूमि में विकसित हो रहे व्यापार संबंधों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (Pharmencil) की भागीदारी देखी गई, जिसकी सह–मेजबानी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ व्यान ओवेन ने हैदराबाद के बंजारा हिल्स में उप उच्चायुक्त के निवास पर की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जुलाई के अंत तक हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है, लंबे समय से प्रतीक्षित FTA की पृष्ठभूमि में विकसित हो रहे भारत–ब्रिटेन व्यापार संबंधों पर चर्चा करने के लिए यह विशेष सभा एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम आई।

भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता दवा सहयोग को मजबूत करने, आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन बढ़ाने और थोक दवा आयात में वृद्धि को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बदलाव न केवल भारत की प्रतिस्पर्धी बढ़त को मजबूत करता है बल्कि CDMO संयुक्त अनुसंधान, विकास और नवाचार के लिए नए रास्ते भी खोलता है – दवाओं को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और सस्ती बनाता है," कार्यक्रम के दौरान फार्मेक्सिल के अध्यक्ष नमित जोशी ने कहा। कार्यक्रम की सफलता पर विचार करते हुए, ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ व्यान ओवेन ने कहा, "यूके–भारत सहयोग कार्यक्रम उद्योग संवाद और उसके प्रभाव का एक शानदार प्रदर्शन था। हाल ही में यूके–भारत एफटीए की घोषणा यूके की मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम भारत के जीवन विज्ञान क्षेत्र के साथ गहन जुड़ाव की आशा करते हैं, विशेष रूप से फार्मेसिल द्वारा आयोजित आगामी भारत स्वास्थ्य 2025 में, ताकि यूके–भारत संबंधों को और मजबूत किया जा सके।" उद्योग जगत के नेता, विनियामक विशेषज्ञ और शीर्ष दवा कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी भी एक पैनल चर्चा के लिए एक साथ आए, जिसका ध्यान नवाचार को बढ़ावा देने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और फार्मा निर्माण में डिजिटल परिवर्तन को सक्षम करने पर केंद्रित था। शाम को फार्मेसिल के निदेशक मुरली कृष्ण एस ने अपने विचार रखे, जिन्होंने जीवन विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापार समझौतों के दीर्घकालिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए विनियामक संरेखण और निर्यात में सतत वृद्धि के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया।

MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:26 AM Page 9

हिमाचल के मुख्यमंत्री ने एचआईवी, टीबी, हेपेटाइटिस रोगियों तक पहुंचने के लिए 12 ई-स्कूटर को हरी झंडी दिखाई

शिमला: प्राप्त समाचार के अनुसार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने अपने आवास से 12 ई-स्कूटर को हरी झंडी दिखाई। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये ई-स्कूटर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग को प्रदान किए गए हैं और इन्हें राज्य के आठ जिलों में तैनात किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी), यौन संचारित संक्रमण (एसआईटी), तपेदिक (टीबी) और हेपेटाइटिस से पीड़ित रोगियों को दवाइयों की डिलीवरी, जांच और परामर्श सेवाओं सहित घर-घर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। यह पहली बार है जब राज्य में इस तरह का समर्पित और मानवीय आउटरीच मॉडल लागू किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी व्यक्ति आवश्यक उपचार से वंचित न रहे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह पहल दवा की निरंतरता सुनिश्चित करेगी और रोगियों में वायरल लोड को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी, जिससे वे अधिक स्वस्थ और लंबा जीवन जी सकेंगे। इस पहल के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और स्वास्थ्य विभाग की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रेड रिबन क्लब, युवा, शैक्षणिक संस्थान और गैर-सरकारी संगठनों ने एचआईवी के बारे में निरंतर जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिमाचल प्रदेश को एचआईवी मुक्त बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुझे विश्वास है कि ये ई-स्कूटर हमारे चल रहे प्रयासों को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्तमान में 6,000 से अधिक व्यक्ति एचआईवी से पीड़ित हैं और उनमें से अधिकांश में वायरल लोड को कम करने में सफलता मिली है, जो राज्य सरकार की नीतियों और निरंतर प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है तथा स्वास्थ्य विभाग को ई-स्कूटर प्रदान करना भी इसी दिशा में एक कदम है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री (कर्नल) धर्मेंद्र शांडिल ने कहा कि राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी राज्य भर के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में स्थापित 471 रेड रिबन क्लबों के माध्यम से सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इसके अतिरिक्त, स्कूलों में किशोर शिक्षा कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। युवा सेवा एवं खेल विभाग और नेहरू युवा केंद्र संगठन भी स्कूल न जाने वाले युवाओं में एचआईवी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए साझेदारी कर रहे हैं।

पैरासिटामोल समेत 15 दवाओं और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट पर बैन

बेंगलुरु (कर्नाटक)। प्राप्त समाचार के अनुसार पैरासिटामोल समेत 15 दवाओं और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट के इस्तेमाल पर राज्य सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। इन दवाओं में पैरासिटामोल (पोमोल-650) और ओ शांति गोल्ड क्लास कुमकुम भी शामिल हैं। सरकार ने इन सभी दवाओं के प्रोडक्शन में भारी असुरक्षा पाई है और 15 दवाओं पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। राज्य खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने एक सरकुर्लर जारी किया है। इसमें बताया गया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने मई महीने में कई फार्मास्यूटिकल एवं कॉस्मेटिक उत्पादों के सैंपल लिए थे। जांच के दौरान इन दवाइओं और प्रोडक्ट के सैंपल में भारी असुरक्षा मिली है। इसके बाद मैसूर में निर्मित पैरासिटामोल (पोमोल-650) और ओ शांति गोल्ड क्लास कुमकुम समेत 15 दवाओं पर प्रतिबंध लगाया है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सभी स्टेकहोल्डरों से अपील की कि वह संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के कारण इन वस्तुओं की बिक्री और इस्तेमाल पर तुरंत रोक लगा दें। असुरक्षित दवाओं और प्रोडक्ट में कम्पाउंड सोडियम लैक्टेट इंजेक्शन, कम्पाउंड सोडियम लैक्टेट इंजेक्शन के अलावा मितु क्यू7 सिरप समेत 15 दवाइयां शामिल हैं। सरकार ने इन सभी दवाओं के प्रोडक्शन में भारी असुरक्षा पाई है और 15 दवाओं पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। राज्य खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने एक सरकुर्लर जारी किया है। पैरासिटामोल समेत 15 दवाओं और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट के इस्तेमाल पर राज्य सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है।

तेलंगाना डीसीए ने हैदराबाद में वितरकों से रोसुवास एफ 20 और रोसुवास एफ 10 के नकली संस्करण जब्त किए

चेन्नई: खुफिया जानकारी के आधार पर तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) के अधिकारियों ने हाल ही में इंद. रबाग, कोटि और हैदराबाद में छापे मारे और श्रोसुवास एफ 20 और रोसुवास एफ 10 गोलियों के नकली संस्करण जब्त किए। सूत्रों ने बताया कि हृदय संबंधी समस्याओं को रो. कने के लिए कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर को कम करने के लिए महत्वपूर्ण इन दवाओं के बारे में झूठा दावा किया गया था कि इनका निर्माण सिक्किम की सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा किया जाता है। 19 जून को किए गए छापों में विशेष रूप से कोटि के इंदरबाग में गंगा फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर्स और श्री नंदिनी फार्मा को निशाना बनाया गया। अधिकारियों ने कहा कि मूल निर्माता सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक तुलनात्मक बयान से पुष्टि हुई है कि श्रोसुवास एफ 20 और श्रोसुवास एफ 10 (रोसुवास्टेटिन और फेनोफाइब्रेट टैबलेट) के पकड़े गए बैच वास्तव में नकली थे। डीसीए की विशेष टीम में जी. श्रीनिवास (एडीसी, मेडचल), वी. अजय, गोशामहल में औषधि निरीक्षक, एम. हेमलता, गंडीमैसम्मा में औषधि निरीक्षक, राजा रेड्डी, कामारेड्डी में औषधि निरीक्षक और के. मुरली कृष्णा, मलकाजगिरी में औषधि निरीक्षक शामिल थे, जिन्होंने कार्रवाई के दौरान 3 लाख रुपये की नकली दवाओं का स्टॉक जब्त किया। अधिकारियों ने कहा कि आगे की जांच चल रही है, और इन नकली दवाओं के वितरण में शामिल सभी के खिलाफ दवा अधिनियम के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

यह दूसरी बार है जब अधिकारियों ने हैदराबाद के बाजार से सन फार्मा के नकली संस्करण जब्त किए हैं। इस साल जनवरी में, शहर में एक थोक विक्रेता के परिसर में की गई छापेमारी में, उन्होंने सन फार्मा की रोसुवास गोलियों के नकली संस्करण जब्त किए इन बरामदगी के बाद, DCA ने घोषणा की कि लो. कप्रिय कंपनियों के नाम पर गलत तरीके से लेबल किए गए बहुत सारे नकली उत्पाद थे, और वे सभी तेलंगाना के बाजार में घूम रहे थे। इस घटना से कुछ हफ्ते पहले, अधिकारियों ने माचबोलाराम के एक गोदाम से कैंसर रोधी दवाओं की नकली प्रतियाँ जब्त की थीं। तेलंगाना में नकली और नकली दवाओं के विपणन के खिलाफ अभियान पिछले तीन वर्षों से चल रहा है। पिछले साल, DCA ने उत्तराखंड के काशीपुर और यूपी के गाजियाबाद से हैदराबाद में नकली दवा रैकेट के प्रवेश का भंडाफोड़ किया था। सूत्रों के अनुसार, ड्रग रैकेट तेलंगाना में ड्रग्स की तस्करी के लिए कूरियर सुविधाओं का उपयोग कर रहा था, जिसे मेहनती अधिकारियों ने तुरंत विफल कर दिया। इस छापेमारी और नकली दवाओं की जब्ती के बाद, डीसीए के महानिदेशक डॉ. शॉनवाज काजिम ने जनता को एक सलाह जारी की, जिसमें उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण खतरे के बारे में सचेत किया गया।

14 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों ने मई में एनएसक्यू डेटा प्रस्तुत नहीं किया

नई दिल्ली: केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने मई में 186 नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एनएसक्यू) दवा नमूनों की एक सूची जारी की है, जिनमें से लगभग 69% राज्य दवा नियामकों द्वारा रिपोर्ट किए गए हैं, 14 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) ने इस महीने के लिए डेटा दाखिल नहीं किया है। मई और अप्रैल के महीने के दौरान विभिन्न अन्य राज्यों से प्राप्त एनएसक्यू डेटा पहले से ही सीडीएससीओ की सूची में मौजूद थे, जो दर्शाता है कि ऐसे मामलों में विभिन्न स्थानों के एक से अधिक नमूनों का एनएसक्यू के रूप में परीक्षण किया गया है। सीडीएससीओ के आंकड़ों के अनुसार, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, केरल, मणिपुर, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, सिक्किम और उत्तर प्रदेश राज्यों ने 9 फरवरी, 2024 को ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (इंडिया) दमन और दीव, लक्षद्वीप और चंडीगढ़ ने भी सीडीएससीओ को डेटा जमा नहीं किया।

जबकि महाराष्ट्र, उत्तराखंड, कर्नाटक, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, असम और झारखंड राज्यों और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों ने डेटा जमा कर दिया है, सभी एनएसक्यू पहले से ही मई महीने के लिए सीडीएससीओ के अलर्ट में सूचीबद्ध थे। तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश और पुडुचेरी, जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में से एक पहले से ही सीडीएससीओ की सूची में सूचीबद्ध था। हरियाणा और गोवा ने इस महीने के लिए एनएसक्यू डेटा शून्य के रूप में जमा किया। मई महीने के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा राज्य प्रयोगशालाओं में परीक्षण किए गए और एनएसक्यू के रूप में घोषित 128 नमूनों में से, सिप्ला लिमिटेड, ओत्सुका फार्मास्यूटिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, प्योर एंड क्योर हेल्थकेयर प्राइवेट द्वारा निर्मित दवाओं के नमूने थे। लिमिटेड, (अकुम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड की एक सहायक कंपनी), खंडेलवाल लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, लीफोर्ड हेल्थकेयर लिमिटेड, स्ट्राइड ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, कोरोना रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड, बजाज न्यूट्रास्युटिकल्स, अन्य। ठाणे से एडवांस्ड पाक. ीजा यूनानी एलएलपी से एक यूनानी दवा के चार नमूने, और ब्रह्मानंद आयुर्वेद से आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन का कम से कम एक नमूना महीने के दौरान एनएसक्यू के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

मई महीने के दौरान सीडीएससीओ और केंद्रीय प्रयोगशालाओं से एनएसक्यू के रूप में सूचीबद्ध 58 दवा नमूनों में जाइडस हेल्थकेयर लिमिटेड, ओत्सुका फार्मास्युटिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जेबी केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, इप्का लेबोरेटरीज लिमिटेड, मैकलियोड्स फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, पश्चिम बंगा फार्मास्युटिकल (फरिस्ता वानिज्य प्राइवेट लिमिटेड की एक इकाई) मई, 2025 के महीने में एंटीहाइपरटेंसिव दवा टेल्मिसर्टन टैबलेट 40 एमजी के दो बैच, जिन्हें टेल्मा 40 के नाम से ब्रांड किया गया था, को नकली घोषित किया गया था, क्योंकि लेबल पर दिए गए दावे के अनुसार, वास्तविक निर्माता ने सूचित किया है कि उत्पाद का उक्त बैच उनके द्वारा निर्मित नहीं किया गया था और यह एक नकली दवा है। मूल ब्रांड का विपणन ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स द्वारा किया जाता है। सूची जारी करते हुए सीडीएससीओ ने कहा, उत्पाद नकली होने का दावा किया गया है, हालांकि, यह जांच के परिणाम के अधीन है। जैसा कि पहले बताया गया था, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (इंडिया) (डीसीजीआई) ने फरवरी, 2024 में एक परिपत्र जारी कर क्षेत्रीय दवा नियामकों से विशिष्ट प्रारूप में अपना डेटा प्रस्तुत करने के लिए कहा था। दवा नियामक ने एनएसक्यू और नकली दवाओं की सूची जारी करते हुए कहा कि एनएसक्यू के रूप में दवा के नमूनों की पहचान एक या दूसरे निर्दिष्ट गुणवत्ता मापदंडों में दवा के नमूने की विफलता के आधार पर की जाती है। नियामक ने कहा, यह विफलता सरकारी प्रयोगशाला द्वारा जांचे गए बैच के दवा उत्पादों के लिए विशिष्ट है और यह बाजार में उपलब्ध अन्य दवा उत्पादों पर किसी भी चिंता का विषय नहीं है। नियामक ने कहा कि एनएसक्यू और नकली दवाओं की पहचान करने की यह कार्रवाई राज्य नियामकों के सहयोग से नियमित आधार पर की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन दवाओं की पहचान की जाए और उन्हें बाजार से हटाया जाए।

एमएसएमई फार्मा निकाय ने जोखिम आधारित निरीक्षण को माफ करने का आग्रह किया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध लघु व्यवसायों के संगठन लघु उद्योग भारती (एलयूबी) ने सरकार से इस साल उन फर्मों के लिए जोखिम-आधारित निरीक्षणों को माफ करने का आग्रह किया है जो अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रही हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नाडा को लिखे पत्र में एलयूबी ने इन निरीक्षणों पर चिंता व्यक्त की है और इन कंपनियों द्वारा शेड्यूल एम की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए अपनी सुविधाओं को उन्नत करने के दौरान छूट मांगी है, जो अच्छे विनिर्माण प्रथाओं को रेखांकित करता है। ईटी ने पत्र की एक प्रति देखी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और कई अन्य देशों द्वारा भारतीय दवाओं की गुणवत्ता पर चिंता जताए जाने के बाद निरीक्षण तेज कर दिए गए थे। एलयूबी ने 50 करोड़ रुपये से कम टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए शेड्यूल एम के कार्यान्वयन की समयसीमा बढ़ाने की भी मांग की है। देश में ऐसी 3,000-4,000 दवा निर्माण इकाइयाँ हैं । एलयूबी ने 10 मई को लिखे अपने पत्र में कहा, 50 करोड़ से कम टर्नओवर वाले निर्माताओं को आपके विशेष ध्यान और सहायता की आवश्यकता है, ताकि उन्हें कार्यान्वयन की समयसीमा में एक साल का और विस्तार दिया जा सके, यानी 31.12.2026 तक। जोखिम आधारित निरीक्षणों के बारे में, इसने कहा कि शेड्यूल-एम को लागू करते समय, दिसंबर 2026 तक, और उसके बाद आगे विस्तार के मामले में, महत्वपूर्ण मुद्दों को छोड़कर कोई जोखिम आधारित निरीक्षण नहीं किया जाना चाहिए। पत्र में कहा गया है कि एलयूबी ने कहा कि उसने देखा है कि कई मध्यम, लघु और सूक्ष्म उद्यमों (एमएसएमई) का निरीक्षण इस तरह से किया गया जो छापे की तरह प्रतीत हुआ और प्रकाशनों ने उन्हें मेक इन इंडिया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एरा के हितधारकों के बजाय अपराधी और गैरकानूनी प्रमोटर के रूप में दिखाया और व्यवहार किया।

एमटीपी किट बेचने पर मेडिकल स्टोर सहित दवाएं सील

सोनीपत (हरियाणा)। एमटीपी किट बेचने पर मेडिकल स्टोर सहित दवाएं सील की गई हैं। पीसी पीएनडीटी की टीम ने सब्जी मंडी के पास स्थित दहिया मेडिकल स्टोर पर छापा डाला और एमटीपी किट की चार गोलियां व नकदी बरामद की। इसके बाद मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया। नागरिक अस्पताल में एक महिला पेट दर्द के इलाज के लिए पहुंची थी। गायनी वार्ड में महिला ने बताया कि वह डेढ़ माह की गर्भवती थी। सब्जी मंडी के पास स्थित दहिया मेडिकल स्टोर से उनके पति ने एमटीपी किट खरीदी थी। 500 रुपये में एमटीपी किट दी गई थी और 300 रुपये पहले दिए गए थे। इस पर कार्रवाई करते हुए उन्होंने एक टीम का गठन किया। टीम में पीसी पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. सुमित कौशिक, चिकित्सा अधिकारी डॉ. इब्का व औषधि नियंत्रक अधिकारी मुंशीराम को शामिल किया गया। इस दौरान टीम ने गर्भवती महिला के पास से बरामद की गई एमटीपी किट की चार गोलियां सील की। इसके बार टीम ने सब्जी मंडी के पास मेडिकल स्टोर पर छापा डाला। वहां टीम ने मौके पर खरीदी गई एमटीपी किट के 300 रुपये बरामद किए। इसके बाद मेडिकल स्टोर को सील कर दिया और आरोपी मेडिकल स्टोर संचालक अनिल कुमार के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया।

926 करोड़ की दवाइयां जांच के बिना मरीजों को बांटी

लखनऊ (उप्र)। प्राप्त समाचार के अनुसार 926 करोड़ की दवाइयां जांच के बिना मरीजों को बांट दी गई। यह खुलासा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है। जिला अस्पतालों ने 926 करोड़ रुपये की दवाएं बिना किसी जांचके मरीजों को बांट दीं। यह खरीद 2020 से 2024 के बीच की गई और दवाओं की गुणवत्ता जांचने की जिम्मेदारी नहीं निभाई गई। न तो ड्रग इंस्पेक्टरों ने सैंपल लिए और न ही अस्पतालों ने किसी एजेंसी से जांच करवाई। इससे दवा सप्लाई में गहराई से जुड़े भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी की बू आ रही है। इस खुलासे से स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन दोनों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार औषधि और रसायन मद से कुल 926 करोड़ की दवा, सिरिंज और इंट्रावेनस फ्लूइड आदि की खरीद हुई। इस पूरी खरीद प्रक्रिया में गुणवत्ता जांच को नजरअंदाज कर दिया गया और दवाएं अस्पतालों में पहुंचते ही सीधे मरीजों को दे दी गईं। जानकारों का मानना है कि यह सब कमीशन के खेल का हिस्सा है। स्थानीय स्तर पर ऐसी फर्मों से दवा खरीदना जो जांच में फेल हो सकती हैं, सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने सफाई दी कि उन्होंने पोर्टल पर रजिस्टर्ड फर्मों से ही दवाएं खरीदीं, जो गुणवत्ता में विश्वसनीय मानी जाती हैं। लेकिन कैग ने कहा कि फर्म कितनी भी प्रमाणित क्यों न हो, बिना लैब टेस्ट दवाएं मरीजों को देना स्वास्थ्य मानकों का खुला उल्लंघन है। 926 करोड़ की दवाइयां जांच के बिना मरीजों को बांट दी गई। यह खुलासा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है।

ड्रग अलर्ट : 186 दवाइयों के सैंपल गुणवत्ता जांच में फेल मिले

बीबीएन (हिमाचल प्रदेश)। प्राप्त समाचार के अनुसार ड्रग अलर्ट जारी कर बताया गया है कि देशभर में 186 दवाइयों के सैंपल गुणवत्ता जांच में फेल मिले हैं। इनमें अकेले हिमाचल में बनी 45 दवाइयां फेल पाई गई हैं। जून में आए ड्रग अलर्ट में सोलन जिले की 33, सिरमौर की 9 और ऊना जिले की तीन दवा कंपनियों के सैंपल फेल हुए हैं। इनमें पेट के कीड़े मारने वाली दवा, सीने में जलन मिटाने वाला इंजेक्शन, बुखार में संक्रमण खत्म करने वाली दवा, गैस्ट्रिक के दौरान लगने वाला इंजेक्शन व बैक्टीरिया खत्म करने वाली दवाएं शामिल हैं। राज्य दवा नियंत्रक ने संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी कर स्टॉक वापस मंगवाने के लिए आदेश जारी कर दिए हैं। हिमाचल में बद्दी की स्विस गार्नियर लाइफ साइंस कंपनी के एक साथ दो सैंपल फेल हुए हैं। इनमें उच्च रक्तचाप पर लगने वाला टीका टेल्मीसार्टन शामिल हैं। सिरमौर के कालाअंब की डच फॉर्मूलेशन कंपनी की तीन दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं। इनमें संक्रमण की ऑफ्लोक्सिन और छाती के संक्रमण की एजिथ्रोमाइसिन शामिल हैं। नालागढ़ की पैराडॉक्स फार्मास्यूटिकल कंपनी के चार सैंपल फेल हुए हैं। इनमें एजिथ्रोमाइसिन दवा के दो, अमॉक्सिलिन का एक और गैस्ट्रिक की दवा पेंटाप्रोजोल का एक सैंपल मानकों पर खरा नहीं उतरा। बद्दी की मेडिपोल फार्मास्यूटिकल की दर्द निवारक दवा ब्रुफिन और आयरन का सिरप शामिल है। राज्य दवा नियंत्रक मनीष कपूर ने बताया कि सैंपल फेल वाली दवाओं का स्टॉक बाजार से वापस मंगवाया जाएगा। इन दवाओं से संबंधित कंपनियों पर कार्रवाई की जाएगी।

ई-फार्मेसी प्लेटफॉर्म्स अब सरकार के रडार पर, बनेगा नया कानून

नई दिल्ली। ई-फार्मेसी प्लेटफॉर्म्स सरकार के रडार पर आ गए हैं। ऑनलाइन दवा पहुंचाने की सुविधा देने वाली कंपनियों को अब सरकार जांच के दायरे में लाएगी और इन पर अंकुश के लिए नया कानून लाया जा रहा है। सरकार को शिकायतें मिल रही हैं कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स सुरक्षा से जुड़े नियमों को नहीं मान रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार अब भी यदि कार्रवाई नहीं की गई तो मरीजों की सुरक्षा से खिलवाड़ हो सकता है। ऑनलाइन दवा मंगाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है और इस सेवा में तमाम नई कंपनियां कदम रख रही हैं। सरकार को शिकायतें मिली हैं कि इनके डार्क स्टोर्स में सफाई आदि की कमी है। इसके पहले फूड डिलिवरी के डार्क स्टोर्स में भी कई कमियां सामने आई थीं। अभी भारत में ई-फार्मेसी के लिए कोई साफ-सुथरा कानून नहीं है। पुराने कानून में दवाओं की ऑनलाइन बिक्री के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। ऐसे में सरकार ऐसी कंपनियों पर नया कानून लाने की तैयारी में है जो आधुनिक ई-फार्मेसी को कवर करेगा।

पंजीकरण के बिना चल रहे 3 अस्पताल और अल्ट्रासाउंड सेंटर सील

प्रयागराज (उप्र)। पंजीकरण के बिना चल रहे 3 अस्पताल और अल्ट्रासाउंड सेंटर सील किए गए हैं। यह कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग ने की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी की टीम ने चार चिकित्सा संस्थानों को सील कर दिया। इस दौरान पुलिस टीम भी साथ रही। सैदाबाद स्थित वाराणसी अल्ट्रासाउंड सेंटर को रमेश कुमार मिश्रा की शिकायत पर सील किया गया। वारी तिराहे पर स्थित प्रयाग महिमा हॉस्पिटल बिना पंजीकरण के चल रहा था। इस अस्पताल के खिलाफ प्रभात पाण्डेय समेत कई लोगों की शिकायतें थीं। वहीं, प्रतापपुर ब्लॉक के पास प्रयाग महिमा हॉस्पिटल की दूसरी शाखा भी बिना मान्यता के चल रही थी। इसका संचालन भानु प्रताप सिंह कर रहे थे। बहरिया ब्लॉक के मुबारकपुर रोड पर रज्जूपुर चौराहा स्थित नेहा क्लीनिक को जांच के बाद सील किया गया। सीएमओ ने कहा कि बिना पंजीकरण के चल रहे स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:26 AM Page 10

बिकाऊ है

बुलन्दशहर में जिला अस्पताल के सामने मोती बाग की ओर जाने वाली सड़क पर मन्दिर के पास

Ground Floor	First Floor
2 Shops	200 Square Yard, Drawing Room Big Lobby, 3 Bedroom, Kitchen, 3 WC

-विशेषताऐं-

- On Road Property
- 30 फीट से अधिक चौड़ी सड़क
- Corner Property
- 3 Side Open (East, West & South)
- 12 फीट पटाव की छत
- व्यवसायिक उपयोग
- Situated in Mix Area Residence Cum Commercial
- पार्क, अस्पताल, मैडीकल स्टोर, सब्जी मण्डी, बस स्टैण्ड के निकट
- फर्श पर टाइल्स
- लाइट, जेट पम्प आदि सभी सुविधायें

Contact us:
9045029158, 9410434811

EMA ने गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को क्लिनिकल ट्रायल में शामिल करने के बारे में नई गाइडलाइन जारी की

EMA ने सार्वजनिक परामर्श के लिए एक नई गाइडलाइन जारी की है, जिसमें गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को क्लिनिकल ट्रायल में शामिल करने और/या बनाए रखने के बारे में सुझाव दिए गए हैं। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि डेवलपर्स उन आबादी में मजबूत क्लिनिकल डेटा तैयार करें, ताकि ये व्यक्ति और उनके स्वास्थ्य सेवा प्रदाता दवाओं का उपयोग करते समय सूचित, साक्ष्य-आधारित निर्णय ले सकें। मानव उपयोग के लिए फार्मास्यूटिकल्स के पंजीकरण के लिए तकनीकी आवश्यकताओं के सामंजस्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय परिषद (ICH) के माध्यम से वैश्विक नियामकों और दवा डेवलपर्स द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह गाइडलाइन गर्भावस्था और स्तनपान में दवाओं के विकास में प्रतिमान में बदलाव को चिह्नित करती है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि सिद्धांत रूप में, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को क्लिनिकल ट्रायल में शामिल करने पर उन सभी दवाओं के लिए विचार किया जाना चाहिए जो संभावित रूप से बच्चों को जन्म दे सकती हैं। यह उन सिद्धांतों और शर्तों को बताता है जिन्हें क्लिनिकल ट्रायल प्रतिभागियों, साथ ही उनके भ्रूण और शिशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरा किया जाना चाहिए। वर्तमान में, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को अक्सर क्लिनिकल ट्रायल से बाहर रखा जाता है और जो लोग क्लिनिकल ट्रायल में भाग लेते समय गर्भवती हो जाती हैं, उन्हें अक्सर क्लिनिकल ट्रायल से बाहर कर दिया जाता है। क्लिनिकल ट्रायल सूचना प्रणाली (CTIS) के आंकड़ों के अनुसार, EU में वर्तमान में प्रस्तुत सभी क्लिनिकल ट्रायल में से 0.4% से भी कम में गर्भवती महिलाएँ शामिल हैं, और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के मामले में यह संख्या 0.1% है। परिणामस्वरूप, उत्पाद पत्रक में आमतौर पर गर्भावस्था और स्तनपान में विशेष रूप से दवा के लाभों और जोखिमों के बारे में विवरण नहीं होता है, जिससे रोगियों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को इस आवश्यक जानकारी के बिना उपचार संबंधी निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। इससे उपचार संबंधी निर्णय लेने में कमी आ सकती है और संभावित नुकसान हो सकता है। इस बीच, गर्भवती महिलाओं में से अधिकांश लोग पुरानी बीमारियों, संक्रमणों या गर्भावस्था की जटिलताओं के कारण दवाएँ लेती हैं। स्तनपान कराने वाली आबादी में भी यही स्थिति है। दिशानिर्देश में वैज्ञानिक और विनियामक सिद्धांतों के साथ-साथ नैतिक विचारों को भी रेखांकित किया गया है, जो कि पूर्व और बाद में प्राधिकरण दोनों में गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को क्लिनिकल ट्रायल में शामिल करने के लिए हैं। यह गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए दवा डेवलपर्स की सक्रिय योजना और विनियामक अधिकारियों के साथ शीघ्र परामर्श को प्रोत्साहित करता है।

दवा दुकानों पर रेड के दौरान 800 नशीली टैबलेट मिलीं

रायबरेली (उप्र)। दवा दुकानों पर रेड के दौरान 800 नशीली टैबलेट मिलीं हैं। इसके चलते इन दवाओं की बिक्री रोक दी गई है। यह कार्रवाई नारकोटिक्स सेल और ड्रग इंस्पेक्टर की टीम ने जिला अस्पताल चौराहा स्थित मेडिकल स्टोरों में की। चार दुकानों में 20 प्रकार की नारकोटिक्स दवाओं की 800 टैबलेट मिलीं। मेडिकल स्टोर संचालकों के पास दवाओं के बिल नहीं मिले। दवाओं की बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया है और दवाओं के बिल संबंधित सेल को उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं। पुलिस विभाग के नारकोटिक्स सेल की प्रभारी पुष्पा सिंह और ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह की टीम ने जिला अस्पताल चौराहा स्थित मेडिकल स्टोरों में छापेमारी की। विजय मेडिकल स्टोर पर निरीक्षण किया गया। स्टोर संचालक इन दवाओं के बिल नहीं दिखा सका। इसके बाद चंद्र मेडिकल स्टोर में 400 टैबलेट, आशुतोष मेडिकल स्टोर में 100 टैबलेट और संतोष मेडिकल स्टोर में नारकोटिक्स दवाओं के 50 टैबलेट मिले। इस पर ड्रग इंस्पेक्टर ने सभी 20 दवाओं की बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया। नोटिस देकर सभी को तीन दिन के अंदर संबंधित दवाओं के बिल उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं।

हिमाचल प्रदेश रोबोटिक सर्जरी की सुविधा के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना चाहता है

शिमला: हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव देखने को मिल रहा है, क्योंकि लोगों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने का मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू का सपना अब हकीकत बन रहा है, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। शिमला के चमियाना में अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज राज्य का पहला चिकित्सा संस्थान बनने जा रहा है, जहां नवीनतम रोबोटिक तकनीक का उपयोग करके सर्जरी की जाएगी। एम्स दिल्ली की तर्ज पर 28 करोड़ रुपये की लागत से खरीदा गया अत्याधुनिक सर्जिकल रोबोट पहले ही चमियाना पहुंच चुका है और जुलाई तक इसकी स्थापना प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, जिसके बाद इस उन्नत तकनीक का उपयोग करके सर्जरी शुरू हो जाएगी।

चमियाना स्थित अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज के प्रिंसिपल डॉ. बृज लाल ने आज यहां कहा कि रोबोटिक सर्जरी से मरीजों और डॉक्टरों दोनों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि रोबोटिक प्रक्रियाओं में केवल बहुत छोटा चीरा लगाना पड़ता है, जिसका मतलब है कि कम रक्त की हानि और कम से कम रक्त आधान की आवश्यकता होती है। मरीजों को कम दर्द होता है, वे जल्दी ठीक हो जाते हैं और उन्हें अस्पताल से जल्दी छुट्टी मिल जाती है। सर्जन भी इस तकनीक से लाभान्वित होंगे क्योंकि रोबोटिक सिस्टम उन्हें बेहतर सटीकता और नियंत्रण प्रदान करेगा। वे लंबी सर्जरी के दौरान भी थकावट महसूस नहीं करते हैं, जिससे वे कम समय में अधिक प्रक्रियाएं कर सकते हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह प्रणाली शरीर के संकीर्ण और जटिल क्षेत्रों के अंदर एक स्पष्ट और बड़ा 3डी दृश्य भी प्रदान करती है और किसी भी त्रुटि की संभावना को कम करती है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद, रोबोटिक सर्जरी उपकरण जल्द ही डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय मेडिकल कॉलेज, टांडा को भी उपलब्ध करा दिए जाएंगे। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से आईजीएमसी शिमला, मेडिकल कॉलेज हमीरपुर और अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मशीनें लगाई जाएंगी।

चार डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले अमेरिकी राज्यों ने एफडीए से गर्भपात की गोलियों पर प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया

न्यूयॉर्क: न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया, मैसाचुसेट्स और न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन से गर्भपात की गोली मिफेप्रिस्टोन तक पहुंच बढ़ाने और उन प्रतिबंधों को हटाने के लिए कहा, जिन्हें वे पुराने और चिकित्सकीय रूप से अनावश्यक मानते हैं। डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले राज्यों द्वारा दायर याचिका में एफडीए को यह स्वीकार करने के लिए मजबूर करने की मांग की गई है कि राज्यों को मिफेप्रिस्टोन के सुरक्षित होने के ष्व्यापकष् सबूत के रूप में क्या लगता है, भले ही ट्रम्प प्रशासन गर्भपात के लिए आम तौर पर विरोध करता हो। यह तब आया जब स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने पिछले महीने कांग्रेस को बताया कि उन्होंने एफडीए आयुक्त मार्टी मकरी को गोली की समीक्षा करने का आदेश दिया था, और अनिर्दिष्ट खतरनाक नए डेटा ने सुझाव दिया कि सरकार को कम से कम लेबल बदलना चाहिए। गर्भावस्था के पहले 10 हफ्तों में गर्भपात के लिए दवा के रूप में मिफेप्रिस्टोन पहली गोली है, उसके बाद मिसोप्रोस्टोल दवा है, और इसे 2000 में FDA की मंजूरी मिली थी। प्रजनन स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने वाले गैर-लाभकारी गुटमाकर इंस्टीट्यूट के अनुसार, अमेरिका में आधे से ज्यादा गर्भपात दवा के रूप में होते हैं, हालाँकि 28 राज्य इस तक पहुँच को प्रतिबंधित करते हैं। याचिका FDA की उन आवश्यकताओं को चुनौती देती है कि मिफेप्रिस्टोन प्रिस्क्राइबर को राष्ट्रीय और स्थानीय गर्भपात प्रदाता सूचियों में शामिल किया जाना चाहिए, मरीज लिखित रूप में यह प्रमाणित करते हैं कि वे अपनी गर्भावस्था को समाप्त करना चाहते हैं, और फार्मेसियाँ कई तरह के रिकॉर्ड रखती हैं। दवा के सुरक्षा रिकॉर्ड का हवाला देते हुए, इसने कहा कि FDA के जोखिम मूल्यांकन और शमन रणनीति कार्यक्रम का हिस्सा ये नियम अब विज्ञान या कानून द्वारा उचित नहीं हैं, खासकर उन राज्यों में जहाँ गर्भपात कानूनी और व्यापक रूप से विनियमित है। न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने कहा कि नियम मिफेप्रिस्टोन को अधिकांश प्राथमिक देखभाल सेटिंग्स की पहुंच से दूर रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह समस्या ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों में विशेष रूप से गंभीर है, जहां गर्भपात कराने के लिए अक्सर लंबी यात्रा करनी पड़ती है। मिफेप्रिस्टोन का जिक्र करते हुए जेम्स ने कहा, इस पर

असामान्य रक्त के थक्के को रोकने के लिए कृत्रिम धातु-आधारित नवीन नैनोजाइम किया विकसित

बेंगलुरु: भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) के शोधकर्ताओं ने एक कृत्रिम धातु-आधारित नैनोजाइम विकसित किया है जिसका उपयोग संभवतः फुफ्फुसीय थ्रोम्बेम्बोलिज्म जैसी स्थितियों के कारण होने वाले असामान्य रक्त के थक्के को रोकने के लिए किया जा सकता है। सामान्य परिस्थितियों में, जब कोई रक्त वाहिका घायल होती है, तो प्लेटलेट्स नामक विशेष रक्त को. शिकाएं सक्रिय हो जाती हैं और सुरक्षात्मक रक्त के थक्के बनाने के लिए वाहिका के चारों ओर एक साथ समूह बना लेती हैं। रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया के रूप में जानी जाने वाली इस प्रक्रिया में कोलेजन और थ्रोम्बिन जैसे शारीरिक रसायनों से संकेतों द्वारा ट्रिगर किए गए प्रोटीन इंटरैक्शन की एक जटिल श्रृंखला शामिल होती है। लेकिन, जब ये संकेत फुफ्फुसीय थ्रोम्बेम्बोलिज्म या कोविड-19 जैसी बीमारियों जैसी स्थितियों में क्रम से बाहर हो जाते हैं, तो ऑक्सीडेटिव तनाव और विषाक्त रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज का स्तर बढ़ जाता है इस चुनौती से निपटने के लिए, आईआईएससी के अकार्बनिक और भौतिक रसायन विभाग के प्रोफेसर जी मुगेश के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने ऐसे नैनोमटेरियल विकसित किए हैं जो प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम्स की गतिविधि की नकल करते हैं, जो प्रतिक्रियाशील ऑक्सीडेटिव अणुओं को छानते हैं। नैनोजाइम रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज के स्तर को नियंत्रित करके काम करते हैं, जिससे प्लेटलेट्स की अधिक सक्रियता को रोका जा सकता है जो अतिरिक्त थक्का गठन या घनास्त्रता का कारण बनते हैं। शोधकर्ताओं ने छोटे बिल्डिंग ब्लॉक्स से शुरू होने वाले नियंत्रित रासायनिक प्रतिक्रियाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से विभिन्न आकारों, आकृतियों और आक. ारिकी के रेडॉक्स सक्रिय नैनोमटेरियल को संश्लेषित किया। फिर उन्होंने मानव रक्त से प्लेटलेट्स को अलग किया, उन्हें फिजियोलॉजिकल एगोनिस्ट का उपयोग करके सक्रिय किया, और परीक्षण किया कि विभिन्न नैनोजाइम अतिरिक्त प्लेटलेट एकत्रीकरण को कितनी प्रभावी रूप से रोक सकते हैं प्रोफेसर मुगेश ने कहा, वैनेडियम धातु की अनूठी रसायन विज्ञान महत्वपूर्ण है क्योंकि आरओएस के स्तर को कम करने वाली रेडॉक्स प्रतिक्रियाएं वैनेडियम नैनोमटेरियल की सतह पर हो रही हैं। टीम ने पल्मोनरी थ्रोम्बोम्बोलिज्म के माउस मॉडल में नैनोजाइम इंजेक्ट किया और पाया कि इससे थ्रोम्बोसिस में काफी कमी आई और जानवरों की जीवित रहने की दर में वृद्धि हुई। उन्होंने नैनोजाइम इंजेक्ट करने के बाद पाँच दिनों तक जानवर के वजन, व्यवहार और रक्त मापदंडों का भी अवलोकन किया, लेकिन कोई विषाक्त प्रभाव नहीं पाया। पीएचडी छात्र और अध्ययन के प्रमुख लेखकों में से एक बिदारे एन शरथ बाबू ने कहा कि कृत्रिम धातु-आधारित नए नैनोजाइम का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि यह सामान्य रक्त के थक्के को बाधित नहीं करता है। इसलिए यह रक्तस्राव संबंधी जटिलताओं का कारण नहीं बनेगा जो वर्तमान उपचारों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। थ्रोम्बोसिस को लक्षित करने वाली उपलब्ध एंटी-प्लेटलेट दवाओं के कभी-कभी रक्तस्राव में वृद्धि जैसे दुष्प्रभाव होते हैं। टीम अब इस्केमिक स्ट्रोक को रोकने में नैनोजाइम की प्रभावकारिता का पता लगाने की योजना बना रही है, जो रक्त वाहिकाओं के बंद होने के कारण भी होता है। मुगेश कहते हैं, हम मनुष्यों में नैदानिक अध्ययनों के बारे में आशान्वित हैं क्योंकि हमने मानव प्लेटलेट्स के साथ अपने प्रयोग किए हैं और वे सफल रहे हैं।

फार्मास्युटिकल एक्सीपिएंट्स के स्वदेशी विनिर्माण को समर्थन

नई दिल्ली। फार्मास्युटिकल विनिर्माण परितंत्र को मजबूत करने और आयात पर निर्भरता कम करने की कवायद शुरू की गई है। इस दिशा मे प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने मेसर्स नितिका फार्मास्युटिकल स्पेशियलिटीज नागपुर को वित्तीय सहायता दी है। यह मदद मैन्यूफैक्चर ऑफ कॉम्प्लेक्स एक्सीपिएंट्स परियोजना के लिए दी गई है। बताया गया है कि औषधीय रूप से निष्क्रिय होने के बावजूद, एक्सीपिएंट दवाओं की कार्यक्षमता, स्थिरता और वितरण में महत्वपूर्ण हैं। दवा के फॉर्मूलेशन अधिक परिष्कृत होने और नवीन वितरण प्रणालियों के उदय के साथ उच्च गुणवत्ता वाले एक्सीपिएंट की मांग भी बढ़ गई है। फार्मास्युटिकल पावर हाउस होने के बावजूद भारत इन जटिल एक्सीपिएंट का बड़ा हिस्सा अमेरिका, चीन और फ्रांस जैसे देशों से आयात करता है। इस परियोजना से नितिका फार्मास्युटिकल का लक्ष्य उन्नत फार्मास्युटिकल अनुप्रयोगों को पूरा करने वाले 14 जटिल एक्सीपिएंट्स के व्यावसायिक पैमाने पर उत्पादन करना है। इन उत्पादों को गुणवत्ता द्वारा डिजाइन (क्यूबीडी) ढांचे के अनुरूप विक. सित किया जाएगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए सतह क्षेत्र, कण आकार और स्थिरता जैसे मापदंडों में सटीकता सुनिश्चित होगी है।

यह परियोजना भारत सरकार की फार्मास्यूटिकल्स उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के साथ भी जुड़ी हुई है। इसके तहत मेसर्स नितिका को ग्रुप सी ख्र एमएसएमई (फार्मास्यूटिकल्स) के तहत लाभार्थी के रूप में चुना गया है। टीडीबी की मदद स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने, आयात निर्भरता को कम करने और उच्च मूल्य वाले फार्मास्यूटिकल घटकों में भारत की निर्यात क्षमता का विस्तार करने के व्यापक राष्ट्रीय मिशन का पूरक है।

मेडिकल एजेंसी से 24 लाख रुपये की नशीली दवाएं जब्त

रीवा (मध्यप्रदेश)। मेडिकल एजेंसी से 24 लाख रुपये की नशीली दवाएं जब्त की गई हैं। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चोरहटा थाना पुलिस ने अमहिया क्षेत्र स्थित एक मेडिकल एजेंसी पर छापा मारा और लगभग 24 लाख रुपए मूल्य की प्रतिबंधित और अत्यधिक नशे की टैबलेट जब्त की। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये लंबे समय से मेडिकल कारोबार की आड़ में अवैध नशीली दवाओं का नेटवर्क संचालित कर रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अमहिया इलाके की एक मेडिकल एजेंसी में नशीली दवाओं का बड़ा स्टॉक है और उसे अलग-अलग जिलों में सप्लाई किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारा और मौके से हजारों टैबलेट्स बरामद कीं। इन दवाओं का बाजार मूल्य 24 लाख रुपये के आसपास आंका गया है। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें सज्जन पटेल (32) निवासी जिला सीधी, मनोज गुप्ता (33) निवासी बिछिया और पुष्पेंद्र नामदेव (35) निवासी सेमरिया शामिल हैं।

वेट लॉस और शुगर के इंजेक्शन से अग्न्याशय की मिली शिकायतें

लंदन। वेट लॉस और शुगर के इंजेक्शन से अग्न्याशय की शिकायतें मिलने लगी हैं। सैकड़ों मरीजों ने इस संबंध में शिकायतें की हैं। इसके चलते स्वास्थ्य अधिकारियों ने दुष्प्रभावों पर एक शोध शुरू किया है। ग्लूकागन-जैसे पेप्टाइड-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट से जुड़े अग्नाशयशोथ के कुछ मामले घातक रहे हैं। मेडिसिन्स एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी (एमएचआरए) की येलो कार्ड योजना में तीव्र अग्नाशयशोथ की रिपोर्ट में वृद्धि मिली है। इसके बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने दुष्प्रभावों पर एक शोध शुरू कर दिया है। बता दें कि एमएचआरए यूके में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के प्रति किसी भी प्रतिकूल प्रतिकिय्रा की निगरानी करता है। गौरतलब है कि तीव्र अग्नाशयशोथ अग्न्याशय की अचानक सूजन है और पेट के पीछे स्थित एक ग्रंथि है जो पाचन में सहायता करती है। इसके लिए अक्सर अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। पेट में तेज दर्द, मतली और बुखार इसके लक्षण माने गए हैं। इसकी दवाओं के लिए रोगी सूचना पत्रक में अग्नाशयशोथ को एक असामान्य प्रतिक्रिया के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यह 100 में से लगभग एक रोगी को प्रभावित करता है। मौनजारो, वेगोवी, ओजेम्पिक और लिराग्लूटाइड का उपयोग करने वाले रोगियों से तीव्र अग्नाशयशोथ की लगभग 400 रिपोर्टें मिली हैं। इनमें से लगभग आधी (181) टिरजेपेटाइड (मौनजारो) से संबंधित हैं।

MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:26 AM Page 11

ALSO AVAILABLE VETERINARY PRODUCT
AdHyA
Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
A Symbol of Excellence in Health Care To Serve Quality Medicines.
Excise Free Zone
Beta & Non Beta
Alu Alu Pack Available
A Wide Range of Syrups, Tablets Capsules, Dry Syrup
Come Join Hands with us:
• Bulk order manufacturing.
• Loan licence arrangement.
• Third party/marketed by arrangement.
• For sole marketing rights for unrepresentated areas.
Interested parties may contact :
KULDEEP SINGH
Mob. : 09927034515, 9837034518
AdHyA Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
Believe in Quality & Service
197, Raipur, Bhagwanpur, Roorkee, Haridwar (U.K.)
E-mail : adhyapharmaceuticals@gmail.com
adhyaprinting@gmail.com

उच्च न्यायालय ने केरल क्लिनिकल प्रतिष्ठान अधिनियम के प्रावधानों के खिलाफ याचिका खारिज की

कोच्चिः उच्च न्यायालय ने सोमवार को केरल निजी अस्पताल संघ और अन्य द्वारा केरल नैदानिक प्रतिष्ठान (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2018 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया – विशेष रूप से अस्पतालों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं के लिए शुल्क संरचना और पैकेज दरों को प्रदर्शित करने के आदेश। न्यायमूर्ति हरिशंकर वी मेनन ने याचिकाकर्ताओं को उनके सामने आने वाली व्यावहा. रिक कठिनाइयों का हवाला देते हुए राज्य सरकार से संपर्क करने की स्वतंत्रता देते हुए याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायालय ने आगे कहा कि सरकार को ऐसी व्यावहारिक कठिनाइयों पर विचार करना चाहिए और नैदानिक प्रतिष्ठानों और कानून के लाभार्थियों दोनों के हितों को ध्यान में रखते हुए, जैसा वह उचित समझे, उपचारात्मक उपाय अपनाना चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने अधिनियम के विरुद्ध कई तर्क प्रस्तुत किए, जिनमें यह भी शामिल है कि यह अधिनियम प्राधिकरण को श्सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए आसन्न खतरे के मामलों में नैदानिक प्रतिष्ठानों के पंजीकरण को निलंबित या रद्द करने के लिए कानून के तहत असीमित शक्तियां प्रदान करता है – बिना यह परिभाषित किए कि आसन्न खतरे की परिभाषा क्या है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि एक विशेष शाखा में मामूली लापरवाही के कारण पूरे अस्पताल का पंजीकरण निलंबित या रद्द किया जा सकता है। एक अन्य तर्क अधिनियम की धारा 19(11) के खिलाफ था, जिसमें यह अनिवार्य किया गया है कि निरीक्षण के परिणाम जनता को उपलब्ध कराए जाएं, तर्क दिया गया कि इससे अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं। दूसरी ओर, राज्य सरकार ने तर्क दिया कि अधिनियम पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विनियामक ढांचा पेश करके नैदानिक अभ्यास में नैतिक मानकों को बढ़ावा देना चाहता है। सरकार ने कहा कि कानून का प्राथमिक उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य और रोगी सुरक्षा की रक्षा करना है। मामले के तथ्यों की जांच करने पर, न्यायालय ने माना कि प्राधिकरण को पंजीकरण रद्द करने की शक्तियाँ प्रदान करते समय अत्यधिक सावधानी बरती गई थी। इसने यह भी स्वीकार किया कि याचिकाकर्ताओं ने व्यावहारिक कठिनाइयों के बारे में वैध चिंताएँ उठाई थीं। हालाँकि, न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि मनमानी के मात्र आरोप किसी कानून को असंवैधानिक घोषित करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं। तदनुसार, पीठ ने याचिक. ाओं को खारिज कर दिया। नीति में सबसे अधिक पढ़ा गया दिल्ली उपभोक्ता आयोग ने डॉ. लाल पैथलैब्स को गलत रिपोर्ट देने के लिए दोषी ठहराने का फैसला बरकरार रखा रोग एक्स से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल का गठन दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने प्रमुख सुधारों की समीक्षा की, अस्पतालों में गहन देखभाल इकाइयों की स्थापना का आह्वान किया स्वास्थ्य विभाग के नए प्रोटोकॉल से अस्पतालों में पत्रकारों को संवेदनशील क्षेत्रों में जाने से रोका गया, जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे।

मेडिकल स्टोर्स पर प्रतिबंधित दवाएं जब्त कर लाइसेंस किया कैंसिल

रायपुर (छत्तीसगढ़)। प्राप्त समाचार के अनुसार मेडिकल स्टोर्स पर रेड के दौरान प्रतिबंधित दवाएं जब्त करने में सफलता मिली है। एक दवा दुकान का लाइसेंस कैंसिल किया गया है। यह कार्रवाई दुर्ग जिले में औषधि प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने की। नशीली और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार का पर्दाफाश हुआ है। दुर्ग जिले की देवभगत फार्मेसी (दुर्ग शहर) और सिन्हा मेडिकल स्टोर (पाटन क्षेत्र) में औषधि निरीक्षकों की टीम ने पुलिस बल के साथ दबिश दी। इसमें बिना वैध बिल और दस्तावेजों के नशीली दवाओं का बड़ा जखीरा बरामद किया। इस कार्रवाई के बाद दोनों मेडिकल स्टोर्स की औषधि अनुज्ञप्तियां (लाइसेंस) कैंसिल कर दी गई हैं। औषधि निरीक्षकों को सूचना मिली थी कि दुर्ग के कुछ मेडिकल स्टोर्स में नशीली दवाएं अवैध रूप से बेची जा रही हैं। इस पर औषधि प्रशासन ने स्थानीय पुलिस विभाग के साथ मिलकर देवभगत फार्मेसी और सिन्हा मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। इन मेडिकल स्टोर्स से नशे के लिए प्रचलित ट्रामाडोल, कफ सिरप और गर्भपात में उपयोग होने वाला एमटीपी किट जैसी दवाएं बरामद हुई हैं। कार्रवाई के बाद प्रशासन ने दोनों मेडिकल स्टोर्स की औषधि अनुज्ञप्तियाँ तत्काल प्रभाव से रद कर दी हैं। मेडिकल स्टोर्स पर रेड के दौरान प्रतिबंधित दवाएं जब्त करने में सफलता मिली है।

नागालैंड के मंत्री ने जुन्हेबोटो जिले का दौरा किया, स्वास्थ्य संबंधी परियोजनाओं की घोषणा की

कोहिमाः नागालैंड के मंत्री पी. पैवांग कोन्याक ने जुन्हेबोटो जिला अस्पताल का निरीक्षण कर उसके विस्तार कार्य का जायजा लिया और एक सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र तथा एक एकीकृत प्रयोगशाला सहित कई परियोजनाओं की घोषणा की। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अपने दौरे के दौरान, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने 24 जून से शुरू हुए शविकसित भारत के लिए विकसित नागालैंड दौरे के हिस्से के रूप में आदिवासी नेताओं और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ बैठक की। परियोजनाओं में जिला अस्पताल परिसर में चल रहे निर्माण को पूरा करना, स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण, एक शहरी सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र, एक एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला, सीएमओ भवन, एक नर्सिंग स्कूल, 30 बिस्तरों वाला आयुष अस्पताल और पुघोबोटो और सतोई में नए पीएचसी भवन शामिल हैं। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जिला अस्पताल का निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा किया जाना चाहिए तथा लागत में वृद्धि को रोकने के लिए इसमें कोई और विस्तार नहीं दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक नागालैंड को विकसित भारत के साथ जोड़ने के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कोन्याक ने जुन्हेबोटो में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी भर्ती और जमानत बांड के तहत एमबीबीएस स्नातकों की वापसी के माध्यम से जनशक्ति की कमी को दूर किया जाएगा। मंत्री ने अधिकारियों से सख्त फंड प्रबंधन, सीएमएचआईएस और आयुष्मान भारत योजनाओं के तहत जागरूकता और पंजीकरण , ओपीडी समय का पालन, बिना लाइसेंस वाली फार्मेसियों को बंद करने और टीबी उन्मूलन अभियानों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया।

मेडिकल स्टोर से लिए खांसी के सिरप का सैंपल जांच में फेल

रायबरेली (उप्र)। प्राप्त समाचार के अनुसार मेडिकल स्टोर से लिए खांसी के सिरप का सैंपल जांच में फेल मिला है। इसके चलते मेडिकल स्टोर संचालक व निर्माता को नोटिस थमाया गया है। यह कार्रवाई शहर के नेहरू नगर स्थित एक हॉस्पिटल के मेडिकल स्टोर पर की गई। अहमदाबाद में बनी इस सिरप में दवा 30 मिल. ीग्राम के स्थान पर मात्र 19 मिलीग्राम मिली। प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने दवा के निर्माता और विक्रेता को नोटिस दिया। संबंधित बैच की दवा को निर्माण एजेंसी को वापस करने के आदेश दिए हैं। ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह ने मई में नेहरू नगर स्थित फिनिक्स हॉस्पिटल में संचालित मेडिकल स्टोर से रेलिईयो एलएस-100 सिरप का सैंपल लिया था। इसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था। अब सैंपल की जांच रिपोर्ट आ गई है। इस दवा में साल्ट कम मिलने पर उसे खराब घोषित किया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने दवा विक्रेता के साथ ही निर्माता डिवाइन लाइफ केयर अहमदाबाद को नोटिस भेजा है। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि संबंधितों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। इस संबंध में जल्द ही प्रक्रिया पूरी करके कोर्ट में केस किया जाएगा।

पांडिचेरी फार्मा एमएसएमई समय सीमा और सीडीएससीओ की सीजीएमपी कार्यवाही के बीच फंसी

चेन्नईः पांडिचेरी ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (पीडीएमए) के सदस्य देश में, विशेष रूप से केंद्र शासित प्रदेश पांडिचेरी में फार्मा एमएसएमई पर केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की चल रही नियामक जांच पर चिंता जता रहे हैं। पीडीएमए के सदस्यों की रिपोर्ट है कि सीडीएससीओ के अधिकारी विनिर्माण सुविधाओं पर अघोषित जोखिम-आधारित निरीक्षण (आरबीआई) कर रहे हैं और बाद में उत्पादन बंद करने के आदेश जारी कर रहे हैं, बावजूद इसके कि केंद्र सरकार ने कड़े संशोधित अनुसूची एम मानदंडों के अनुपालन की समय सीमा दिसंबर 2025 तक बढ़ा दी है। इस स्थिति ने स्थानीय दवा इकाइयों को तत्काल परिचालन व्यवधानों से जूझने के लिए छोड़ दिया है, जबकि वे केंद्र सरकार द्वारा अनिवार्य व्यापक गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में काम कर रहे हैं। उनका आरोप है कि सीडीएससीओ के औचक निरीक्षण वास्तव में विनिर्माण सुविधाओं में उनकी उन्नयन गतिविधियों को अवरुद्ध कर रहे हैं वे केंद्रीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण करने के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाते हैं, जबकि सरकार ने खुद ही नए जीएमपी मानदंडों का अनुपालन करने के लिए सुविधाओं के लिए समयसीमा दिसंबर 2025 तक बढ़ा दी है। एक प्रतिनिधि ने पूछा, यदि जोखिम-आधारित निरीक्षण वर्तमान में जारी रहना है, तो सरकार द्वारा उद्योगों को यह विस्तारित अवधि प्रदान करने का उद्देश्य क्या था?

नाम न बताने की शर्त पर फार्माबिज से बात करते हुए, पीडीएमए के एक सदस्य ने खुलासा किया कि सीडीएससीओ ने लगभग 10 विनिर्माण कंपनियों को उत्पादन रोकने के आदेश जारी किए हैं, जो सभी एमएसएमई क्षेत्र में आती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पांडिचेरी में, सभी दवा निर्माण कंपनियां छोटे पैमाने की खिलाड़ी हैं। उद्योग के सदस्यों ने बताया कि केंद्रीय दवा नियामक अनजाने में फार्मा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर मुश्किलें पैदा कर रहे हैं, जब उद्योग डब्ल्यूएचओ-जीएमपी और अन्य अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपनी विनिर्माण सुविधाओं को उन्नत करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इनमें से लगभग सभी कंपनियों ने पहले ही सीडीएससीओ के राष्ट्रीय पोर्टल पर अपनी अंतर विश्लेषण रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है, जो दिसंबर 2025 तक पूर्ण अनुपालन प्राप्त करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। परिणामस्वरूप, एसोसिएशन के नेताओं ने तर्क दिया कि अंतरिम में उत्पादन को रोकना उनके चल रहे उन्नयन पहलों के लिए काफी हानिकारक है। उद्योग जगत के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पांडिचेरी में फार्मा उद्योग का भविष्य उज्ज्वल है और वे इस केंद्र शासित प्रदेश को दक्षिण भारत में गुणवत्तापूर्ण फार्मास्यूटिकल्स के केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश सरकार और स्थानीय औषधि नियंत्रण प्राधिकरण वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए उद्योग के प्रयासों का पूरा समर्थन कर रहे हैं। यह सहयोगात्मक भावना केंद्र सरकार तक फैली हुई है, जिसके साथ केंद्र शासित प्रदेश करासुर औद्योगिक क्षेत्र में एक परिष्कृत फार्मा पार्क विकसित करने के लिए काम कर रहा है, जो इस क्षेत्र को और बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

जाइडस फार्मा दो बायोलॉजिक्स इकाइयों का अधिग्रहण करेगी

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार जाइडस फार्मा एजेनस इंक और एजेनस वेस्ट एलएलसी से दो अमेरिकी-आधारित बायोलॉजिक्स विनिर्माण सुविधाओं का अधिग्रहण करेगी। यह एक प्रमुख वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी केंद्र है। बताया गया है कि इस सौदे में 75 मिलियन डॉलर का अग्रिम भुगतान शामिल है। इसमें तीन वर्षों में 50 मिलियन डॉलर तक का अतिरिक्त आकस्मिक भुगतान भी शामिल है, जो कुछ राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति पर निर्भर करेगा। इस अधिग्रहण से जाइडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड को कैलिफोर्निया में उन्नत बायोलॉजिक्स विनिर्माण क्षमताओं तक तत्काल पहुँच प्राप्त होगी। इस कदम से जाइडस को आपूर्ति श्रृंखला की गतिशीलता और अनुकूल भू-राजनीतिक वातावरण का लाभ उठाने में मदद मिलेगी। इससे कंपनी अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहुँच बना सकेगी। अधिग्रहीत सुविधाएं जाइडस के स्वतंत्र सीडीएमओ व्यवसाय के तहत संचालित होंगी। ये सुविधाएं वैश्विक बायोटेक और फार्मास्युटिकल कंपनियों को उच्च गुणवत्ता वाली बायोलॉजिक्स विकास और विनिर्माण सेवाएं प्रदान करने में विशेषज्ञता वाली अनुभवी पेशेवर टीम लाती हैं। जाइडस के पास एजेनस के किसी भी भविष्य के पाइपलाइन उत्पादों के निर्माण के लिए बातचीत का पहला अधिकार भी होगा। जाइडस के प्रबंध निदेशक डॉ. शर्विल पटेल ने कहा कि इस अधिग्रहण से जाइडस को अमेरिका में बायोलॉजिक्स विनिर्माण के लिए रणनीतिक आधार मिलेगा। इससे नवाचार-केंद्रित संस्थाओं के साथ साझेदारी करने, नए उत्पादों को आगे बढ़ाने की क्षमता बढ़ेगी है।

अस्पताल में इंजेक्शन से पांच मरीजों की हो गई मौत

भुवनेश्वर। प्राप्त समाचार के अनुसार अस्पताल में इंजेक्शन से पांच मरीजों की मौत हो जाने का मामला प्राकश में आया है। कोरापुट एसएलएन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में इंजेक्शन लेने के बाद छह मरीजों की मौत की जांच के आदेश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के आदेश पर पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। गौरतलब है कि कालाहांडी जिले की फूलमती माझी कैंसर, सेमलीगुड़ा के सुप्रा माझी और रुक्मिणी पेंथिया को चाकू लगने के बाद इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती हुए थे। कोटपाड के जगन्नाथ पुजारी सडक दुर्घटना में घायल हो गए थे और उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। इन सभी को सर्जरी के बाद सर्जरी विभाग के आईसीयू में रखा गया था। भगवान परिजा और बाटी खरा का जनरल सर्जरी वार्ड में इलाज चल रहा था। इन सभी मरीजों को इंजेक्शन लगाए गए। इंजेक्शन लेने के करीब दो घंटे बाद भगवान और बाटी के साथ सुप्रा, रुक्मिणी, फूलमती की मौत हो गई। जगन्नाथ का आज तडके निधन हो गया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लेने के कुछ घंटे बाद ही सभी मरीजों की मौत हुई है। उन्होंने अस्पताल के अधिकारियों की ओर से लापरवाही और गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया। तनाव बढने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों मरीजों के शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अन्य दो मरीजों के शव परिवार के सदस्य अपने साथ ले गए। चिकित्सा अधीक्षक और डीन डॉ सुशांत कुमार साहू ने कहा कि मरीज की जान बचाने के लिए प्रोटोकॉल के तहत इंजेक्शन दिए थे। मरीज को दिए गए इंजेक्शन को जांच के दायरे में लाया गया है। डीएमईटी ने मामले की जांच के लिए एक विशेषज्ञ टीम का गठन किया है।

नो पेन, पीरियडः पीरियड्स के दर्द के बारे में चुप्पी तोड़ने के लिए एक साहसिक आंदोलन

ऐसे समाज में जहाँ पीरियड्स के दर्द को लंबे समय से अनदेखा किया जाता रहा है, सेरिडॉन वूमन ने इसे सुर्खियों में लाने के लिए एक साहसिक और जरूरी कदम उठाया है। नो पेन, पीरियड अभियान की शुरुआत के साथ, ब्रांड पीरियड्स के दर्द के बारे में बातचीत को सामान्य बनाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है – और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि स्मार्ट राहत प्रदान करना जो कारगर हो। इस पहल के मूल में एक स्पष्ट संदेश है: पीरियड्स का दर्द वास्तविक है, और महिलाओं को चुपचाप सहना नहीं चाहिए। जबकि लाखों महिलाएं हर महीने ऐंठन, थकान और बेचैनी का अनुभव करती हैं, बहुत कम महिलाएं उचित राहत चाहती हैं। कई लोगों को ष्इससे निपटनेष के लिए कहा जाता है, जिससे कलंक को बल मिलता है और खुली बातचीत को हतोत्साहित किया जाता है। नो पेन, पीरियड इस चुप्पी को सीधे चुनौती दे रहा है। बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाने के एक शक्तिशाली कदम में, Saridon Woman ने मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता का समर्थन करने के लिए संदेश रखने वाले लोगों के सबसे बड़े ऑनलाइन वीडियो एल्बम के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया। देश भर की महिलाओं की हजारों प्रविष्टियों के जरिए, अभियान ने एकजुटता, दृश्यता और सशक्तिकरण की भावना को पकड़ा। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड बनाने का प्रयास नहीं था – यह यह दिखाने का एक प्रतीकात्मक इशारा था कि महिलाओं के दर्द को देखा जाना चाहिए, सुना जाना चाहिए और संबोधित किया जाना चाहिए। अभियान ने देश भर से 5000 प्रतिभागियों को एक साथ लाया, जिनमें से प्रत्येक ने महिलाओं के लिए एकजुटता में एक प्रतिष्ठित क्रॉस आर्म्ड जेस्चर में शामिल होकर, जब वे मासिक धर्म के दर्द का अनुभव करती हैं। अभियान का उद्देश्य मासिक धर्म के दर्द के लिए सुलभ समाधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी को भी इसे सहना न पड़े – जो Saridon के मूल मिशन को दर्शाता है। इस मिशन का समर्थन Saridon Woman के विज्ञान द्वारा किया जाता है, जो विशेष रूप से मासिक धर्म के दर्द को लक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया उत्पाद है।

कर्म ही पूजा है
MEDICAL DARPAN MEDIA HOUSE
All India Circulation
आवश्यकता है
समस्त भारतवर्ष में अपनी इच्छानुसार शहर का चयन कर संवाददाता व विज्ञापन बुकिंग हेतु प्रतिनिधि व ऑफिस हेतु
• ऑफिस स्टाफ
• सोशल मीडिया एक्सपर्ट
• कम्प्यूटर ऑपरेटर
• आशुलिपिक
• ग्राफिक्स डिजाइनर
• रिसेप्शनिस्ट
• अकाउन्टेंट
• टेलीकॉलर
• सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर विशेषज्ञ
आय Rs.10,000/- to Rs.25,000/- तक, कार्यानुसार
Send Your Resume & Contact us:
9045029158, 9410434811
medicaldarpanaccount@gmail.com, medicaldarpan.ctp@gmail.com
• मैडीकल दर्पण
• Pharma दर्पण
• Pharma News
• ADR (A Drug Index)
• medicaldarpan.com
• onlinepharmamarket.com
Limca Book of Records Holder
• Soap Museum • Bank of Visiting Cards
Medical Darpan Media House, Pushpanjali Enclave, K.P. Road, Bulandshahr 203001 (UP)

MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:26 AM Page 12

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

Location	Party Name	Contact No.
Agra	Satish Book Enterprises	9997877123
Ahmedabad	Bharat Medical Book House	9824013920
Akola	Book Emporium	9422861751
Aligarh	Rama Book Store	9319275252
Allahabad	Chetana Medical Books	9307978423
Amritsar	City Book Shop	0183-2571591
Amritsar	Medical Books & Surgicals Centre	0183-2422729
Aurangabad	Arihant Excel Medical Book House	9822259681
Aurangabad	Shri Samarth Book Depot	9822034577
Belgaun	Shri Ganesh Book Stall	8312461258
Berhampur	Book World	9861015189
Bhagalpur	Kora Kagaz	9771511779
Bhopal	Lyall Book Depot	0755-2543624
Bhubaneswar	Annapurna Medical Book Shop	9861243882
Bikaner	Academy Book Centre	9414138998
Burla	Bharat Book Emporium	9337335744
Calicut	Ramdas Sotes & Books	0495-2358398
Chennai	Chennai Medical Book Centre	044-66246369
Chennai	Shah Medical Books	9444829937
Coimbatore	Arasu Medical Book House	9444308567
Coimbatore	Balaji Medical Books	0422-6725292
Coimbatore	Dass Medical Book Shop	9443958620
Cuttack	Scientific Book Depot	9437020414
Delhi	Mirza Book Depot	9958723206
Delhi	Pawan Book Service	9810202316
Delhi	R.S.Book Store	9810546759
Delhi	Sagar Book Depot	9811680722
Delhi	University Book Store	9818357577
Dhulea	Koshal Book Shop	9423916592
Gorakhpur	Medical Book Centre	9450884543
Gwalior	Anand Pustak Sadan	9425114555
Indore	New Jain Book Stall	9926636333
Indore	Scientific Literature Company	9826299744
Jabalpur	Lords Book Sellers	9425155125
Jabalpur	Akash Pustak Sadan	9826563047
Jaipur	Kumar Medical Book Store	9829610430
Jammu	Bhartiya Pustakalaya	9796636000
Jammu	Narend Book Depot	9419114398
Jamnagar	Jay Medical Book Centre	9925236982
Jodhpur	Book World	9829088088
Jorhat	Naveen Pustakalaya	9435514204
Kolhapur	Ajab Pustakalaya	9881424434
Kolkata	Raj Book House	9432550891
Kota	R.K.Stationers	9829087574
Koti Hyderabad	Osmani Medical Book House	040-64644253
Koti Hyderabad	Paras Medical Books Pvt Ltd.	040-24600869
Koti Hyderabad	Sharp Medical Book Centre	040-65544303
Lucknow	Aditya Medical Books Pvt Ltd.	0522-2611724
Lucknow	Arora Book Agencies	0522-4046778
Ludhiana	Verma Book Depot	9872202530
Madurai	Medical Books & International	9344101063
Meerut	City Book Centre	0121-4056292
Meerut	Menakshi Prakashan	0121-2645498
Meerut	R LAL Book Depot	0121-2666235
Mumbai	The National Book Depot	022-24131362
Mumbai	Vikas Medical Book House Pvt Ltd.	022-23010441
Mumbai	Bhalani Medical Book House	022-24171660
Nagpur	New Medical Book Shop	9822225591
Nagpur	Book Source	9850943011
Patna	Current Book Service	9431077745
Pune	J D Granth Bhandar	020-24492832
Raipur	S.K.Medical Book House	9329637397
Raipur	Sristhi Book Stationery Mart	9300855027
Rajkot	Jay Books Medical Book	9925236984
Ranchi	Student Book Depot	0651-2221907
Saharanpur	Hans Pustak Bhandar	9457449388
Sangli	Tanavade & Sons	9823049499
Sri Nagar	Doctors Dotkom	9086454647
Tirupati	Shri Venketswar Book Depot	9885479105
Trivandram	Professional Book House	9495951506
Varanasi	Atithi Medical Books	9307978423
Varanasi	Current Book Agency	9335015235
Visakhapatnam	Andhra Medical Book Centre	9985716032
Visakhapatnam	World Medical Book Centre	9849022192

भारत का जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र पिछले दशक में लगभग पांच गुना बढ़ा: डीबीटी सचिव

नई दिल्ली: भारत के जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने पिछले दशक में तेजी से विस्तार किया है, इसकी जैव अर्थव्यवस्था 2014 में 35.5 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2024 में 165.7 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गई है, यह जानकारी जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के सचिव राजेश एस गोखले ने दी। उन्होंने कहा कि अब यह क्षेत्र 2030 तक 300 बिलियन अमरीकी डॉलर का लक्ष्य लेकर चल रहा है, क्योंकि वैज्ञानिक प्रगति औद्योगिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य लाभ में तब्दील होने लगी है। डीबीटी की 11 साल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोखले ने कहा, जैव प्रौद्योगिकी अब एक सीमांत विषय नहीं रह गया है, यह अब भारत की आर्थिक और स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के लिए एक रणनीतिक चालक है। उन्होंने कहा कि इन उल्लेखनीय पहलों में जीनोमइंडिया शामिल है, जो 99 जनसंख्या समूहों के 10,000 व्यक्तियों के जीनोम को अनुक्रमित करने का एक राष्ट्रव्यापी प्रयास है। इस वर्ष की शुरुआत में जारी किए गए डेटा से व्यक्तिगत चिकित्सा को जानकारी मिलने और शोधकर्ताओं को भारतीय आबादी के अनुरूप निदान विकसित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। गोखले ने गंभीर हीमोफीलिया ए के लिए लेंटिवायरल वेक्टर का उपयोग करके भारत के पहले मानव जीन थेरेपी परीक्षण पर भी प्रकाश डाला। गोखले ने कहा कि भारत की वैक्सीन प्रतिक्रिया ने डीबीटी समर्थित नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की क्षमता को प्रदर्शित किया है। मिशन कोविड सुरक्षाष के तहत, डीबीटी समर्थन से विकसित पांच कोविड-19 टीकों को आपातकालीन स्वीकृति मिली, जिसमें दुनिया की पहली थर्मोस्टेबल mRNA वैक्सीन GEMCOVAC-19 भी शामिल है। ब्रीफिंग में साझा किए गए दस्तावेज के अनुसार, अन्य उत्पादों में इंट्रानैसल कोविड-19 वैक्सीन और भारत का पहला स्वदेशी चतुर्भुज एचपीवी वैक्सीन, सर्वावैक शामिल है, जो अब राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा है।

संशोधन के बावजूद, यूसीपीएमपी शक्तिहीन बनी हुई है: एफएमआरएआई का आरोप

नई दिल्ली: फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएमआरएआई) का आरोप है कि भले ही केंद्र सरकार ने पिछले साल फार्मा उद्योग के लिए यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (यूसीपीएमपी) को संशोधित किया था, लेकिन यह शक्तिहीन और वैधानिक रूप से अनबाध्यकारी बना हुआ है। यह टिप्पणी फार्मास्युटिकल्स विभाग (डीओपी) के तहत फार्मा मार्केटिंग प्रैक्टिसेज के लिए शीर्ष समिति के एक आदेश की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें वैश्विक बायोफार्मा प्रमुख एबवी इंक की भारतीय शाखा एबवी हेल्थकेयर इंडिया को कथित अनैतिक विपणन प्रथाओं के लिए फटकार लगाई गई है, जो यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (यूसीपीएमपी), 2024 का उल्लंघन करते हुए 30 हेल्थकेयर पेशेवरों (एचसीपी) के लिए मोनाको और पेरिस में विदेशी छुट्टियों को प्रायोजित करती है। एफएमआरएआई ने जून, 2025 के महीने के अपने समाचार पत्र में एक लेख में कहा, जैसा कि एफएमआरएआई ने कई बार व्यक्त किया है वे पहचान कर सकते हैं, जांच कर सकते हैं और यह स्थापित कर सकते हैं कि गलत काम हो रहे हैं। लेकिन वे केवल फटकार लगा सकते हैं और कुछ नहीं कर सकते। इस मामले में डीओपी ने सीबीडीटी (केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) से संबंधित कंपनी के खिलाफ कर चोरी का मामला दर्ज करने का आग्रह किया है। रिश्वतखोरी का असली मुद्दा अभी भी बरकरार है, इसने आरोप लगाया। जैसा कि पहले बताया गया है, शीर्ष समिति ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से 30 एचसीपी के साथ कंपनी की कर देयता का मूल्यांकन करने और आयकर अधिनियम, 1961 और संबंधित परिपत्रों के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही करने का अनुरोध किया है। इसने राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी) से भारतीय चिकित्सा परिषद (पेशेवर आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002 के अनुसार 30 स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया है। यह कार्रवाई एक अनाम शिकायत पर आधारित थी, कि एबवी ने सौंदर्यशास्त्र और एंटी-एजिंग मेडिसिन वर्ल्ड कांग्रेस, 2024 पर सम्मेलनों की आड़ में असाधारण आनंद यात्राओं के लिए यात्रा टिकट और होटल आवास प्रदान किए, जो क्रमशः 1 से 3 फरवरी और 26 से 29 मार्च तक मोनाको और पेरिस में बोटॉक्स और जुवेडरम के चिकित्सा सौंदर्यशास्त्र या एंटी-एजिंग उत्पादों से जुड़े 30 डॉक्टरों के लिए हुए थे। यूसीपीएमपी का नया संस्करण, 2024 में जारी किया गया था, जिसे डीओपी द्वारा जारी किया गया था, जब एफएमआरएआई ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया यूसीपीएमपी को 2014 में पेश किया गया था और 1 जनवरी, 2015 से लागू किया गया था, लेकिन यह सरकार के किसी भी कानून या कानून के तहत लागू नहीं था, विभाग ने नए कोड को पेश करते हुए कहा। हालाँकि, नए संस्करण के जारी होने के तुरंत बाद, FMRAI ने इसे "नई बोतल में पुरानी शराब" करार दिया, यह सुझाव देते हुए कि सर्वोच्च न्यायालय और देश के लोगों को संतुष्ट करने के लिए केवल दिखावटी बदलाव किए गए हैं। फेडरेशन ने अपने लेख में कहा कि उसने इस मामले को नए सिरे से सर्वोच्च न्यायालय में सूचीबद्ध करने की अपील की है, जिसमें कहा गया है कि मुफ्त चीजें, अवैध प्रायोजन और दवाओं के लिए भुगतान करने का मॉडल उद्योग में आराम से फल-फूल रहा है।

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री ने सिविल अस्पताल का किया निरीक्षण

लुधियाना: पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने निरीक्षण के लिए सिविल अस्पताल का दौरा किया और पानी की टंकी के ढक्कनों सहित चोरी की हाल की घटनाओं को गंभीरता से लिया। उन्होंने सुविधाओं का निरीक्षण किया और मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन किया। चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने और अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में किसी भी तरह की गड़बड़ी या लापरवाही के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने दौरे के दौरान विभिन्न वार्डों का दौरा किया, मरीजों और उनके परिवारों से बातचीत की और अस्पताल की सेवाओं के बारे में प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया प्राप्त की। उन्होंने उन्हें स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार और सभी के लिए सुलभ, गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। कोविड-19 के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए, मंत्री ने लोगों को आश्वस्त किया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और नागरिकों से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कोविड दिशा-निर्देशों का पालन करने के महत्व पर प्रकाश डाला, जैसे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना और स्वच्छता बनाए रखना। डेंगू की रोकथाम के बारे में मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें मच्छरों के पनपने के स्थानों को खत्म करने तथा लक्षणों और बचाव के उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए घर-घर जाकर सक्रिय रूप से निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे डेंगू से वार अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें तथा बीमारी के प्रसार को रोकने में मदद करने के लिए विभागीय निर्देशों का पालन करें। भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी चेतावनी देते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, अगर कोई कर्मचारी काम के लिए रिश्वत लेता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ तुरंत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अस्पताल के कर्मचारियों से ईमानदारी बनाए रखने का आग्रह किया और कहा, यह आपका अस्पताल है और इसे ईमानदारी और समर्पण के साथ चलाना आपकी जिम्मेदारी है।

पांच फार्मा कंपनियों पर ईडी ने की छापेमारी

उत्तराखंड। पांच फार्मा कंपनियों पर ईडी ने छापेमारी की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरिद्वार, ऋषिकेश और काशीपुर में हुई इस कार्रवाई में दवा बिक्री स्टॉक और ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। एसटीएफ की एफआईआर के आधार पर हुई इस कार्रवाई में नशा तस्करों और फार्मा कंपनियों के गठजोड़ का पर्दाफाश होने की संभावना है जिन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए करोड़ों कमाए। इनक कंपनियों में बायोजेनेटिक ड्रग्स प्रा. लि., सीबी हेल्थकेयर, स्माइलैक्स फार्माकेम ड्रग्स इंडस्ट्रीज, सोल हेल्थ केयर (आई) प्रा. लि. और एस्टर फार्मा) के नाम शामिल हैं। ऋषिकेश, हरिद्वार और काशीपुर के ठिकानों पर जांच की गई। फार्मा कंपनियों में दवा बिक्री, सप्लायर, स्टाक, ट्रांजेक्शन आदि की जांच की जा रही थी। बता दें कि नशा तस्करों और फार्मा कंपनियों के गठजोड़ के विरुद्ध ईडी की यह कार्रवाई उत्तराखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में एक साथ 15 ठिकानों पर की गई। यह कार्रवाई एसटीएफ की ओर से बीते वर्ष दर्ज एफआइआर के आधार पर की। ईडी ने जांच में पाया कि फार्मा कंपनियों के साथ गठजोड़ कर नशा तस्करों ने कई नशीली दवाओं की आपूर्ति की है। इसके अलावा दवा निर्माण के लिए कच्चे माल की खरीद का परीक्षण भी किया गया। इस आपराधिक गठजोड़ ने नशा तस्करों ने कई सौ करोड़ों रुपए बनाए है और इसे सीधे तौर पर मनी लांड्रिंग के रूप में माना गया। फार्मा और नशा तस्करों के गठजोड़ पर की जा रही कार्रवाई में ईडी की एंट्री के बाद फार्मा सेक्टर में हडकंप की स्थिति है।

सूत्रों के अनुसार नशा तस्करों तक पहुंचने के मामले में ड्रग पैडलर एलेक्स पालीवाल की पूर्व में गिरफ्तारी की जा चुकी है। एक दवा तो ऐसी पाई गई, जिसका कुछ ही माह में 20 करोड़ से अधिक अल्प्राजोलम टैबलेट का उत्पादन किया गया।

पीसीआई ने समन्वय में सुधार के लिए संस्थानों को नोडल अधिकारी और छात्र राजदूत नियुक्त करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली: फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने देश के सभी फार्मेसी संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे विभिन्न मामलों पर काउंसिल के साथ समन्वय करने, संस्थानों में पीसीआई की पहलों के समन्वय और प्रभावी कार्यान्वयन में सुधार करने में मदद करने के लिए अपने संस्थान में एक नोडल अधिकारी और एक छात्र राजदूत नियुक्त करें। नोडल अधिकारियों की नियुक्ति फार्मेसी पेशे को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए परिषद द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं के संबंध में पीसीआई के साथ समन्वय करने और परिषद द्वारा निर्देशित विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए समन्वय करने के लिए है। पीसीआई क्षमता निर्माण औद्योगिक प्रशिक्षण (सीबीआईटी), सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी), व्यावसायिक विकास निधि (पीडीएफ), फार्मासिस्टों के लिए रिफ्रेशर कोर्स, व्यावसायिक विकास निधि (पीडीएफ), अनुसंधान विकास योजना (आरडीएस), फार्मासिस्टों के लिए कौशल विकास केंद्र (एसडीसीपी), यह हर साल 6 मार्च को फार्मा अन्वेषण, हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, हर साल 25 सितंबर को फार्मासिस्ट दिवस, हर साल नवंबर के तीसरे सप्ताह में राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह आदि का आयोजन और जश्न मनाता है। परिषद ने कहा, उपरोक्त के मद्देनजर, सभी फार्मेसी संस्थानों से एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का अनुरोध किया जाता है, जो उपरोक्त सभी मामलों पर पीसीआई के साथ समन्वय करने के लिए जिम्मेदार होगा। नोडल अधिकारी संस्थान और पीसीआई के बीच संपर्क के आधिकारिक बिंदु के रूप में कार्य करने, पीसीआई द्वारा आयोजित या अनुशंसित सभी कार्यक्रमों, आयोजनों और योजनाओं में भाग लेने, संस्थानों के भीतर पीसीआई संचार का समय पर प्रसार सुनिश्चित करने और पीसीआई पहलों में सुचारू निष्पादन और सक्रिय भागीदारी की सुविधा प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होगा। परिषद ने सभी संस्थानों से नोडल अधिकारी का विवरण साझा करने और आगामी सत्र, जो शैक्षणिक वर्ष 2026-27 है, के लिए मानक निरीक्षण प्रारूप (SIF) में नोडल अधिकारी का विवरण भरने के लिए भी कहा। पीसीआई ने कहा कि सभी संस्थानों से नोडल अधिकारियों का विवरण प्राप्त होने के बाद वह सभी नोडल अधिकारियों के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम/कार्यशाला आयोजित करेगा। इसी तरह, इसने सभी संस्थानों को एक छात्र राजदूत नियुक्त करने के लिए कहा है, जो छात्रों और पीसीआई के बीच एक सेतु का काम करेगा। इसने कहा कि यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और सभी फार्मेसी संस्थानों में छात्रों की भलाई की रक्षा करने के लिए है। छात्र राजदूत छात्रों की शिकायतों, चिंताओं या मुद्दों को सम्मानजनक और गोप. नीय तरीके से सुनने, जहाँ तक संभव हो छात्र स्तर पर इन मुद्दों को संबोधित करने और हल करने का प्रयास करने, पीसीआई और राज्य फार्मेसी परिषद जैसे उचित प्राधिकरण को अनसुलझे या गंभीर चिंताओं की रिपोर्ट करने, एक स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने और छात्रों के समग्र विकास और मानसिक शांति में योगदान देने और पीसीआई द्वारा आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए जिम्मेदार होंगे। इसमें कहा गया है, इस पहल का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना, संचार में सुधार करना और सभी छात्रों के लिए एक सहायक और तनाव मुक्त सीखने का माहौल सुनिश्चित करना है।

दुष्ट इंसान की मीठी बातों पर कभी भरोसा मत करो। वो अपना मूल स्वभाव कभी नहीं छोड़ सकता। जैसे शेर कभी हिंसा नहीं छोड़ सकता।

विदेश यात्रा पर गए 30 डॉक्टरों पर एनएमसी कार्यवाही नहीं

नई दिल्ली। विदेश यात्रा पर गए 30 डॉक्टरों पर एनएमसी कार्रवाई नहीं की गई है। इन डाक्टरों ने फार्मा कंपनी एबवी से 2024 में 1.9 करोड़ रुपये की विदेश यात्रा स्वीकारी थी। हालांकि फिलहाल इन्हें एनएमसी से कोई कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ा है क्योंकि फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी) ने उनके नाम सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया है। अभी तक इन नामों को आयोग को नहीं भेजा गया है। यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस फार्मा फर्मों को स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को यात्रा या आतिथ्य प्रदान करने से रोकता है। हालांकि, समिति ने दिसंबर 2024 में डॉक्टरों की विदेश यात्राओं को कानून का उल्लंघन पाया था, लेकिन इस साल 8 मई तक डॉक्टरों के नाम आयोग को नहीं भेजे गए थे। एक अन्य आरटीआई आवेदन का जवाब देते हुए फार्मा विभाग ने दावा किया कि मांगी गई जानकारी में नामों या व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा शामिल है। लेकिन यह सार्वजनिक हित की भी नहीं है। यह आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(जे) के तहत प्रदान नहीं की गई है। मई 2024 में, विभाग को शिकायत मिली थी कि एबवी ने चिकित्सा सम्मेलनों के नाम पर मोनाको और पेरिस में एक आनंद यात्रा प्रायोजित की थी। इसके साक्ष्य के रूप में हवाई टिकट और होटल बुकिंग भी मौजूद थी।

मेडिकल स्टोर पर रेड कर फिजीशियन सैंपल की 200 टैबलेट जब्त की

रायबरेली (उप्र)। मेडिकल स्टोर पर रेड कर फिजीशियन सैंपल की 200 टैबलेट जब्त की गई हैं। यह कार्रवाई ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह ने अमावां चौराहा स्थित सत्यम मेडिकल स्टोर पर की। स्टोर पर फिजीशियन सैंपल के 200 टैबलेट रैक में बिक्री के लिए रखे मिले। सात प्रकार की दवाओं को जब्त कर लिया गया। ड्रग इंस्पेक्टर ने तीन मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण करके चार संदिग्ध दवाओं के सैंपल लिए हैं और 10 दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी। वहीं, मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। ड्रग इंस्पेक्टर ने सबसे पहले अमावां चौराहा स्थित सत्यम मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया। यहां सात प्रकार की दवाओं के फिजीशियन सैंपल मिले। करीब 200 टैबलेट बेचने के लिए रैक में रखे गए थे। यहां एक एक्सपायरी दवा भी रैक में रखी मिली।

सरकार ने हृदयाघात से पीड़ित रथ भक्तों के उपचार के लिए उपकरण पेश किए

भुवनेश्वर: राज्य सरकार पहली बार पुरी रथ यात्रा के दौरान हृदयाघात से पीड़ित श्रद्धालुओं को महत्वपूर्ण प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए स्वचालित बाह्य डिफाइब्रिलेटर (एईडी) तैनात करेगी, जिसे शॉक मशीन के रूप में भी जाना जाता है । डिफाइब्रिलेटर हृदयाघात से पीड़ित व्यक्ति के हृदय को पुनः आरंभ करने के लिए छाती की दीवार के माध्यम से एक शक्तिशाली विद्युत झटका देता है। आपातकालीन उपचार को डिफाइब्रिलेशन के रूप में जाना जाता है। पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरण स्वचालित रूप से महत्वपूर्ण हृदय ताल की पहचान करते हैं और हृदयाघात के रोगियों को विद्युत उपचार प्रदान करते हैं, जिससे हृदय ठीक हो जाता है। डिवाइस का संचालन बहुत सरल है। यह ऑडियो कमांड जारी करता है और विशेष रूप से एक आम आदमी द्वारा उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है, राज्य अग्निशमन सेवा निदेशालय के एक अधिकारी ने कहा, जिसने रथ यात्रा के लिए लगभग 10 एईडी डिवाइस प्राप्त किए हैं। डिवाइस तब तक झटका नहीं देगा जब तक कि यह फाइब्रिलेशन का पता न लगा ले, भले ही शॉक बटन दबाया गया हो या नहीं। इस प्रक्रिया में हृदय की गतिविधि पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर बिजली का झटका देने के लिए मरीज की छाती पर दो पैड लगाए जाते हैं। पोर्टेबल डिवाइस उपयोगकर्ता के अनुकूल हैं, जो विशेषज्ञ प्रशिक्षण की आवश्यकता के बिना स्पष्ट आवाज निर्देश प्रदान करते हैं। उपकरण हृदय की लय का सटीक मूल्यांकन करता है और केवल तभी झटका देता है जब आवश्यक हो, जिससे विभिन्न प्रकार की हृदय स्थितियों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित होती है। अधिकारी ने कहा, ओडिशा अग्निशमन सेवा विंग के लगभग 50 बचाव कर्मियों को उपकरणों के संचालन पर अस्पताल में प्रशिक्षण मिला है। ओडिशा में आपातक. ालीन बचाव एजेंसी द्वारा इसका उपयोग नया है। हृदय रोग विशेषज्ञ एस.एन. मोहंती ने कहा, यह उपकरण मरीज के हृदय के पास लगाया जाता है, ताकि तत्काल झटका दिया जा सके, जिससे हृदय की कार्यप्रणाली बहाल हो सके और मरीज को निकटतम चिकित्सा सुविधा तक पहुंचाने के लिए आवश्यक समय मिल सके। यह उपचार हृदयाघात के मामलों में सी.पी.आर. के दौरान मैनुअल छाती संपीड़न की तुलना में अधिक प्रभावी साबित होता है। चूंकि लाखों श्रद्धालु उत्सव देखने के लिए ग्रैंड रोड पर एकत्र होते हैं, इसलिए लोग अक्सर आपातकालीन स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए संघर्ष करते हैं, और चिकित्सा सहायता के लिए प्रतीक्षा करते हुए बहुमूल्य समय बर्बाद होता है। उन्होंने कहा, हृदय गति रुकने के 3-5 मिनट के भीतर त्वरित प्रतिक्रिया जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण है। कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) के त्वरित प्रशासन के साथ-साथ शुरुआती डिफिब्रिलेटर का उपयोग हृदय गति रुकने के रोगियों के लिए सबसे अच्छे बचने के अवसर प्रदान करता है।

जच्चा-बच्चा की मौत पर डॉक्टर गिरफ्तार, हॉस्पिटल सील

कुशीनगर (उत्तर प्रदेश)। प्राप्त समाचार के अनुसार जच्चा-बच्चा की मौत होने पर लापरवाही के आरोप में डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, संबंधित प्राइवेट हॉस्पिटल को सील कर दिया गया है। कुशीनगर के खड्डा इलाके में 25 वर्षीय महिला और उसके नवजात बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी डॉ. मोहम्मद सईद को चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप में गिरफ्तार किया है और उसके अस्पताल को सील कर दिया। जानकारी अनुसार, हनुमानगंज थाना क्षेत्र के रामपुर जंगल गांव की रहने वाली आसमा को प्रसव पीड़ा होने पर विभ्रांत अस्पताल लाया गया था। रात करीब 11 बजे अस्पताल में उसका ऑपरेशन हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा और जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। कुछ समय बाद ही कर्मचारी बहाने बनाने लगे। परिवार ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने पैसे मांगे और जिला अस्पताल से खून का इंतजाम करने को कहा। जब आसमा की हालत बिगडने लगी तो अस्पताल प्रबंधन ने उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाने की सलाह दी। परिजनों ने खुद को अस्पताल का फिजीशियन बताने वाले डॉ. सैयद पर आरोप लगाया और कहा कि उन्हें झूठा भरोसा दिलाया कि जच्चा-बच्चा दोनों जीवित हैं। परिवार को संदेह हुआ तो डॉ. सैयद ने फरार होने की कोशिश की। परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने आकर डाक्टर को हिरासत में ले लिया। एसडीएम जफर ने कहा कि जांच में पता चला है कि विभ्रांत अस्पताल बिना किसी पंजीकरण के चल रहा था। अस्पताल को सील कर दिया है। खड्डा एसएचओ हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है

जीवन रक्षक दवाइयां डेढ़ माह में 30 फीसदी तक हो गई महंगी

बागपत (उप्र)। जीवन रक्षक दवाइयां डेढ़ माह में 30 फीसदी तक महंगी हो गई हैं। शुगर, किडनी, हृदय रोग, सांस की बीमारियों से लेकर सर्दी-जुकाम तक की दवाओं की कीमतों में उछाल आया है। इससे निजी अस्पतालों में इलाज कराने वाले मरीज तो परेशान हैं ही, वहीं सरकारी अस्पतालों के मरीजों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं। ऐसे में शुगर की दवाएं जहां 17 से 18 प्रतिशत तक महंगी हुई हैं और सांस रोग की दवा के दाम में 22 से 50 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। इसी तरह हृदय रोग की दवा 18 प्रतिशत तक महंगी हुई है। सर्दी-जुकाम की दवाओं के रेट 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़े हैं। मेडिकल स्टोर संचालकों का कहना है कि कंपनी ने ही दामों में वृद्धि की है और उन्होंने भी दवाओं के रेट बढ़ाए है। किसी भी मरीज से दवा के नाम पर गलत पैसा नहीं वसूला जा रहा है।

इस तरह बढ़े दवाओं के दाम

दवा	पहले	अब	प्रतिशत में वृद्धि
ग्लाइकोमेट जीपी2 (शुगर)	152	178	17.11
जोमेलिस मेट 50एमजी/500एमजी (शुगर)	153	179	16.99
प्राइमाकोर्ट-100 (प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने)	36	47	30.56
टिकाबिड (हृदय रोग)	272	321	18.01
डेरिफिलिन रिटार्ड 150 (सांस के रोग)	27	33	22.22
बेटनेसोल (मुंह के छाले व सांस रोग)	08	17	50.50
लेमिनो लेप्रो(आईवी) किडनी रोग	690	781	13.19
डोलो पेरासिटामोल (आईवी)	300	331	10.33
सिनारेस्ट (सर्दी जुकाम)	90	118	31.11
चेस्ट एंड कोल्ड (सर्दी जुकाम)	46	65	41.30
एन फ्लोक्स (दस्त की दवा)	92	131.95	43.42
गौ रोलेक्स (पेट की दवा)	112	135	20.5

तेलंगाना हाईकोर्ट ने आलमपुर सरकारी अस्पताल खोलने में देरी पर सरकार की खिंचाई की

हैदराबाद: तेलंगाना उच्च न्यायालय ने जोगुलम्बा गडवाल जिले के आलमपुर में 100 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल को चालू करने में 18 महीने की देरी के लिए राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई, जबकि अस्पताल पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है और उसमें सभी सुविधाएं मौजूद हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पक्क्ल और न्यायमूर्ति रेणुका यारा की खंडपीठ जिले के एक सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिज्ञ रामचंद्र रेढी द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने लंबे समय से निष्क्रियता पर चिंता व्यक्त की और सरकार और संबंधित विभागों को देरी के कारणों को स्पष्ट करते हुए दो सप्ताह के भीतर एक विस्तृत जवाबी हलनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि अस्पताल का निर्माण 2021 में स्वीख्रत ₹21 करोड़ से किया गया था और निर्माण अक्टूबर 2023 तक पूरा हो जाना था। हालांकि, पूरी तरह सुसज्जित होने के बावजूद अस्पताल को चालू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अप्रयुक्त भवन अब खाली पड़ा है और असामाजिक तत्वों द्वारा इसका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। जनसांख्यिकी और सामाजिक संदर्भ पर प्रकाश डालते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि आलमपुर एक अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र है, जहाँ दलित और पिछड़े वर्ग के समुदायों की एक बड़ी आबादी रहती है। उन्होंने तर्क दिया कि एक कार्यशील सार्वजनिक अस्पताल की अनुपस्थिति संविधाान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटी-निवासियों के स्वास्थ्य के मौलिक अधिाकार का उल्लंघन करती है।

जुलाई माह के व्रत एवं त्यौहार

01.07.2025	डाक्टर्स डे
11.07.2025	विश्व जनसंख्या दिवस
21.07.2025	एकादशी
27.07.2025	हरियालीतीज
29.07.2025	नागपंचमी
31.07.2025	तुलसीदास जयंती

रोसुवास एफ 20 और 'रोसुवास एफ 10 टैबलेट के नकली संस्करण जब्त

हैदराबाद। रोसुवास एफ 20 और 'रोसुवास एफ 10' टैबलेट (रोसुवास्टेटिन और फेनोफाइब्रेट टैबलेट) नकली जब्त की हैं। यह जब्ती ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन ने की। इनके बारे में झूठा दावा किया गया था कि वे सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा निर्मित हैं। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारियों ने गुप्त सूचना पर हैदराबाद के कोटि, इंदरबाग में कई डीलरों के यहां रेड की। इस दौरान नकली दवाओं 'रोसुवास एफ 20' और 'रोसुवास एफ 10' टैबलेट की जानकारी मिली। रोसुवास एफ 20 और रोसुवास एफ 10 टैबलेट का उपयोग रक्त में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर को कम करने और हृदय संबंधी समस्याओं को रोकने में मदद के लिए किया जाता है। छापेमारी के दौरान डीसीए अधिकारियों ने कोटि के इंदरबाग में स्थित दो डीलरों, गंगा फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर्स और श्री नंदिनी फार्मा के यहां नकली स्टॉक का पता लगाया। मूल निर्माता सन फार्मा से संदिग्ध बैचों के लिए संबंधित मूल बैचों के साथ तुलनात्मक विवरण मांगा गया। निर्माता से पुष्टि हुई कि 'रोसुवास एफ 20' और 'रोसुवास एफ 10' टैबलेट बैच वास्तव में नकली दवाएं थी।

www.medicaldarpan.com

विरोहन ने डायग्नोस्टिक इंटर्नशिप और नौकरियों की पेशकश के लिए अङ्करेंज हेल्थ लैब्स के साथ साझेदारी की

स्वास्थ्य सेवा शिक्षा प्रदाता विरोहन ने मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के छात्रों को इंटर्नशिप और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए डायग्नोस्टिक्स प्रदाता ऑरेंज हेल्थ लैब्स के साथ साझेदारी की है। साझेदारी का उद्देश्य ऑरेंज हेल्थ लैब्स की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कुशल और प्रमाणित मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलोजिस्ट एमएलटी के कार्यबल को मजबूत करना है, जिसके अगले पांच वर्षों में सालाना 300 से 1,000 तक बढ़ने की उम्मीद है। यह साझेदारी मुंबई, दिल्ली एनसीआर और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों सहित 76 शहरों में फैली हुई है। 2020 में स्थापित ऑरेंज हेल्थ लैब्स एक डायग्नोस्टिक्स प्रदाता है जो घर पर चिकित्सा परीक्षण सेवाएं प्रदान करता है। विरोहन चिकित्सा प्रयोगशाला विज्ञान में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें क्लिनिकल पैथोलॉजी, हेमेटोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, सीरोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, हिस्टोपैथोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी, ब्लड बैंकिंग और लैब प्रबंधान शामिल हैं। संस्थान का कहना है कि इसका पाठयक्रम कक्षा में सीखने को व्यावहारिक निदान अनुभव के साथ जोड़ता है ताकि छात्रें को वास्तविक दुनिया की नौकरी की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिल सके। एआई में प्रगति के बावजूद, "लेबोटोमिस्ट जैसे कुशल फ्टलाइन श्रमिकों की कमी बनी हुई है।

किंग इंस्टीट्यूट में बनेगा 750 बिस्तरों वाला बाल चिकित्सा अस्पताल

चेन्नई: स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने यहां बताया कि गुइंडी में किंग इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन एंड रिसर्च कैंपस में छह एकड़ जमीन पर 750 बिस्तरों वाला मल्टीस्पेशलिटी पीडियाट्रिक अस्पताल बनाया जाएगा। अस्पताल को एक स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशलिटी पीडियाट्रिक संस्थान से जोड़ा जाएगा जो तमिलनाडु डॉ एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी के एक घटक मेडिकल कॉलेज के रूप में कार्य करेगा। यह कलैगनार सेंटेनरी सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग के बाद परिसर में तीसरा अस्पताल होगा। राज्य ने 3.15 लाख वर्ग फीट में सात मंजिला अस्पताल भवन के निर्माण के लिए 487.66 करोड़ रुपये अलग रखे हैं, जिसमें छात्रावास और अन्य चिकित्सा बुनियादी ढाँचा होगा। प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण करने के लिए स्वास्थ्य सचिव पी सेंथिलकुमार सहित वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ किंग इंस्टीट्यूट का दौरा करने वाले मा सुब्रमण्यन ने कहा, ष्यह राज्य में किसी अस्पताल के लिए अब तक का सबसे बड़ा आवंटन है। उन्होंने कहा, हमें पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री से मंजूरी मिल गई है। निविदाएं जल्द ही आवंटित की जाएंगी और निर्माण सितंबर में शुरू होने की संभावना है। संस्थान को पूरी तरह से विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित और संचालित किया जाएगा। अस्पताल में 100 बिस्तरों वाली गहन देखभाल इकाइयाँ, पे वार्ड, साझा वार्ड और सुइट्स होंगे।

अल्प्राजोलम तस्करी रैकेट का मुख्य सप्लायर अरेस्ट

हैदराबाद। प्राप्त समाचार के अनुसार नशीली दवा अल्प्राजोलम तस्करी रैकेट का मुख्य सप्लायर अरेस्ट कर लिया गया है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अल्प्राजोलम गोलियों का सप्लायर उत्तर प्रदेश के कानपुर से गिरफ्तार किया गया। यह सफलता तेलंगाना निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग को मिली। आरोपी की पहचान अजय त्रिपाठी के रूप में हुई है। तेलंगाना आबकारी और औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने 4 जून को हैदराबाद के ऑटोनगर में 1,79,400 अल्प्राजोलम गोलियां जब्त की थीं। जब्त किए गए स्टॉक की कीमत लगभग 27 लाख रुपये है। जांच से पता चला कि आरोपी त्रिपाठी के नेतृत्व वाला गिरोह उत्तर प्रदेश में नशीले पदार्थों का निर्माण कर रहा था और परिवहन चौनलों के माध्यम से आंध्र प्रदेश में सहयोगियों को खेप भेज रहा था। त्रिपाठी इस ऑपरेशन का मुख्य सप्लायर और वित्तपोषक था। नशीली दवा अल्प्राजोलम तस्करी रैकेट का मुख्य सप्लायर अरेस्ट कर लिया गया है।

फार्मा कंपनी में 1.02 करोड़ के फर्जीवाडे का भंडाफोड़

हरिद्वार। प्राप्त समाचार के अनुसार फार्मा कंपनी में 1.02 करोड़ के फर्जीवाडे का भंडाफोड़ हुआ है। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स कंपनी में आईटी विभाग से जुड़े चार कर्मचारियों ने यह फर्जीवाड़ा कर डाला। कर्मचारियों ने तीन फर्जी कंपनियों के नाम पर झूठे खरीद आदेश जारी किए और 1.02 करोड़ की रकम हड़प ली। कंपनी की आंतरिक जांच के बाद इस मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने शिकायत के आधार पर चार कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

एकम्स फार्मा कंपनी की ओर से एचआर अधिकारी समंदर सिंह ने पुलिस को शिकायत दी है। आईटी विभाग में कार्यरत रहे रोहित तिवारी, कमलद. ीप, रवि सहरावत और विवेक गोयल ने साजिश के तहत औफेल एलएलपी, निकोल कंसल्टेंसी सर्विसेज और एडवांस इन्फो सॉल्यूशन खड़ी कीं। ये कंपनियां उनके रिश्तेदारों के नाम पर रजिस्टर्ड थीं। इन फर्जी कंपनियों को जरूरत से ज्यादा दामों पर आईटी उपकरण, सॉफ्टवेयर और सेवाओं की मांग दिखाकर ऑर्डर दिए गए। कई ऑर्डर ऐसे थे, जिनमें भुगतान के बाद भी कोई माल कंपनी तक नहीं पहुंचा। आरोप है कि जांच में यह भी सामने आया कि कर्मचारी रवि सहरावत, हरिद्वार में रहकर इन फर्जी कंपनियों के संचालकों के संपर्क में था। उसी के जरिए डील फाइनल होती थी और भुगतान के बाद मोटी रकम सीधे निजी खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि शिकायत मिलने पर केस दर्ज कर लिया गया है।

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120081, IFSC Code - PUNB0145020 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09045029158 पर SMS कर दें।

संक्रमणरोधी दवाओं की बिक्री में हुई बढ़ोतरी, ये है कारण

नई दिल्ली। प्राप्त समाचार के अनुसार संक्रमणरोधी दवाओं की बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। देश में संक्रमणरोधी दवाओं की बिक्री में पिछले साल के मुकाबले 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अब यह बढकर 2,130 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,979 करोड़ थी। इसके पीछे वायरल सीजन की शुरुआत और देशभर में कोविड के मामले बएने को मुख्य कारण माना गया है। बता दें कि संक्रमणरोधी श्रेणी भारतीय दवा बाजार के कुल राजस्व में करीब 11 प्रतिशत का योगदान करती है। इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल दवाओं ने बिक्री में क्रमश: 9.1 प्रतिशत और 7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कुल बिक्री वृद्धि को बढ़ावा दिया है। फार्माटैक के आंकड़ों से पता चलता है कि एंटीबैक्टीरियल दवा की बिक्री मई 2024 में 1,676 करोड़ रुपये थी। इस साल यह मई में बढकर 1,829 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एंटीफंगल दवा इसी अवधि में बढकर 152 करोड़ रुपये हो गई। विशेषज्ञों का कहना है कि इस उछाल का एक मुख्य कारण वायरल सीजन की शुरुआत है। यह आम तौर पर अप्रैल के आसपास शुरू होता है और इस दौरान श्वसन संक्रमण, वायरल बुखार और पेट संबंधी बीमारियां ज्यादा आम हो जाती हैं।

हालांकि इनमें से कई (बीमारियां) वायरस के कारण होती हैं और हमेशा एंटीबायोटिक दवाओं की आवश्यकता नहीं होती है। लेकिन डॉक्टर अक्सर इन दवाओं को लिखते हैं। इससे संक्रमणरोधी दवाओं का उपयोग अधिक होता है। एक अन्य विशेषज्ञ ने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में दर्ज गए कोविड-19 के मामलों में इजाफे ने भी इस वृद्धि में योगदान दिया है। संक्रमणरोधी दवाओं की बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। देश में संक्रमणरोधी दवाओं की बिक्री में पिछले साल के मुकाबले 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

अमेरिकी फार्मा कंपनी अब अंतरिक्ष में बनाएगी दवाएं

नई दिल्ली। प्राप्त समाचार के अनुसार अमेरिकी फार्मा कंपनी अब अंतरिक्ष में दवाओं का निर्माण करने जा रही है। अमेरिका की एक प्राइवेट कंपनी Varda Space Industries ने ऐसा कमाल कर दिखाया है। कंपनी का चौथा मिशन W-4 अब 21 जून को SpaceX रॉकेट के साथ लॉन्च होने जा रहा है। इस मिशन का मकसद है – अंतरिक्ष में दवाएं बनाना और उन्हें धरती पर सुरक्षित वापस लाना। वर्दा कंपनी अपने खास मिशन के तहत अंतरिक्ष में एक खास प्रक्रिया के तहत दवाओं की मेनुफेक्चरिंग करेगी। इस प्रक्रिया को सॉल्यूशन-बेस्ड क्रिस्टलाइजेशन कहते हैं। इसमें किसी दवा को घोलकर क्रिस्टल के रूप में जमाया जाता है। गुरुत्वाकर्षण की कमी में बनने वाले ये क्रिस्टल ज्यादा शुद्ध और असरदार होते हैं। इस मिशन में इस्तेमाल होने वाला स्पेसक्राफ्ट कंपनी ने खुद डिजाइन और तैयार किया है। पहले ये काम रॉकेट लैब करती थी। अगर यह सफल हो जाता है तो अंतरिक्ष में कोई कंपनी पहली बार दवा का निर्माण करेगी। इसके बाद दवा से भरे कैप्सूल को अंतरिक्ष से 18000 मील प्रति घंटा की रफ्तार से वापस धरती पर लाया जाएगा। ये कैप्सूल खास हीट शील्ड से ढका होगा, जो धरती के वायुमंडल की गर्मी को झेल सकेगा। अमेरिका की सरकारी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की मदद से वर्दा ने एक नया हीट शील्ड मटीरियल – C-PICA भी तैयार किया है।

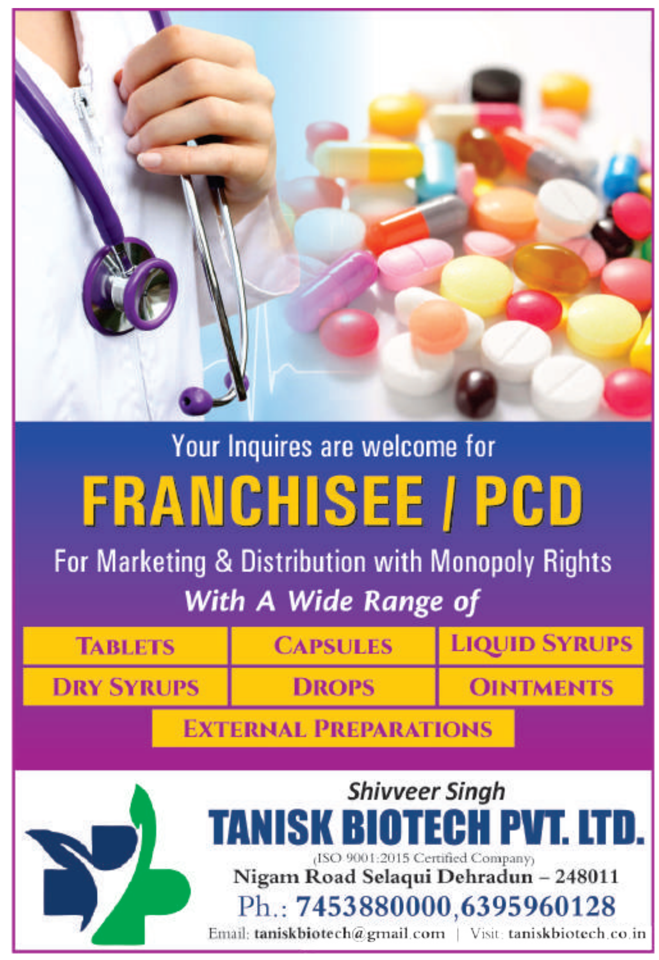

हैदराबाद के ईएसआईसी में हर मर्ज का इलाज, कोई मरीज दूसरे अस्पताल नहीं भेजते

कॉलेज व अस्पताल ने सरकारी अस्पतालों की पारंपरिक छवि को बदल दिया है। यह देश का पहला जीरो रेफर मॉडल अस्पताल बन गया है। यहां हर जटिल इलाज अपने ही संसाधनों से किया जा रहा है। किसी मरीज को दूसरे अस्पताल नहीं भेजा जाता। पिछले तीन साल में अस्पताल ने 26 किडनी ट्रांसप्लांट किए, सभी सफल रहे। 1600 से ज्यादा ओपन हार्ट सर्जरी, ब्रेन और स्पाइन सर्जरी, पार्किंसन मरीज की बैटरी बदलने, डायलिसिस पर चल रही महिला का सुरक्षित प्रसव, बच्चों द्वारा निगली गई वस्तुएं निकालने और मशीनों से कुचले हाथ व कटे अंगों को फिर से जोड़ने जैसे जटिल इलाज किए गए हैं। ये सभी इलाज निजी अस्पतालों में लाखों रुपए में होते हैं, लेकिन यहां मुफ्त में मिल रहे हैं। अस्पताल में 21 हजार रु. तक मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारी और उनके परिजन ईएसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) कार्ड से इलाज ले सकते हैं। दिव्यांगों के लिए सीमा 25 हजार रु. है। ईएसआई कार्ड धारक देश में कहीं भी किसी भी ईएसआईसी में मुफ्त इलाज ले सकते हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय अब हैदराबाद मॉडल को देश के अन्य ईएसआईसी अस्पतालों में लागू करेगा। डीन डॉ. श्रीश कुमार चवन ने बताया कि अस्पताल में 6 हजार तरह के टेस्ट होते हैं। मरीज की हालत के अनुसार टेलर्ड मेडिसिन दी जाती है। हार्मोन और जीन के रिस्पॉन्स के आधार पर दवा तय होती है। इससे रिकवरी तेज होती है। मुंबई के टाटा मेमोरियल के बाद केवल यहीं शहर टू डिश मार्कर उपलब्ध है। इससे ब्रेस्ट, गेस्ट्रिक और अन्य कैंसर की शुरुआती पहचान होती है।

सिस्टम ऐसा कि... घर बैठे दवा पहुंचाने की भी सुविधा: यहां ओपीडी में 34 विभाग हैं। 17 सुपर स्पेशियलिटी हैं। 2024 में 8 लाख मरीज ओपीडी में आए। रोज औसतन 2737 मरीज पहुंचे। सुपर स्पेशियलिटी में 244 और मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 800 बेड हैं। 2024 में 96,926 भर्ती। 20,117 सर्जरी हुईं। ट्रिपल ए प्लस मोबाइल एप बनाया है। इससे मरीज ऑनलाइन अपॉइंटमेंट ले सकते हैं। रिपोर्ट भी मोबाइल पर मिलती है। मोबाइल पर दवा की जरूरत बता सकते हैं। दवा घर पहुंचाते हैं।

MD PAPER July 2025_32 Inch January. 2021.qxd 7/1/2025 10:26 AM Page 16

एचआईवी की रोकथाम के लिए गिलियड के इंजेक्शन को मंजूरी मिली

फोस्टर सिटी। एचआईवी की रोकथाम के लिए गिलियड के इंजेक्शन को मंजूरी मिल गई है। यह मंजूरी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने गिलियड साइंसेज ने दी है। एचआईवी संक्रमण से बचाव के लिए साल में केवल दो इंजेक्शन की जरूरत होती है। इस उपचार को वैज्ञानिक रूप से लेनाकापाविर के रूप में जाना जाता है और इसे येजटुगो के रूप में बेचा जाएगा। गिलियड के चेयरमैन और सीईओ डैनियल ने कहा कि एचआईवी के खिलाफ दशकों से चली आ रही लड़ाई में यह एक ऐतिहासिक दिन है। येजटुगो हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सफलताओं में से एक है। एचआईवी महामारी को खत्म करने में मदद करने का एक वास्तविक अवसर प्रदान करता है। येजटुगो की सूची मूल्य प्रति वर्ष +28,218 होगी। यह एचआईवी की रोकथाम के लिए इसकी अन्य दवाओं में से एक डेस्कोवी की लागत से अधिक है। गिलियड की दवा सनलेन्का के नाम से 2022 से ही उपलब्ध है।

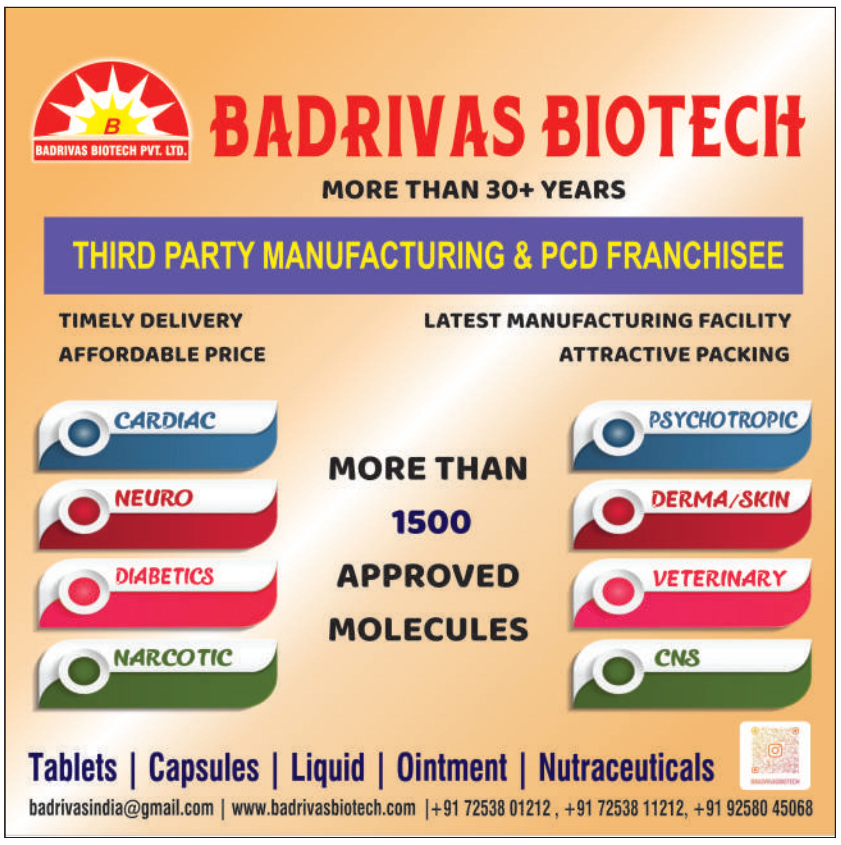

छापेमारी

जम्मू। मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी कर 9 दुकानदारों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में दवाओं के दुरुपयोग पर लगाम लगाने के लिए विशेष अभियान जारी है। अभियान के तहत नौ दवा विक्रेताओं के बिक्री लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू-कश्मीर औषधि एवं खाद्य नियंत्रण संगठन ने यह कार्रवाई की है। यह कार्रवाई नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले तत्वों की पहचान करने और उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए की गई है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पता चला कि कुछ थोक विक्रेता ऐसी दवाएं खरीद रहे थे जिनमें 'प्रेगाबे. लिन' शामिल था, जिसकी लत लगने का खतरा रहता है। यह सामग्री जम्मू-कश्मीर के बाहर स्थित आपूर्तिकर्ताओं से अवैध रूप से सीधे प्राप्त की जा रही थी।

अमृत और मृत्यु – दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं. मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है.

नीरू गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा हरिहर प्रेस के लिए एमपी, प्रिंटर्स नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं के० पी० रोड, बुलन्दशहर से प्रकाशित, सम्पादक – ब्रजेश कुमार गर्ग